सूर्योदय 5:45 सूर्यास्त 7:08

आज का तापमान

शिमला	17.2 न्यू	20.8 अधि
धर्मशाला	21.8 न्यू	27.0 अधि

बाजार

सेंसेक्स	78,542
निफ्टी	24,583

सोना 1,51,000 चांदी 2,33,000

भारतेन्दु शिखर

हिमाचल, चंडीगढ़, पंजाब, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली, जम्मू व उत्तराखंड में प्रसारित

आरएनआई नं. HPHIN/2000/02437 | शिमला | मंगलवार, 11 अगस्त 2026 | 27 श्रावण, विक्रमी संवत 2083 | वर्ष 28, अंक 108, कुल पृष्ठ 12 | मूल्य : 5 रुपए | info@bhartendushikhar.com | 8894677702

न्यूज शॉर्ट्स

अभिषेक बनर्जी को इलाज के लिए विदेश जाने की इजाजत

एजेंसी, नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने तृणमूल कांग्रेस के सांसद अभिषेक बनर्जी को अपनी आंख के इलाज के लिए विदेश जाने की अनुमति दे दी है। चीफ जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने ये आदेश दिया। उच्चतम न्यायालय ने कहा कि हर नागरिक को विदेश जाने और अपनी पसंद के मुताबिक इलाज कराने का अधिकार है। बनर्जी ने उच्चतम न्यायालय में याचिका दायर कर अपने आंख के इलाज के लिए विदेश जाने की अनुमति देने की मांग की थी। इसके पहले कलकत्ता उच्च न्यायालय ने अभिषेक बनर्जी को विदेश जाने की अनुमति देने से इनकार कर दिया था। कलकत्ता उच्च न्यायालय ने 20 जुलाई को अभिषेक बनर्जी की याचिका खारिज कर दी थी। बनर्जी ने अपने आंख के बेहतर इलाज के लिए विदेश जाने की अनुमति मांग थी। उन्होंने उच्च न्यायालय के आदेश को उच्चतम न्यायालय में चुनौती दी है।

रैगिंग से परेशान जूनियर डॉक्टर ने किया सुसाइड

एजेंसी, सूरत। गुजरात में सूरत के गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज (जीएमसी) में पढ़ाई कर रहे फर्स्ट ईयर के रेजिडेंट डॉक्टर हर्ष पंड्या ने रैगिंग से परेशान होकर रविवार को सुसाइड कर लिया। आरोपी सेकेंड ईयर के चार सीनियर डॉक्टर को छह महीने के लिए कॉलेज से सस्पेंड कर दिया गया है। साथ ही उन्हें हॉस्टल खाली करने का आदेश दिया गया है। मेडिकल कॉलेज प्रशासन ने सोमवार को चारों के खिलाफ एफआईआर भी दर्ज करवाई है। साथ ही एचओडी और तीन फैकल्टी सदस्यों को भी कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। पीड़ित स्टूडेंट गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज (जीएमसी) से जुड़े न्यू सिविल हॉस्पिटल के माइक्रोबायोलॉजी डिपार्टमेंट में काम करता था।

कोलंबिया में 7.4 तीव्रता के भूकंप से हिली धरती

एजेंसी, कोलंबिया। कोलंबिया में शक्तिशाली भूकंप के झटके महसूस किए गए। यूरोपीय-भूमध्यसागरीय भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार, भूकंप की प्रारंभिक तीव्रता 7.4 थी और इसका केंद्र 115 किलोमीटर की गहराई में था। वहीं, कोलंबिया की भूवैज्ञानिक सेवा ने इसकी प्रारंभिक तीव्रता 6.7 बताई है। भूकंप के झटके राजधानी बोगोटा समेत कई इलाकों में महसूस किए गए, जिसके झटके पड़ोसी देश इक्वाडोर तक महसूस किए गए। भूकंप के बाद लोगों में अफरा-तफरी मच गई और कई लोग अपने घरों व इमारतों से बाहर निकल आए।

बाढ़ और भूस्खलन से फिलीपींस में 12 की मौत

एजेंसी, मनीला। फिलीपींस में दक्षिण-पश्चिम मानसून 'हबागत' व उष्णकटिबंधीय तूफानों के असर से भारी बारिश, बाढ़ व भूस्खलन ने बड़े पैमाने पर तबाही मचाई है। सोमवार सुबह तक देश में कम से कम 12 लोगों की मौत, 8 लोगों के लापता होने और 11 लोगों के घायल होने की खबर है। तुर्किए की सरकारी समाचार एजेंसी अनादोलू ने स्थानीय मीडिया के हवाले से बताया कि ऑफिस ऑफ सिविल डिफेंस (ओसीडी) के अनुसार, ये आंकड़े सोमवार सुबह 11 बजे तक के हैं। शुरुआती रिपोर्टों के मुताबिक, मौतों के पीछे भूस्खलन, चट्टानें खिसकना, पेड़ गिरना, बिजली का झटका लगना और डूबने जैसी घटनाएं शामिल हैं।

जंतर-मंतर लाठीचार्ज मामले पर संसद में जवाब देंगे शाह

किरेन रिजिजू बोले- विपक्ष को सुनना पड़ेगा, भाग नहीं सकते

एजेंसी, नई दिल्ली। गृहमंत्री अमित शाह दिल्ली में छात्रों के प्रदर्शन व पुलिस एक्शन मामले पर सदन में जवाब देंगे।

संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने सोमवार को लोकसभा में कहा कि शाह विस्तार से जवाब देंगे, लेकिन विपक्ष को भरोसा देना होगा कि वह बहस से भागेगा नहीं। उन्हें गृहमंत्री का जवाब बिना हंगामा किए सुनना पड़ेगा। हालांकि, शाह कब बोलेंगे, रिजिजू ने इसकी जानकारी नहीं दी है। दिल्ली के जंतर-मंतर पर 20 जुलाई को प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर पुलिस एक्शन को लेकर विपक्ष लगातार गृहमंत्री के बयान की मांग कर रहा है। शाह संसद परिसर में नियमित रूप से आ रहे हैं, लेकिन उन्हें सदन में नहीं देखा गया है। मानसून सत्र 20 जुलाई से चल रहा है। 13 अगस्त को इसका समापन है।

संसद से पास हुआ बैंकर्स बुक्स एविडेंस बिल

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बैंकर्स बुक्स एविडेंस बिल, 2026 को लोकसभा में 3 अगस्त को पेश किया था। 6 अगस्त को लोकसभा ने इसे ध्वनिमत से पारित किया। राज्यसभा में यह बिल सोमवार को पेश हुआ और बिल पारित कर दिया। बैंकर्स बुक्स एविडेंस बिल, 2026 का मकसद बैंकों के रिकॉर्ड को अदालत में सबूत के तौर पर इस्तेमाल करने के नियमों को मौजूदा डिजिटल बैंकिंग व्यवस्था के हिसाब से अपडेट करना है।

लोकसभा में पेश हुए 4 बिल

विपक्षी सांसदों के नारेबाजी और प्रदर्शन के बीच सोमवार को लोकसभा में चार बिल पेश किए गए। इनमें ट्रिब्यूनल्स रिफॉर्म्स बिल, 2026, माइंस एंड मिनरल्स डेवलपमेंट एंड रेगुलेशन अमेंडमेंट बिल, 2026 शामिल हैं। इसके अलावा केरल (नाम में बदलाव) बिल, 2026 और नेशनल को-ऑपरेटिव डेवलपमेंट कॉरपोरेशन अमेंडमेंट बिल, 2026 भी पेश किए गए। कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने ट्रिब्यूनल्स रिफॉर्म्स बिल पेश किया। केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी ने माइंस एंड मिनरल्स (डेवलपमेंट एंड रेगुलेशन) अमेंडमेंट बिल पेश किया। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने केरल (अल्टरेशन ऑफ नेम) बिल, 2026 पेश किया। बिल में केरल का नाम बदलकर 'केरलम' करने का प्रस्ताव है।

झारखंड विधानसभा गेट के पास पहुंचे आंदोलनकारी स्टूडेंट्स, बैरिकेडिंग तोड़ी, पुलिस ने किया लाठीचार्ज

पुलिस ने छात्रों पर वाटर कैनन, आंसू गैस का किया इस्तेमाल, कई घायल

एजेंसी, रांची। झारखंड के रांची में जेपीएससी-जेएसएससी परीक्षा में धांधली के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हजारों छात्र बैरिकेडिंग तोड़ विधानसभा गेट के पास पहुंच गए।

छात्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी कर रहे थे। कई बार पुलिस व छात्रों के बीच झड़प की नौबत आई। दो-तीन बार लाठीचार्ज करना पड़ा। कुछ छात्रों के सिर पर चोटें आई। प्रदर्शनकारियों ने भी पुलिस पर पानी की बोतलें और चप्पलें फेंकीं। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में कहा, 'झारखंड में विरोध कर रहे छात्रों के खिलाफ बल प्रयोग गलत है। छात्रों को शांतिपूर्ण विरोध का अधिकार है और बातचीत से ही समाधान निकल सकता है। झारखंड सरकार को इन छात्रों की बात सुननी चाहिए और उनकी समस्याओं का तुरंत समाधान करना चाहिए।' इससे

छात्रों पर बल प्रयोग को राहुल गांधी ने बताया गलत

पहले आंदोलनकारी छात्र सुबह 10 बजे ओल्ड विधानसभा के पास एकत्रित हुए और फिर विधानसभा के घेराव के लिए निकले। पुलिस ने कंटीले तार की बैरिकेडिंग कर रखी थी। पुलिस ने जैसे ही वाटर कैनन का इस्तेमाल किया छात्र बैरिकेडिंग पर चढ़कर डांस करते नजर आए। कुछ छात्रों ने राष्ट्रगान गाया। इसके बाद पुलिस ने आंसू गैस के गोले भी दागे। उधर, सीआईडी ने जेपीएससी के पूर्व

जेपीएससी के पूर्व अध्यक्ष एल ख्यांगते गिरफ्तार

अध्यक्ष एल ख्यांगते को गिरफ्तार कर लिया है। 21 जुलाई को जेपीएससी ऑफिस में रेड के बाद उन्होंने इस्तीफा दे दिया था। सीआईडी उनसे लगातार पूछताछ कर रही थी। झारखंड जेपीएससी-जेएसएससी की परीक्षा रद्द करने की मांग को लेकर 17 दिन से आंदोलन कर रहे हैं। देवेंद्रनाथ महतो समेत 6 छात्र भूख हड़ताल पर हैं। वे एंबुलेंस से विधानसभा घेराव में शामिल हुए।

स्लोवेनिया में भारतीय दूतावास को नुकसान पहुंचाने पर भारत सख्त

एजेंसी, नई दिल्ली। स्लोवेनिया की राजधानी ल्युब्ल्याना स्थित भारतीय दूतावास के परिसर को भारत विरोधी तत्वों ने निशाना बनाते हुए क्षतिग्रस्त कर दिया। भारत ने कड़े शब्दों में इस हमले की निंदा की है साथ ही घटना के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

विदेश मंत्रालय (एमईए) ने कहा कि वियना कन्वेंशन के तहत राजनयिक परिसरों की सुरक्षा और उनकी पवित्रता सुनिश्चित करना अनिवार्य है। मंत्रालय ने इस मामले को नई दिल्ली और ल्युब्ल्याना, दोनों स्तरों पर स्लोवेनियाई अधिकारियों के समक्ष मजबूती से उठाया है। एमईए ने कहा कि इस तरह की निंदनीय घटना के लिए जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। साथ ही, मंत्रालय ने कानून प्रवर्तन एजेंसियों से ऐसे समूहों की ओर से फैलाए जा रही घृणा और दुष्प्रचार का संज्ञान लेने का आग्रह किया। इसकी जानकारी देते हुए भारतीय दूतावास ने एक्स पर लिखा, 'राजदूत अमित नारंग ने मंत्री टोने काजर से मुलाकात की। राजदूत ने भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर का खत उन्हें सौंपा।' इसमें आगे कहा गया कि बातचीत काफी सफल रही और विभिन्न मुद्दों पर बेहद सौहार्दपूर्ण माहौल में बात हुई।

सीएम धामी ने लॉन्च किया 'मुख्यमंत्री युवा विद्यार्थी मंथन' पोर्टल; बोले आज के विद्यार्थी ही भविष्य में उत्तराखंड का करेंगे नेतृत्व

एजेंसी, देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को मुख्यमंत्री आवास स्थित मुख्य सेवक सदन में आयोजित मुख्यमंत्री युवा विद्यार्थी मंथन कार्यक्रम में प्रतिभाग किया।

इस अवसर पर उन्होंने 'मुख्यमंत्री युवा विद्यार्थी मंथन' पोर्टल का भी शुभारंभ किया। इसी के साथ विद्यालयी स्टूडेंट्स के बीच होने वाली 'मेरे सपनों का उत्तराखंड एक विकसित राज्य के लिए मेरा दृष्टिकोण' विषय की निबंध प्रतियोगिता का शुभारंभ हो गया है। आयोजन के दौरान विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि इस निबंध प्रतियोगिता में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले प्रदेश के 140 बच्चों को सम्मानित किया जाएगा। साथ ही इन चयनित छात्र- छात्राओं का नीट, जेईई जैसी प्रतिष्ठित प्रतियोगी

परीक्षाओं की कोचिंग सहित एवं अन्य आवश्यक शुल्कों का वहन भी राज्य सरकार द्वारा किया जाएगा। इस कार्यक्रम में प्रदेश भर के 2828 सरकारी/गैर सरकारी स्कूलों के 11 व 12 वीं के 3 लाख से अधिक स्टूडेंट्स ने वर्चुअल तरीके से प्रतिभाग किया। मुख्यमंत्री ने संवाद के दौरान स्टूडेंट्स ने खेलों को बढ़ावा देने, सप्ताह में चार दिन खेल पीरियड आयोजित करने, विद्यालयों में मिल रहे विभिन्न अवसरों को और बढ़ाने, उच्च शिक्षा के क्षेत्र में उत्तराखंड को अग्रणी बनाने, राज्य में पर्यटन गतिविधियों को प्रोत्साहित करने तथा विकास के साथ पर्यावरण संरक्षण को प्राथमिकता देने सहित विभिन्न सुझाव दिए। सीएम ने छात्रों के सुझावों को गंभीरता से लेते हुए स्वयं नोट किया और अधिकारियों को इनके अनुरूप कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि छात्र-छात्राओं द्वारा दिए गए सुझावों को सरकार की नीतियों में भी शामिल किया जाएगा।

एमपी में नाले में बही कार, नौ की मौत, बाड़मेर-बीकानेर में सड़कें डूबीं

एजेंसी, नई दिल्ली। मध्य प्रदेश के राजगढ़ में निर्माणाधीन पुल पर भारी बारिश के बीच ईको वैन नाले में बह गई। वैन में 11 लोग सवार थे। हादसे में 9 लोगों की मौत हो गई, जबकि दो तैरकर बाहर निकल आए। तेज बारिश के कारण नाले का पानी पुल के ऊपर से बह रहा था ड्राइवर को अधूरा पुल दिखाई नहीं दिया, जिससे वैन नाले में जा गिरी। राजस्थान के जयपुर स्थित कानोता और झालावाड़ का कालीखाड़ डैम ओवरफ्लो हो गया है। बीकानेर के श्रीडूंगरगढ़ में रविवार रात सड़कों पर 2 से 3 फुट तक पानी भर गया। बाड़मेर में भी सड़कें लबालब हो गईं। रेलवे स्टेशन, सब्जी मंडी, हॉस्पिटल रोड समेत प्रमुख इलाकों में 2 से 4 फुट तक पानी भर

यूपी में गंगा का पानी हाईवे पर आया

गया। कई जगह दुकानों और घरों में भी पानी घुस गया। यूपी में गंगा-यमुना समेत 10 नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। फर्रुखाबाद-बिजनौर में गंगा नदी का पानी हाईवे के ऊपर बह रहा है। कई सड़कें डूब गई हैं। 40 गांव बाढ़ की चपेट में हैं। लोग सड़कों पर टेंट लगाकर रह रहे हैं। काशी में सभी 84 घाटों को जोड़ने वाले रास्ते जलमग्न हो गए हैं। गंगा का पानी मणिकर्णिका घाट तक पहुंच गया है।

पीएम से मुलाकात का मतलब अकाली दल से गठबंधन नहीं : मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी

एजेंसी, चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पंजाब में शिरोमणि अकाली दल के साथ गठबंधन की संभावनाओं को खारिज करते हुए कहा है कि प्रधानमंत्री से मुलाकात का अर्थ गठबंधन नहीं है।

सोमवार को चंडीगढ़ में पत्रकारों से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री पूरे देश के हैं। अकाली दल पंजाब की प्रमुख पार्टी है। सुखबीर बादल ने पंजाब के हितों की चिंता करते हुए प्रधानमंत्री से मुलाकात करके पंजाब की समस्याओं पर बात की है। इसका यह अर्थ नहीं है कि पंजाब में भाजपा का अकाली दल के साथ गठबंधन होगा। भाजपा पंजाब की जनता के साथ गठबंधन कर चुकी है। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान पर तंज कसते हुए कहा कि पंजाब की जनता से किए वादे पूरे करने में

कहा- सीएम भगवंत मान को सपने में भी दिखाई देता है हरियाणा का मुख्यमंत्री

नाकाम रहे पंजाब के मुख्यमंत्री अब हरियाणा की चिंता कर रहे हैं, अब तो भगवंत मान को सपने में भी हरियाणा का मुख्यमंत्री दिखाई देता है। पंजाब के मुख्यमंत्री को पहले पंजाब की जनता से किए गए वादों का हिसाब देना चाहिए और बताना चाहिए कि उनमें से कितने वादे पूरे किए गए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि आम आदमी पार्टी ने पंजाब में सत्ता में आने से पहले जनता से बड़े-बड़े वादे किए थे, लेकिन आज पंजाब के लोग खुद को ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अब चुनाव नजदीक आने पर जनता को फिर से गुमराह करने के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव में कुछ ही महीने शेष हैं और पंजाब के मुख्यमंत्री द्वारा बड़े बड़े मंचों से अब पेंशन के एक-दो महीने के पैसे डालने की बातें की जा रही हैं। यदि महिलाओं को लाभ देना ही था तो पहले साल से ही क्यों नहीं दिया गया।

मुख्यमंत्री ने आम आदमी पार्टी के 'कट्टर ईमानदार' होने के दावे पर भी निशाना साधते हुए कहा कि आम आदमी पार्टी खुद को कट्टर ईमानदार कहती थी, लेकिन आज पंजाब की हालत देखकर समझ नहीं आता कि आखिर यह कैसी ईमानदारी है। पहले कांग्रेस ने पंजाब की जनता का शोषण किया और अब आम आदमी पार्टी ने उससे भी आगे बढ़कर शोषण किया है।

छात्रों पर विवादित बयान देने वाला केरलम का यूट्यूबर गिरफ्तार

एजेंसी, कोच्चि। केरलम पुलिस ने सोमवार को राइट विंग कमेंटेटर और यूट्यूबर टीजी मोहनदास को गिरफ्तार किया। उन पर नीट पेपर लीक के विरोध में जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रहे छात्रों को लेकर विवादित बयान देने का आरोप है। पुलिस ने जांच के लिए डिजिटल डिवाइस भी जब्त किए हैं। पुलिस के मुताबिक, मोहनदास ने 24-25 जुलाई को यूट्यूब चैनल 'पथरिका' पर वीडियो अपलोड किए थे। मोहनदास पर आरोप है कि उन्होंने वीडियो में कहा- 'जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन में 'गैंगरेप की घटनाएं हो सकती हैं', लेकिन इसकी कोई शिकायत नहीं होगी, क्योंकि प्रदर्शन में शामिल होने वालों को रेप पसंद है और कुछ लड़कियां हैं, जो रेप का आनंद लेती हैं।' उन्होंने कहा था कि अगर वह होते तो जंतर-मंतर पर कर्फ्यू लगा देते और प्रदर्शनकारियों को हटने का आदेश देते, अगर प्रदर्शनकारी नहीं मानते, तो वे फायरिंग का आदेश देते।

सीएम रेखा गुप्ता ने 'विद्या वाहिनी योजना' के तहत दो सौ छात्राओं को वितरित की साइकिलें

एजेंसी, नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने 'विद्या वाहिनी योजना' के तहत सोमवार को विधानसभा परिसर में कक्षा 9 में अध्ययनरत छात्राओं को साइकिलें वितरित कीं।

इस अवसर पर उत्तरी जिले के जोन 7 की 200 छात्राओं को साइकिलें प्रदान की गईं। यह पहल छात्राओं के लिए विद्यालय तक आवागमन को आसान बनाने के साथ-साथ उनकी शिक्षा की निरंतरता, आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इस अवसर पर साइकिल प्राप्त करने वाली छात्राओं ने कहा कि साइकिल मिलने से उन्हें विद्यालय आने-जाने में सुविधा होगी, समय की बचत होगी और वे अधिक आत्मविश्वास के साथ अपनी पढ़ाई जारी रख सकेंगी। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने छात्राओं से संवाद करते हुए उन्हें

साइकिल मिलने पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि एक साइकिल केवल आवागमन का साधन नहीं, बल्कि बेटियों की शिक्षा और उनके सपनों को आगे बढ़ाने का माध्यम है। सरकार का प्रयास है कि किसी भी बेटी को स्कूल तक पहुंचने में आने वाली दूरी या परिवहन की समस्या उसकी पढ़ाई के रास्ते में बाधा न बने।

उन्होंने कहा कि 'विद्या वाहिनी योजना' के माध्यम से दिल्ली सरकार बेटियों की शिक्षा को अधिक सुलभ और सुविधाजनक बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि इस वर्ष कक्षा 9 में पढ़ने वाली लगभग 1.40 लाख छात्राओं को योजना के तहत साइकिलें वितरित की जा रही हैं। बेटियों की शिक्षा में किया गया निवेश समाज के उज्ज्वल भविष्य में किया गया निवेश है। सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए लगातार कार्य कर रही है कि दिल्ली की बेटियों को शिक्षा, आधुनिक सुविधाओं और आगे बढ़ने के समान अवसर मिलें। मुख्यमंत्री ने छात्राओं को प्रेरित करते हुए कहा कि वे इस सुविधा का उपयोग अपनी शिक्षा को और मजबूत करने में करें, अपने लक्ष्य तय करें और पूरे आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ें।

जयराम ठाकुर को जिप सदस्यों को लेकर डर क्यों, चुनाव होकर रहेंगे : सीएम सुक्खू

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। शिमला जिला परिषद के अध्यक्ष व उपाध्यक्ष पद के चुनाव में देरी को लेकर चल रहे सियासी विवाद के बीच मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर पर पलटवार किया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अगर जयराम ठाकुर चुनाव में देरी के विरोध में धरने पर बैठते हैं तो यह अच्छी बात है, लेकिन उन्हें यह बताना चाहिए कि जब चुनाव की तारीख तय थी, उस समय जिला परिषद सदस्यों को बैठक में भेजने के बजाय पंचकूला क्यों ले जाया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिला उपायुक्त शिमला ने जिला परिषद अध्यक्ष व उपाध्यक्ष के चुनाव के लिए तारीख तय की थी। उस समय सदस्यों को चुनावी बैठक में भेजने के बजाय उन्हें पंचकूला के एक होटल में ले जाया गया। उन्होंने सवाल उठाया कि आखिर जयराम ठाकुर को जिला परिषद सदस्यों को लेकर ऐसा क्या डर है। सुक्खू ने कहा कि चुनाव की तारीख तय करने में जिला उपायुक्त को कोई परेशानी नहीं है। जिला परिषद के चुनाव होने ही हैं और इन्हें कोई रोक नहीं सकता। उन्होंने कहा कि जिला परिषद और बीडीसी सदस्यों के मतदान करने तक उन्हें लेकर अलग-अलग तरह की गतिविधियां चलती रहती हैं। मुख्यमंत्री ने इस मामले में तंज कसते हुए कहा कि कुछ सदस्य अभी राजस्थान से लौटे हैं। उन्होंने कहा कि इन्हें थोड़ा और घुमाया जाए, दर्शन करवाए जाएं और उसके बाद चुनाव के लिए लाया जाए।

छह सरकारी स्कूल बनेंगे मॉडल डे-बोर्डिंग स्कूल

हिमाचल प्रदेश सरकार ने प्रदेश के छह राजकीय स्कूलों को राजीव गांधी राजकीय मॉडल डे-बोर्डिंग स्कूल के रूप में स्तरोन्नत करने का निर्णय लिया है। चयनित स्कूलों में करसोग, रामपुर बुशहर, रोहड़ू, चौपाल, नोहराधार और बड़साल के स्कूल शामिल हैं। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा कि इन स्कूलों में विद्यार्थियों को आधुनिक एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध करवाने के लिए हाईटेक स्मार्ट कक्षाएं, खेल मैदान, इंडोर स्टेडियम, पौष्टिक भोजन और स्विमिंग पूल जैसी सुविधाएं विकसित की जा रही हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का विशेष ध्यान ग्रामीण एवं दूरदराज क्षेत्रों के विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध करवाने पर है। उन्होंने कहा कि सरकारी स्कूलों में सीबीएसई पाठ्यक्रम शुरू करने के सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा व आधुनिक सुविधाओं से प्रभावित होकर निजी स्कूलों से 24 हजार विद्यार्थियों ने सरकारी स्कूलों में प्रवेश लिया है।

मुलाकात जनता दर्शन में मुख्यमंत्री ने सुनीं 200 लोगों की समस्याएं, अधिकारियों को समाधान के दिए निर्देश

घबराइए मत, कराएंगे हर समस्या का समाधान : योगी आदित्यनाथ

एजेंसी, गोरखपुर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रविवार शाम गोरखपुर आए। उन्होंने गोरखनाथ मंदिर में रात्रि प्रवास करने के बाद सोमवार सुबह जनता दर्शन में लोगों से मुलाकात की।

समस्या लेकर आए सभी लोगों की ध्यान से बात सुनी। उनके प्रार्थना पत्र लिए और आत्मीयता से बोले, 'घबराइए मत, आपकी समस्या का समाधान जरूर कराया जाएगा।' जनता दर्शन में मुख्यमंत्री ने पास में मौजूद अधिकारियों को निर्देशित किया कि हर पीड़ित व्यक्ति की समस्या पर संवेदनशीलता से ध्यान दें और उसका त्वरित, गुणवत्तापूर्ण व पारदर्शी निराकरण कराएं। सोमवार सुबह गोरखनाथ मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सामने आयोजित जनता दर्शन के दौरान मुख्यमंत्री ने करीब 200 लोगों

की समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को उनका समाधान करने के निर्देश दिए। कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक मुख्यमंत्री खुद पहुंचे। अपनत्व के भाव से 'कहां से आए हैं, क्या बात है', कहते हुए एक-एक कर सबकी समस्याएं सुनीं। भरोसा दिया कि वह सभी की समस्याओं का

मंदिर की गोशाला में सीएम ने की गोसेवा

गोरखनाथ मंदिर प्रवास के दौरान सोमवार सुबह मुख्यमंत्री की दिनचर्या परंपरागत रही। शिवावतार गुरु गोरखनाथ का दर्शन पूजन करने तथा अपने गुरुदेव ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की प्रतिमा समक्ष शीश झुकाने के बाद वह मंदिर परिसर के भ्रमण पर निकले। उन्होंने मंदिर की गोशाला में पहुंचकर गोसेवा की। गोशाला में योगी ने गोवंश को खूब दुलारा और अपने हाथों से उन्हें गुड़ खिलाया।

भूमि कब्जे पर कड़ी कार्रवाई गंभीर बीमारियों के इलाज में मिलेगी आर्थिक मदद

समाधान सुनिश्चित कराएंगे। किसी को भी परेशान होने या घबराने की आवश्यकता नहीं है।

उन्होंने प्रार्थना पत्रों को अधिकारियों को हस्तगत करते हुए निर्देश दिया कि हर समस्या का निस्तारण समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण और संतुष्टिप्रद होना चाहिए। कुछ लोगों द्वारा जमीन कब्जाने की शिकायत पर उन्होंने कठोर कानूनी कार्रवाई के निर्देश दिए। जनता दर्शन में कई लोग गंभीर बीमारियों के इलाज में आर्थिक सहायता का अनुरोध लेकर पहुंचे थे।

मुख्यमंत्री ने उन्हें भरोसा दिया कि इलाज में धन की कमी बाधक नहीं होगी। सरकार पर्याप्त आर्थिक सहायता देगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि अस्पताल के एस्टीमेट की प्रक्रिया को जल्द पूर्ण कराकर शासन में भेजें। मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से इसके लिए धनराशि दी जाएगी।

शिमला में स्कूल-कॉलेज बंद करने का फर्जी आदेश वायरल, डीसी के नाम और हस्ताक्षर का इस्तेमाल

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। राजधानी शिमला में रविवार रातभर बारिश हुई, मौसम सोमवार भी खराब रहा। इसी मौसम के बीच सोशल मीडिया पर एक ऐसा आदेश दौड़ पड़ा, जिसे देखकर विद्यार्थी, अभिभावक व शिक्षण संस्थान असमंजस में पड़ सकते थे।

आदेश में दावा किया गया कि शिमला जिले के सभी स्कूल-कॉलेज और दूसरे शिक्षण संस्थान बंद रहेंगे। पत्र पर जिला उपायुक्त के नाम और हस्ताक्षर भी दिखाई दे रहे थे। जांच हुई तो मामला ही उलटा निकला। जिला प्रशासन ने साफ किया कि यह आदेश फर्जी है और इसे प्रशासन ने जारी नहीं किया है। सोशल मीडिया पर वायरल इस पत्र में जिला शिमला के सभी सरकारी और निजी शिक्षण संस्थानों को 10 अगस्त को बंद रखने की बात कही गई थी।

इसमें स्कूलों के साथ कॉलेज, आंगनबाड़ी केंद्र, आईटीआई, पॉलिटेक्निक, कोचिंग सेंटर और नर्सिंग संस्थानों का भी जिक्र है। पत्र में शिमला में लगातार हो रही बारिश, भूस्खलन, पेड़ गिरने और सड़कों के बंद होने का हवाला दिया गया है। इसमें भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के पूर्वानुमान का भी उल्लेख किया गया है। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि फर्जी पत्र को असली दिखाने के लिए जिला दंडाधिकारी एवं जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अध्यक्ष के नाम और हस्ताक्षर का इस्तेमाल किया गया।

प्रशासन बोला- सोशल मीडिया का हर आदेश सही नहीं

जिला प्रशासन ने लोगों को स्पष्ट किया है कि सोशल मीडिया पर प्रसारित इस पत्र को आधिकारिक आदेश न माना जाए। किसी शिक्षण संस्थान को बंद करने या छुट्टी से जुड़ा आदेश केवल जिला प्रशासन अथवा संबंधित विभाग के अधिकृत माध्यमों से जारी किया जाता है। प्रशासन ने विद्यार्थियों, अभिभावकों और शिक्षण संस्थानों से अपील की है कि सोशल मीडिया पर मिले ऐसे किसी पत्र को बिना पुष्टि के आगे न भेजें। किसी भी आदेश की जानकारी के लिए संबंधित विभाग या जिला प्रशासन के अधिकृत माध्यम से पुष्टि करें।

नावर क्षेत्र के विकास में नहीं आने दी जाएगी धन की कमी : रोहित ठाकुर

नावर में सड़क परियोजनाओं पर खर्च हो रहे 100 करोड़, 11 प्रोजेक्टों को मंजूरी

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर ने कहा कि नावर क्षेत्र के विकास में किसी भी प्रकार की कमी नहीं आने दी जाएगी। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में सड़क, बागवानी, पर्यटन और शिक्षा सहित विभिन्न क्षेत्रों के विकास को प्राथमिकता दी जा रही है।

शिक्षा मंत्री अपने एकदिवसीय नावर प्रवास के दौरान विभिन्न विकास कार्यों का निरीक्षण करने के उपरांत नावर में आयोजित जनसभा को संबोधित कर रहे थे। शिक्षा मंत्री ने कहा कि जुब्बल-नावर-कोटखाई विधानसभा क्षेत्र में सड़कों के सुदृढ़ीकरण पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है और नावर क्षेत्र भी इस दिशा में प्राथमिकता में शामिल है। उन्होंने कहा कि विधानसभा क्षेत्र में सड़कों से संबंधित 50 से अधिक परियोजनाओं के लिए लगभग 550 करोड़ रुपए की स्वीकृति प्राप्त हुई है। इनमें से नावर क्षेत्र की 11 परियोजनाओं को भी स्वीकृति शामिल है, जिस पर 100 करोड़ रुपए व्यय किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार के कार्यकाल में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत नावर क्षेत्र की 7 सड़कों के निर्माण एवं सुदृढ़ीकरण पर लगभग 60 करोड़ रुपए खर्च किए जा रहे हैं। इसके अतिरिक्त, क्षेत्र की 3 सड़कों के लिए नाबार्ड के अंतर्गत लगभग 25 करोड़ रुपए की स्वीकृति प्राप्त हुई है। शिक्षा मंत्री ने कहा कि कुठाड़ी पंचायत की खदराला सड़क के लिए स्पेशल सेंट्रल असिस्टेंस प्लान के अंतर्गत 9 करोड़ 50 लाख रुपए की स्वीकृति प्रदान की गई है। इसके तहत घणासीधार-खदराला सड़क को भी पक्का किया गया है। उन्होंने कहा कि आपदा के दौरान क्षेत्र की सड़कों को काफी नुकसान पहुंचा था, लेकिन सरकार एवं संबंधित विभागों के प्रयासों से आमजन को आवागमन में किसी प्रकार की गंभीर परेशानी का सामना नहीं करने दिया गया। उन्होंने कहा कि विकास एक निरंतर प्रक्रिया है और प्रदेश सरकार इसी दृष्टिकोण के साथ क्षेत्र के विकास को आगे बढ़ा रही है। विकास कार्यों में राजनीतिक भेदभाव की कोई जगह नहीं है। शिक्षा मंत्री ने नावर प्रवास के दौरान निर्माणाधीन शहीद नाथूराम टिक्कर-टूनाधार सड़क का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने संबंधित विभागीय अधिकारियों से सड़क निर्माण कार्य की प्रगति की जानकारी ली तथा आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए। उन्होंने बताया कि इस सड़क का निर्माण लगभग 9 करोड़ 66 लाख रुपए की लागत से किया जा रहा है। उन्होंने अधिकारियों को निर्माण कार्य निर्धारित समय अवधि के भीतर पूरा करने के निर्देश दिए। शिक्षा मंत्री ने कहा कि यह सड़क क्षेत्र के लोगों के आवागमन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसके निर्माण से क्षेत्रवासियों को बेहतर यातायात सुविधा उपलब्ध होगी तथा बागवानी एवं अन्य आर्थिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा।

डिपुओं में 12 की जगह 11 लीटर तेल पहुंचने पर डिपो संचालक समिति नाराज

भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। हिमाचल डिपो संचालक समिति ने खाद्य व आपूर्ति निगम के अधिकारियों को अपनी कार्यप्रणाली में सुधार लाने की नसीहत दी है। समिति का कहना है कि डिपुओं को जो सप्लाई दी जा रही है, उसमें खाद्य तेल की एक पेटी में यदि 12 पाउच निकलने चाहिए, तो 11 क्यों निकल रहे। ऐसा कई बार हो चुका है, लेकिन शिकायतों की बावजूद भी उस पर अमल नहीं हो रहा, सुधार नहीं हो रहा। कुल्लू जिले के बंजार ब्लॉक में सिविल सप्लाई कारपोरेशन द्वारा भेजे गए खाद्य तेल में 12 के बजाए 11 लीटर तेल ही निकलने का मामला सामने आया है।

गत माह खाद्य नागरिक आपूर्ति निगम के गोदामों से डिपुओं पर आ रहे कम राशन की शिकायत डिपो संचालक समिति ने सरकार व विभाग से की थी, उसके उपरांत निदेशक खाद्य नागरिक आपूर्ति व एमडी खाद्य नागरिक आपूर्ति निगम ने निगम के गोदाम इंचार्जों को डिपो धारकों को तोल कर राशन देने के कड़े आदेश जारी किए थे, बावजूद इसके गोदामों से डिपुओं पर कम राशन आने का सिलसिला जारी है। समिति के प्रदेश अध्यक्ष अशोक कवि ने बताया कि कुल्लू जिला का यह मामला अकेला नहीं है। पहले भी ऐसी कई बार मामले सामने आ चुके हैं। आटा भी कम मात्रा में कई बार निकला है। ऐसा होना नहीं चाहिए, क्योंकि यदि डिपो संचालक समिति के सदस्य इन्हीं उलझनों में फंसे रहेंगे, तो फिर परेशान होकर इस काम धंधे को ही छोड़ देंगे। क्योंकि यह घाटे का सौदा साबित हो रहा है। इसमें परेशानी ज्यादा मिल रही है और लाभ कम। सरकार को इस मामले में कड़ी कार्रवाई अमल में लानी चाहिए। ताकि किसी भी तरह की लापरवाही न ही तो निगम के स्तर पर और ना ही सप्लाई करने वाले लोगों के स्तर पर हो, ऐसा यदि बार-बार होता रहा, तो फिर परेशानियों का सिलसिला यूं ही चलता रहेगा, तो और परेशानियां बढ़ेंगी, तो फिर इस काम से संचालक समिति के सदस्य मुंह फेर लेंगे।

न्यूज ब्रीफ

चमियाणा भवन हादसे में हाईकोर्ट ने एनएचएआई कंपनी को 2.23 करोड़ मुआवजा देने के दिए आदेश

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट ने शिमला बाईपास फोरलेन निर्माण के दौरान चमियाणा में भवन गिरने के मामले में एनएचएआई और निर्माण कंपनी को चार सप्ताह के भीतर मुआवजे की आधी-आधी राशि देने के आदेश दिए हैं। मुख्य न्यायाधीश जीएस संधावालिया और न्यायमूर्ति बिपिन सी. नेगी की खंडपीठ मामले की सुनवाई कर रही है। अदालत ने रंजना देवी के भवन और उसमें रखे सामान का कुल नुकसान 2.23 करोड़ रुपए आंका है। इसमें भवन की कीमत 1.65 करोड़ और सामान का मूल्य करीब 58.38 लाख रुपए है। कोर्ट ने निर्देश दिए कि एनएचएआई और एम/एस गावर शिमला हाइवे प्राइवेट लिमिटेड 1.11-1.11 करोड़ रुपए रंजना देवी को भुगतान करें। अदालत ने कहा कि फोरलेन निर्माण की जिम्मेदारी एनएचएआई की है और पहाड़ी कटिंग के दौरान हुए नुकसान की जिम्मेदारी से वह बच नहीं सकता। कोर्ट ने निर्माण कार्य में निगरानी और कटिंग की प्रक्रिया पर भी सवाल उठाए। वहीं, चंपा देवी के असुरक्षित भवन का राज्य सरकार को तय प्रक्रिया के तहत आकलन कराने के निर्देश दिए गए हैं। मामले की अगली सुनवाई 23 सितंबर, 2026 को होगी।

900 बीपीएल लाभार्थियों से किया सीधा संवाद

भारतेन्दु संवाददाता, नूरपुर। ग्रामीण विकास विभाग द्वारा फेस-1 से फेस-8 सर्वे के तहत चिह्नित बीपीएल परिवारों से सीधे संवाद के लिए स्थानीय बचत भवन में कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में पूर्व विधायक अजय महाजन मुख्यातिथि रहे। एसडीएम अरुण शर्मा, बीडीओ अशोक कुमार सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी भी मौजूद रहे। अजय महाजन ने कहा कि प्रदेश सरकार जरूरतमंद व पात्र परिवारों तक जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि बीपीएल परिवारों से सीधे संवाद करने से उनकी वास्तविक समस्याओं और जरूरतों को समझने में मदद मिलेगी तथा पात्र परिवारों को योजनाओं से जोड़ा जा सकेगा। एसडीएम अरुण शर्मा ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य सर्वे में चिह्नित लाभार्थियों की वास्तविक स्थिति और आवश्यकताओं को समझना तथा पात्रता चयन में पारदर्शिता सुनिश्चित करना है। बीडीओ अशोक कुमार ने लाभार्थियों को विभिन्न सरकारी योजनाओं से जोड़ने के लिए हरसंभव सहयोग का भरोसा दिया। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों ने योजनाओं की जानकारी दी। लाभार्थियों ने अपनी समस्याएं भी रखीं, जिनका अधिकारियों ने मौके पर समाधान और मार्गदर्शन किया। कार्यक्रम में 29 पंचायतों के करीब 900 बीपीएल लाभार्थी शामिल हुए।

किराये के कमरे से चिट्टा बरामद, तीन काबू

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। शिमला जिले के रोहड़ू थाना क्षेत्र में पुलिस ने नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत चिड़गांव में कार्रवाई करते हुए तीन लोगों के कब्जे से हेरोइन यानी चिट्टा बरामद किया है। पुलिस के अनुसार बरामद चिट्टे का वजन छह ग्राम है। यह कार्रवाई रविवार रात की गई। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि चिड़गांव के बोटीनाला, कंडा रोड स्थित एक किराए के कमरे में नशीला पदार्थ मौजूद है। सूचना के आधार पर रोहड़ू पुलिस थाना की टीम ने कमरे की तलाशी ली। तलाशी के दौरान रवीन कुमार पुत्र ज्ञान सिंह, निवासी गांव टिपरोली, तहसील जांगला, जिला शिमला, के साथ मौजूद धीरेन्द्र सिंह पुत्र मुखन सिंह, निवासी जांगला और रूपेश कुमार पुत्र बिहारी लाल, निवासी चिरगांव के कब्जे से हेरोइन बरामद की गई। पुलिस ने तीनों के खिलाफ मादक पदार्थ और नशीले पदार्थों से जुड़े कानून की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। एसएसपी शिमला गौरव सिंह के अनुसार तीनों आरोपियों को अदालत के सामने पेश किया जा रहा है। मामले की जांच जारी है और पुलिस बरामद नशीले पदार्थ से जुड़े अन्य पहलुओं की भी जांच कर रही है।

ओपीएस में नहीं होगा कोई बदलाव : अग्निहोत्री

उपमुख्यमंत्री ने पालमपुर में 10 इलेक्ट्रिक बसों को दिखाई हरी झंडी

भारतेन्दु संवाददाता, धर्मशाला। उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने कहा कि प्रदेश की कांग्रेस सरकार ओपीएस में किसी भी स्तर पर कोई बदलाव नहीं करेगी। कांग्रेस सरकार ने कर्मचारियों के हित में पुरानी पेंशन व्यवस्था बहाल की है और सरकार अपने इस फैसले पर पूरी तरह कायम है।

मुकेश अग्निहोत्री ने यह बात पालमपुर में पत्रकारों से बातचीत में कही। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार विकास के एजेंडे को पूरी मजबूती के साथ आगे बढ़ा रही है। उन्होंने कहा कि सरकार का प्रयास है कि आम लोगों को बेहतर सुविधाएं मिलें और विकास कार्यों का लाभ प्रदेश के हर क्षेत्र तक पहुंचे। उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने आज पालमपुर में 10 इलेक्ट्रिक बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर उन्होंने इलेक्ट्रिक बस में सफर भी किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश में सार्वजनिक परिवहन को आधुनिक और पर्यावरण अनुकूल बनाने के लिए इलेक्ट्रिक बसों को बड़े स्तर पर बढ़ावा दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि 297 इलेक्ट्रिक बसें एचआरटीसी के बेड़े में शामिल की जा चुकी हैं और इन्हें निर्धारित रूटों पर चलाया जाएगा। जहां-जहां चार्जिंग स्टेशन स्थापित हो चुके हैं, वहां इन बसों का संचालन किया जा रहा है। आने वाले समय में 1,000 और इलेक्ट्रिक बसें एचआरटीसी के बेड़े में शामिल की जाएंगी। उन्होंने कहा कि डीजल बसों की खरीद अब मुख्य रूप से लंबे रूटों के लिए 47 सीटर बसों तक सीमित रखी जाएगी। वहीं, करीब 300 पुरानी बसों को चरणबद्ध तरीके से एचआरटीसी के बेड़े से हटाया जाएगा। मुकेश अग्निहोत्री ने कहा कि इलेक्ट्रिक बसों के संचालन के लिए पूरे प्रदेश में चार्जिंग स्टेशन स्थापित किए जा रहे हैं। कांगड़ा जिला में धर्मशाला, नगरोटा, जसूर, देहरा, पालमपुर और पठानकोट में चार्जिंग स्टेशन स्थापित किए जा चुके हैं, जबकि जयसिंहपुर में चार्जिंग स्टेशन स्थापित किया जाएगा। धर्मशाला, देहरा और नगरोटा को इलेक्ट्रिक बसें उपलब्ध करवाई जा चुकी हैं। उन्होंने कहा कि पीजीआई, एम्स बिलासपुर, आईजीएमसी शिमला सहित मेडिकल कॉलेजों और प्रमुख धार्मिक स्थानों के लिए नई इलेक्ट्रिक बसें चलाई जाएंगी। इससे लोगों को उपचार के लिए आने-जाने में सुविधा मिलेगी तथा धार्मिक स्थलों तक बेहतर परिवहन सुविधा उपलब्ध होने से धार्मिक पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा।

कांग्रेस राज में हिमाचल में आर्थिक आपातकाल 1,10,010 करोड़ रुपए के कर्ज में प्रदेश : अनुराग

अनिल कुमार, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। पूर्व केंद्रीय मंत्री व हमीरपुर सांसद अनुराग सिंह ठाकुर ने हिमाचल प्रदेश की बिगड़ती वित्तीय स्थिति को लेकर मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला बोला है।

लोकसभा में उनके द्वारा पूछे गए अतारांकित प्रश्न संख्या 3605 के जवाब में केंद्रीय वित्त मंत्री द्वारा उपलब्ध कराए गए आधिकारिक आंकड़ों का हवाला देते हुए अनुराग ठाकुर ने कहा कि कांग्रेस सरकार ने हिमाचल की अर्थव्यवस्था को कर्ज, उधारी और वित्तीय कुप्रबंधन के ऐसे दलदल में धकेल दिया है, जिसका बोझ आने वाली पीढ़ियों को उठाना पड़ेगा। केंद्रीय वित्त मंत्री के जवाब से सामने आए आंकड़ों के अनुसार हिमाचल प्रदेश की कुल बकाया देनदारियां वर्ष 2018 में 51,030 करोड़ रुपए थीं, जो वर्ष 2026 के बजट अनुमान में बढ़कर 1,10,010 करोड़ रुपए हो गई हैं। अनुराग ने कहा कि यह केवल कर्ज बढ़ने का आंकड़ा नहीं है, बल्कि सुक्खू सरकार के वित्तीय कुप्रबंधन का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने सत्ता में आने के बाद आर्थिक अनुशासन स्थापित करने के बजाय प्रदेश को लगातार उधार लेने पर निर्भर कर दिया, जिस राज्य को विकास, रोजगार और निवेश के नए अवसरों की ओर बढ़ना चाहिए था, उसे कांग्रेस सरकार ने कर्ज और बदहाल वित्तीय प्रबंधन की ओर धकेल दिया है। उन्होंने कहा कि सबसे गंभीर स्थिति यह है कि हिमाचल प्रदेश वर्ष 2025 में वर्ष 2017-18 के बाद पहली बार ओवरड्राफ्ट में चला गया। भारतीय रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2018 से 2024 तक प्रदेश ने वेज़ एंड मीन्स एडवांसेज और ओवरड्राफ्ट के मामले में शून्य शेष बनाए रखा था।

चक्की पुल पर कैंटर ने बाइक को मारी टक्कर, नेपाली व्यक्ति की मौत

भारतेन्दु संवाददाता, इंदौरा। हिमाचल-पंजाब सीमा के चक्की पुल के पास तेज रफ्तार कैंटर की टक्कर से बाइक सवार नेपाली व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि उसका भतीजा गंभीर रूप से घायल हो गया। मृतक की पहचान 40 वर्षीय पंच बहादुर निवासी तनहुं, नेपाल के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, पंच बहादुर अपने भतीजे सुरेश भुजेल को लेने पठानकोट आए थे। दोनों बाइक से लौट रहे थे, तभी तेज रफ्तार टाटा कैंटर ने पीछे से बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में दोनों सड़क पर गिर पड़े। पंच बहादुर के सिर में गंभीर चोट लगी। उन्हें पठानकोट से अमृतसर रेफर किया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। हादसे के बाद चालक कैंटर छोड़कर फरार हो गया। थाना-2 पुलिस ने मामला दर्ज कर कैंटर कब्जे में लेकर चालक की तलाश शुरू कर दी है।

रूस में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे हिमाचल के लालित कुमार डोगरा

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश के युवा नेतृत्वकर्ता, सामाजिक कार्यकर्ता एवं एनएसएस राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता लालित कुमार डोगरा अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर रूस में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। उन्हें रूस के ट्यूमेन क्षेत्र में 12 से 18 अगस्त 2026 तक आयोजित होने वाले अंतरराष्ट्रीय युवा कार्यक्रम के लिए आमंत्रित किया गया है। डोगरा 'न्यू जेनरेशन' कार्यक्रम के अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधि के रूप में रूस की यात्रा करेंगे और 'डिस्कवर योर रशिया' कार्यक्रम में भाग लेंगे।

यह अवसर ब्रिक्स यूथ अलायंस तथा रूस की संबंधित अंतरराष्ट्रीय युवा आदान-प्रदान पहल के तहत मिला है। कार्यक्रम में विभिन्न देशों से चयनित युवा प्रतिनिधि हिस्सा लेंगे। लालित कुमार डोगरा ने अपनी युवा नेतृत्व और सामाजिक सेवा की यात्रा राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) से शुरू की। युवाओं की भागीदारी, स्वयंसेवा, सामुदायिक विकास और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में उनके योगदान को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिली। उन्हें एनएसएस राष्ट्रीय पुरस्कार 2019-20 से सम्मानित किया जा चुका है। वर्तमान में डोगरा नई दिल्ली स्थित राष्ट्रीय नगर कार्य संस्थान (NIUA) के शहरी युवा इकाई में युवा समन्वयक के रूप में कार्यरत हैं। वे शहरी युवाओं की सहभागिता, नेतृत्व क्षमता और युवा केंद्रित पहलों से जुड़े कार्यों में योगदान दे रहे हैं। इससे पहले डोगरा बैंकॉक स्थित संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन केंद्र में आयोजित अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम में भारत का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। रूस में वे भारत की युवा शक्ति, स्वयंसेवा, सामाजिक विकास और शहरी युवा सहभागिता से जुड़े अनुभव साझा करेंगे। उनका यह अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधित्व हिमाचल के युवाओं के लिए गौरव और प्रेरणा का अवसर माना जा रहा है।

जनसहयोग से ठूंड में 200 साल पुराने मंदिर का जीर्णोद्धार, चार साल से अनुदान का इंतजार

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। जुन्गा तहसील के ठूंड गांव में स्थित करीब 200 वर्ष पुराने देवता जुन्गा देवचंद मंदिर का जीर्णोद्धार सरकारी सहायता के बिना जनसहयोग से किया जा रहा है। सोमवार को मंदिर समिति की आमसभा में निर्माण कार्य के दौरान आ रही वित्तीय समस्याओं पर चर्चा की गई। मंदिर समिति के प्रधान प्रेम ठाकुर ने बताया कि जीर्णोद्धार के लिए भाषा एवं संस्कृति विभाग को भेजी गई फाइल पिछले चार वर्षों से बजट के अभाव में लंबित है। दो वर्षों तक सरकारी सहायता का इंतजार करने के बाद स्थानीय लोगों और देवता के कलैणों ने स्वयं निर्माण कार्य शुरू किया। समिति के अनुसार अब तक करीब 50 लाख रुपए जनसहयोग से जुटाए गए हैं और मंदिर का लगभग 75 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है। अब शेष 25 प्रतिशत कार्य तथा विशेषज्ञ कारीगरों की मजदूरी का भुगतान करना चुनौती बन गया है। मंदिर का निर्माण प्राचीन दैव शैली में किया जा रहा है।

क्षेत्रीय अस्पताल बिलासपुर को मिलेंगे 91 लाख रुपए के आधुनिक चिकित्सा उपकरण

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। जिला मुख्यालय स्थित बचत भवन में सोमवार को रोगी कल्याण समिति, क्षेत्रीय अस्पताल बिलासपुर की गवर्निंग बॉडी की बैठक आयोजित की गई।

बैठक की अध्यक्षता नगर व ग्राम नियोजन, आवास, तकनीकी शिक्षा, व्यावसायिक एवं औद्योगिक प्रशिक्षण मंत्री राजेश धर्माणी ने की। बैठक में अस्पताल की स्वास्थ्य सुविधाओं को सुदृढ़ करने और मरीजों को बेहतर उपचार उपलब्ध करवाने को लेकर कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक में बताया गया कि जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट (डीएमएफटी) के माध्यम से क्षेत्रीय अस्पताल में आधुनिक चिकित्सा उपकरणों की खरीद के लिए 91 लाख रुपए उपलब्ध करवाए गए हैं। इस राशि से 18 लाख रुपए की अल्ट्रासाउंड मशीन, 15 लाख की ऑफ्थैल्मिक एनडी याग लेजर मशीन, 20 लाख की सी-आर्म मशीन, 20 लाख की फेकोइमल्सीफिकेशन मशीन, 5 लाख की आई टेबल, 6 लाख के चार पैरा मॉनिटर, 6 लाख के ऑपरेशन थिएटर विद्युत कार्य और 2 लाख रुपए का आर्थ्रोस्कोपी सेट उपलब्ध करवाया जाएगा। इससे मरीजों को स्थानीय स्तर पर बेहतर जांच और उपचार सुविधाएं मिल सकेंगी।

रक्तदाताओं की किट राशि 30 से बढ़कर 150 रुपए

वित्तीय वर्ष 2026-27 में रोगी कल्याण समिति को 269 लाख रुपए की अनुमानित आय होने का अनुमान है, जबकि करीब 319 लाख रुपए खर्च प्रस्तावित है। बैठक में स्वास्थ्य सेवाओं के न्यूनतम शुल्क में मामूली वृद्धि को भी मंजूरी दी गई। डायलिसिस सुविधा पर चर्चा के दौरान मंत्री ने अतिरिक्त मशीनें उपलब्ध करवाने के लिए अस्पताल प्रशासन से एक सप्ताह में विस्तृत रिपोर्ट मांगी। वर्ष 2025 में 41 मरीजों के 3,732 डायलिसिस सत्र हुए, जबकि 2026 में अब तक 40 मरीजों के 1,272 सत्र किए जा चुके हैं। बैठक में स्वैच्छिक रक्तदाताओं की किट की राशि 30 से बढ़ाकर 150 रुपए करने का निर्णय लिया गया। पोस्टमार्टम सुविधा को लेकर मंत्री ने निर्देश दिए कि विशेष परिस्थितियों को छोड़कर अधिकांश पोस्टमार्टम क्षेत्रीय अस्पताल बिलासपुर में ही किए जाएं। श्री नयना देवी और झंडूता अस्पतालों में भी पोस्टमार्टम सुविधा विकसित करने पर सहमति बनी।

विधायक पठानिया ने सिविल अस्पताल पहुंचकर जाना मरीजों का कुशलक्षेम

भारतेन्दु संवाददाता, धर्मशाला। शाहपुर के विधायक व उपमुख्य सचेतक केवल सिंह पठानिया सोमवार सुबह-सुबह जनसमस्याओं और विकास कार्यों का जायजा लेने के लिए मैदान में उतरे। सुबह सबसे पहले उन्होंने सारनू पहुंचकर श्री रविदास मंदिर के निर्माण कार्य का निरीक्षण किया तथा निर्माण कार्य की प्रगति की जानकारी ली।

इसके पश्चात करीब पौने सात बजे विधायक अचानक सिविल अस्पताल शाहपुर पहुंचे। उन्होंने अस्पताल पहुंचकर मरीजों से मुलाकात करना और उनका कुशलक्षेम जाना। विधायक ने अस्पताल में भर्ती मरीजों एवं उनके तीमारदारों से बातचीत कर अस्पताल में मिल रही स्वास्थ्य सुविधाओं के बारे में जानकारी ली। उन्होंने मरीजों की समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुना और उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। इस दौरान उन्होंने अस्पताल के डॉक्टरों एवं स्टाफ को मरीजों का विशेष ध्यान रखने तथा उन्हें बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध करवाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य संस्थानों में आने वाले प्रत्येक मरीज को बेहतर उपचार और आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध करवाना सरकार की प्राथमिकता है।

केवल सिंह पठानिया ने कहा कि जनप्रतिनिधि होने के नाते जनता की समस्याओं को करीब से जानना और उनका समाधान करवाना उनकी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि लोगों की समस्याओं के समाधान और क्षेत्र के विकास कार्यों को गति देने के लिए वह लगातार प्रयासरत हैं।

प्रदर्शन भाजपा नेता राजेंद्र राणा पर दर्ज एफआईआर के खिलाफ सुजानपुर में फूटा जनाक्रोश

सरकार को 'गाली' बर्दाश्त है, 'सवाल' नहीं : भाजपा

अनिल कुमार, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। एफआईआर के रास्ते हिमाचल में अब सियासत सड़क पर आ गई है। भाजपा के वरिष्ठ प्रवक्ता एवं पूर्व विधायक राजेंद्र राणा पर एफआईआर दर्ज होते ही सुजानपुर में जनाक्रोश फूट पड़ा है। सोमवार को भाजपा कार्यकर्ता सड़कों पर उतरकर जोरदार प्रदर्शन किया और राज्यपाल से लेकर पुलिस अधीक्षक तक शिकायतों का पिटारा खोल दिया।

भाजपा मंडल सुजानपुर और बमसन के कार्यकर्ताओं ने उग्र प्रदर्शन करते हुए एसडीएम के माध्यम से राज्यपाल को ज्ञापन सौंपा। भाजपा मंडलों ने कहा कि प्रदेश की कांग्रेस सरकार विरोधी की बजाय राजनीतिक दुश्मन समझकर काम कर रही है और धड़ाधड़ पूरे प्रदेश में झूठी एफआईआर दर्ज कर रही है। उन्होंने कहा कि हिमाचल में डबल स्टैंडर्ड नहीं चलेगा। कांग्रेस गाली दे तो एफआईआर नहीं होती। भाजपा अगर सरकार की नाकामियां और 10 गारंटियां याद दिलाए, तो पलक झपकते एफआईआर दर्ज हो जाती है। एक राज्य में 2 संविधान और कानून नहीं चल सकते। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री के इशारे पर स्थानीय विधायक रणजीत सिंह राणा व कांग्रेस पदाधिकारियों ने राजेंद्र राणा द्वारा सरकार की नाकामियों को उजागर करने पर शिकायत दी थी व पुलिस ने तुरंत एफआईर दर्ज कर ली, लेकिन 14 जुलाई को हमीरपुर में कांग्रेस ने प्रधानमंत्री पद की गरिमा को ठेस पहुंचाई और अशोभनीय शब्द लिखे, उस पर कोई कार्रवाई नहीं हुई।

भाजपा पदाधिकारियों ने कहा कि इसका मतलब साफ है कि सत्ता की चाटुकारिता करने वालों को माफी और सवाल पूछने वालों को जेल। लगता है 1975 का आपातकाल लौट आया है। विपक्ष जनता की आवाज बुलंद करता है, लेकिन सरकार उसे अलोकतांत्रिक और गैर कानूनी ठहराने लगी है। भाजपा मंडल पदाधिकारियों ने कहा कि सुखु सरकार विपक्ष के लोगों को राजनीतिक विरोधी मानने की बजाय दुश्मन मान रही है।

राज्यपाल से इन मांगों पर मांगी कार्रवाई

प्रदर्शन के दौरान भाजपा पदाधिकारियों ने राज्यपाल से मांग उठाई कि वरिष्ठ भाजपा नेता राजेंद्र राणा पर दर्ज एफआईआर रद्द की जाए तथा राजनीतिक द्वेष में कानून का दुरुपयोग बंद किया जाए। प्रदेश सरकार सवालों का जवाब एफआईआर की बजाय लोकतांत्रिक तरीके से दे। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता सुनिश्चित की जाए और विपक्ष के खिलाफ एफआईआर की प्रवृत्ति की जांच की जाए। संविधान और लोकतंत्र की रक्षा की जाए। ज्ञापन सौंपने वालों में भाजपा मंडल अध्यक्ष विक्रम राणा और जसवंत सिंह, सुरेश ठाकुर व सुरेश चौहान सहित सैकड़ों कार्यकर्ता शामिल थे।

70 साल बाद भी न्याय के इंतजार में भाखड़ा विस्थापित

अमर सिंह ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। भाखड़ा बांध निर्माण के लिए अपना घर-बार और जमीन गंवाने वाले बिलासपुर के विस्थापित परिवार आज भी पुनर्वास व बुनियादी सुविधाओं के लिए संघर्ष कर रहे हैं।

जिला ग्रामीण भाखड़ा विस्थापित सुधार समिति ने राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजकर 12 सूत्रीय मांगों पर कार्रवाई की मांग की है। समिति के अनुसार वर्ष 1948 में शुरू हुए भाखड़ा बांध से बिलासपुर के 205 गांव और पूरा पुराना बिलासपुर शहर गोबिंद सागर झील में समा गया। करीब 168 वर्ग मील क्षेत्र और 41 हजार एकड़ उपजाऊ भूमि जलमग्न हुई। वर्ष 1957 से 1960 के बीच हजारों परिवारों का विस्थापन हुआ, लेकिन आज तक प्रभावी पुनर्वास नीति लागू नहीं हो सकी। समिति ने कब्जे वाली भूमि का बंदोबस्त कर विस्थापितों को स्वामित्व देने, कटे बिजली-पानी कनेक्शन बहाल करने तथा शेष परिवारों को प्लॉट और भूमि आवंटित करने की मांग की है। इसके अलावा बीबीएमबी व अन्य सरकारी सेवाओं में विस्थापितों के बच्चों को प्राथमिकता, भाखड़ा बिजली की रॉयल्टी का 25 प्रतिशत विस्थापित क्षेत्रों के विकास पर खर्च करने और वन अधिकार अधिनियम के तहत पट्टे देने की मांग उठाई गई है। समिति ने लूहणु, ज्योरीपत्तन, बवखाल, बुखर-कोसरियां, गाह-चलैला और डेहण-नारल में पुल निर्माण, गोविंद सागर को पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित कर स्थानीय लोगों को रोजगार देने तथा मछुआरों के लिए विशेष योजनाएं लागू करने की मांग भी की। समिति प्रधान देश राज ने कहा कि भाखड़ा बांध के लिए बिलासपुर ने बड़ा बलिदान दिया है। अब विस्थापितों को उनका अधिकार और सम्मान मिलना चाहिए।

न्यूज शॉर्ट्स

नई टिहरी में मेडिकल कॉलेज की मांग तेज

भारतेंदु संवाददाता, नई टिहरी। नई टिहरी में प्रस्तावित मेडिकल कॉलेज निर्माण करने की मांग को लेकर श्रीदेव सुमन पार्क में जन जागरण सत्याग्रह कर रहे लोगों ने शासन-प्रशासन की शुद्धि-बुद्धि के लिए हवन यज्ञ किया। वहीं मेडिकल कॉलेज निर्माण संघर्ष समिति के लोगों ने बैठक कर 16 अगस्त से मांग के समर्थन मे बेमियादी धरना शुरू करने की चेतावनी दी। सुमन पार्क में जन जागरण सत्याग्रह पर बैठे पूर्व जिला पंचायत सदस्य जीतराम भट्ट ने कहा कि वह गत 9 दिनों से वह सत्याग्रह कर रहे हैं।

संस्कार भारती ने कला साधकों को किया सम्मानित

भारतेंदु संवाददाता, हरिद्वार। हरिद्वार में संस्कार भारती महानगर इकाई की ओर से सरस्वती विद्या मंदिर में नटराज पूजन एवं कला गुरुजन सम्मान समारोह आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि विधायक आदेश चौहान ने गुरु-शिष्य परंपरा को भारतीय संस्कृति की आधारशिला बताया। कार्यक्रम में कलाकारों ने विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर दर्शकों की खूब तालियां बटोरीं। संस्था ने कला, संस्कृति और साहित्य के क्षेत्र में योगदान देने वाली कई प्रतिभाओं को सम्मानित किया।

देहरादून में गैस उपभोक्ताओं के लिए जरूरी हुआ ई-केवाईसी

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून। देहरादून में घरेलू गैस उपभोक्ताओं के लिए ई-केवाईसी कराना जरूरी किया गया है। गैस कंपनियों और जिला पूर्ति विभाग ने 15 अगस्त तक सत्यापन पूरा कराने की अपील की है। निर्धारित समय तक ई-केवाईसी नहीं कराने पर गैस कनेक्शन निष्क्रिय श्रेणी में रखा जा सकता है। इससे घरेलू गैस के लाभ प्रभावित होने के साथ सिलिंडर की आपूर्ति में परेशानी हो सकती है और नियमानुसार व्यावसायिक दरें लागू हो सकती हैं।

कांवड़ यात्रा में गूंजा ओलंपिक मेजबानी का संकल्प

2036 ओलंपिक की मेजबानी की कामना के साथ रेखा आर्य ने उठाई कांवड़

अनिल थपलियाल। हरिद्वार में कांवड़ मेले के 12वें दिन आस्था और खेल भावना का अनूठा संगम देखने को मिला। उत्तराखंड की खेल मंत्री रेखा आर्य ने वर्ष 2036 में भारत को ओलंपिक खेलों की मेजबानी मिलने की कामना के साथ हरकी पैड़ी से कांवड़ उठाई और 22 किलोमीटर की पैदल यात्रा पर ऋषिकेश के लिए रवाना हुईं। यात्रा से पहले उन्होंने विधि-विधान से मां गंगा की पूजा-अर्चना की और देश व प्रदेश की सुख-समृद्धि की कामना की। इसके बाद भोलेनाथ के जयकारों और भक्ति गीतों के बीच उन्होंने कांवड़ उठाई। इस अवसर पर अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष श्रीमहंत रविंद्रपुरी महाराज, महामंत्री श्रीमहंत हरि गिरी महाराज, महेश पुरी महाराज सहित कई संत और बड़ी संख्या में खेल प्रेमी मौजूद रहे।

रेखा आर्य ने कहा कि उनकी कांवड़ यात्रा केवल धार्मिक आस्था से जुड़ी नहीं है, बल्कि इसके पीछे देश के खेल भविष्य को लेकर भी महत्वपूर्ण संकल्प है। उन्होंने कहा कि उनके दो प्रमुख संकल्प हैं। पहला संकल्प यह है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में वर्ष 2036 के ओलंपिक खेलों की मेजबानी भारत को मिले और उनका सफल आयोजन देश में हो। दूसरा संकल्प भारत को खेलों के क्षेत्र में विश्व की महाशक्ति के रूप में स्थापित करना है। उन्होंने विश्वास जताया कि भगवान भोलेनाथ के आशीर्वाद से दोनों संकल्प पूरे होंगे।

22 किमी पैदल चलीं खेल मंत्री रेखा आर्य

हरकी पैड़ी से ऋषिकेश तक की 22 किलोमीटर की यह यात्रा श्रद्धा के साथ-साथ खेलों को बढ़ावा देने का संदेश भी लेकर चली। रेखा आर्य ने कहा कि देश के युवाओं में खेल प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। आवश्यकता केवल उन्हें उचित अवसर, बेहतर प्रशिक्षण और आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने की है। उन्होंने खेलों को युवाओं के व्यक्तित्व निर्माण और राष्ट्र निर्माण का महत्वपूर्ण माध्यम बताया। उनके अनुसार, खेलों के क्षेत्र में भारत की बढ़ती उपलब्धियां देश की नई पीढ़ी में आत्मविश्वास और उत्साह पैदा कर रही हैं।

श्रीमहंत रविंद्रपुरी महाराज ने भी की सराहना

अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष श्रीमहंत रविंद्रपुरी महाराज ने भी रेखा आर्य के संकल्प की सराहना की। उन्होंने कहा कि खेलों के माध्यम से देश का गौरव बढ़ाना भी राष्ट्रसेवा का ही एक रूप है। उन्होंने कहा कि धार्मिक आस्था के साथ देश के खेल भविष्य को लेकर संकल्प लेना युवाओं को सकारात्मक दिशा देने का प्रयास है। कांवड़ यात्रा के दौरान मौजूद खेल प्रेमियों और श्रद्धालुओं ने भी मंत्री के इस प्रयास का समर्थन किया। उल्लेखनीय है कि रेखा आर्य पिछले वर्ष भी हरकी पैड़ी से वीरभद्र मंदिर तक पैदल कांवड़ यात्रा कर चुकी हैं।

देहरादून की वैशाली ने रचा समुद्री परिक्रमा का इतिहास

वैशाली भंडारी ने 25,500 नॉटिकल मील का सफर किया पूरा

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून

देहरादून की बेटी स्क्वाड्रन लीडर वैशाली भंडारी ने देश का गौरव बढ़ाते हुए विश्व समुद्री परिक्रमा का ऐतिहासिक अभियान पूरा किया है। भारतीय वायुसेना की वैशाली उन नौ महिला अधिकारियों के दल में शामिल रहीं, जिन्होंने तीनों सेनाओं के पहले संयुक्त महिला नौकायन अभियान के तहत यह उपलब्धि हासिल की। स्वदेशी नौका आईएएसवी त्रिवेणी पर सवार दल ने करीब दस महीने में 25,500 नॉटिकल मील यानी लगभग 47 हजार किलोमीटर की समुद्री दूरी तय की। अभियान की शुरुआत 11 सितंबर 2025 को मुंबई से हुई थी और 22 जुलाई 2026 को दल वापस मुंबई पहुंचा।

इस दौरान हिंद महासागर, प्रशांत महासागर और दक्षिण अटलांटिक की चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों का सामना किया गया। दल ने ऑस्ट्रेलिया के फ्रेमैंटल, न्यूजीलैंड के लिटलटन, अर्जेंटीना के ब्यूनस आयर्स और दक्षिण अफ्रीका के केपटाउन में पड़ाव भी किए।

- 10 महीने में पूरी की विश्व समुद्री परिक्रमा
- वैशाली ने 47 हजार किलोमीटर की समुद्री यात्रा पूरी की

तेज हवाओं, ऊंची समुद्री लहरों और कठिन मौसम के बीच महिला अधिकारियों ने साहस, अनुशासन और टीम भावना का परिचय दिया। यह अभियान न केवल भारतीय सशस्त्र सेनाओं की महिला अधिकारियों की क्षमता और दृढ़ संकल्प को दर्शाता है, बल्कि देश की बेटियों के लिए भी प्रेरणा का संदेश है। वैशाली भंडारी की उपलब्धि ने देहरादून और पूरे उत्तराखंड को गौरवान्वित किया है।

देहरादून में सजी हिंदी वाद-विवाद की महफिल, 20 से अधिक स्कूलों ने लिया हिस्सा

विकास बलोनी। देहरादून के श्री राम सेंन्टेनियल स्कूल में आचार्य रामचंद्र शुक्ल अंतर्विद्यालयी हिंदी वाद-विवाद प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया। इसमें देहरादून घाटी के 20 से अधिक प्रतिष्ठित विद्यालयों के विद्यार्थियों ने भाग लेकर समसामयिक मुद्दों पर अपनी तर्कशक्ति और वाक्पटुता का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता दो समूहों में हुई। पहले समूह का विषय युवा पीढ़ी और पारंपरिकता के संबंध पर था, जबकि दूसरे समूह में मीडिया ट्रायल को न्याय व्यवस्था के साथ खिलवाड़ बताए जाने के विषय पर पक्ष-विपक्ष में बहस हुई। मुख्य अतिथि उत्तराखंड सरकार के राज्य मंत्री एवं गढ़वाल मंडल विकास निगम के निदेशक श्री विशाल गुप्ता ने विद्यार्थियों के हिंदी ज्ञान और आलोचनात्मक चिंतन की सराहना की। विद्यालय के निदेशक श्री गौरव गर्ग और प्रधानाचार्य डॉ. अरविंदनाभ शुक्ला भी मौजूद रहे। निर्णायक मंडल में क्षमा कौशिक, डॉली डबराल, डॉ. पूनम थपलियाल और गीता जोशी शामिल रहीं। समूह एक में द सेपियन्स स्कूल विकासनगर प्रथम और वायनबर्ग एलन स्कूल मसूरी द्वितीय रहा। तन्वी चौहान पक्ष और अरुष बंसल विपक्ष में श्रेष्ठ वक्ता चुने गए। समूह दो में दून इंटरनेशनल स्कूल सिटी कैंपस प्रथम और राजा राममोहन राय अकादमी द्वितीय रही। अंश गुप्ता पक्ष और अदिति चौहान विपक्ष में श्रेष्ठ वक्ता रहीं। समापन पर विजेताओं को ट्रॉफी, प्रमाणपत्र और स्मृति चिह्न प्रदान किए गए।

सांसद त्रिवेंद्र ने संसद में उठाया मानव-वन्यजीव संघर्ष का मुद्दा

अनिल थपलियाल। हरिद्वार सांसद एवं पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत ने संसद में मानव-वन्यजीव संघर्ष का मुद्दा उठाते हुए हिंसक वन्यजीवों से मानव जीवन की सुरक्षा के लिए केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी मांगी। उन्होंने पिछले दो वर्षों में जारी धनराशि, वन्यजीव प्रबंधन तथा मानव-वन्यजीव संघर्ष कम करने के लिए किए गए उपायों का ब्यौरा भी मांगा। केंद्रीय राज्य मंत्री कीर्तिवर्धन सिंह ने बताया कि मानव-वन्यजीव संघर्ष के प्रबंधन की प्राथमिक जिम्मेदारी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों की है।

केंद्र सरकार 'वन्यजीव पर्यावासों का एकीकृत विकास' योजना के तहत राज्यों को आर्थिक सहायता उपलब्ध करा रही है। इस योजना के तहत उत्तराखंड को दो वर्षों में 9.38 करोड़ रुपये मिले हैं। वहीं 'बाघ एवं हाथी परियोजना' के तहत राज्य को 25.04 करोड़ रुपये की सहायता मिली। दोनों योजनाओं के तहत उत्तराखंड को कुल 34.42 करोड़ रुपये की केंद्रीय सहायता मिली है।

रावत ने कहा कि उत्तराखंड के पर्वतीय क्षेत्रों में तेंदुए, बाघ और अन्य वन्यजीवों से ग्रामीणों की सुरक्षा गंभीर विषय है। उन्होंने संवेदनशील क्षेत्रों में निगरानी, समय पर सूचना, वन विभाग की क्षमता बढ़ाने और वैज्ञानिक व तकनीक आधारित उपाय मजबूत करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि मानव सुरक्षा और वन्यजीव संरक्षण के बीच संतुलन बनाना जरूरी है।

सीएम धामी को 25 सीटों से चुनाव लड़ने का न्योता

भाजपा का 2027 प्लान तैयार, सक्रिय विधायकों को मिल सकता है टिकट

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून

उत्तराखंड में वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर भाजपा ने अभी से अपनी चुनावी रणनीति पर काम तेज कर दिया है। पार्टी नेतृत्व ने मौजूदा विधायकों को प्राथमिकता देने के संकेत दिए हैं। हालांकि अंतिम टिकट वितरण केवल वर्तमान स्थिति के आधार पर नहीं होगा। क्षेत्र में विधायक की सक्रियता, जनता के बीच पकड़, संगठन से समन्वय, कार्यकर्ताओं का फीडबैक और विभिन्न सर्वेक्षणों की रिपोर्ट प्रत्याशी चयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। पार्टी ने विधायकों को अपने-अपने क्षेत्रों में सक्रिय रहकर सरकार की उपलब्धियां जनता तक पहुंचाने और स्थानीय समस्याओं के समाधान पर ध्यान देने के निर्देश दिए हैं।

दिल्ली में हुई पार्टी की महत्वपूर्ण बैठक के बाद यह संदेश सामने आया कि आगामी चुनाव में मौजूदा विधायकों के प्रदर्शन को विशेष महत्व दिया जाएगा। इसका अर्थ यह नहीं है कि सभी वर्तमान विधायकों के टिकट तय माने जाएं। भाजपा आने वाले समय में उनके कामकाज और जनसंपर्क का आकलन करेगी। जिन क्षेत्रों में स्थानीय स्तर पर असंतोष है या संगठन और विधायक के बीच बेहतर तालमेल नहीं है, वहां सुधार की जिम्मेदारी भी संबंधित विधायकों को दी गई है।

पार्टी के लिए सबसे बड़ी चुनौती सरकार की उपलब्धियों को मतदाताओं तक प्रभावी तरीके से पहुंचाना है। विकास कार्यों, सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, पर्यटन और बुनियादी सुविधाओं से जुड़े मुद्दों को चुनावी अभियान का हिस्सा बनाया जा सकता है। इसके साथ ही विधायकों को अपने क्षेत्रों में जनता की समस्याओं को सुनने और उनका समाधान कराने पर भी जोर देना होगा। इससे सरकार और संगठन के प्रति जनता का विश्वास मजबूत करने की कोशिश की जाएगी।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को 25 विधानसभा क्षेत्रों से चुनाव लड़ने का न्योता दिए जाने की चर्चा भी राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

न्यूज ब्रीफ

यातायात नियम तोड़ने वालों पर रुद्रप्रयाग पुलिस सख्त

अनिल थपलियाल। कांवड़ यात्रा को सुरक्षित, सुगम और शांतिपूर्ण बनाने के लिए रुद्रप्रयाग पुलिस लगातार सघन चेकिंग अभियान चला रही है। यात्रा मार्ग पर यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। पुलिस ने दुपहिया वाहनों में मूल साइलेंसर हटाकर तेज आवाज करने, ट्रिपल राइडिंग और सड़क पर स्टंटबाजी करने वालों पर विशेष निगरानी बढ़ाई है। पुलिस का उद्देश्य पर्वतीय क्षेत्रों में यातायात व्यवस्था बनाए रखना और आम लोगों को परेशानी से बचाना है।

फायर स्टेशन गोपेश्वर के जवानों ने कांवड़ यात्रियों को बांटे फल, जूस और पानी

उदित नैनवाल। फायर स्टेशन गोपेश्वर के जवानों ने कांवड़ यात्रा के दौरान सेवा और इंसानियत की मिसाल पेश की। दूर-दराज से आ रहे थके हुए कांवड़ यात्रियों, श्रद्धालुओं और बुजुर्गों को जवानों ने फल, जूस और पानी वितरित किया। गर्मी और थकान के बीच इस मदद से यात्रियों को राहत मिली। जवानों ने साबित किया कि वर्दी केवल कर्तव्य निभाने का प्रतीक नहीं, बल्कि जरूरतमंदों के साथ खड़े होने की जिम्मेदारी भी है।

कर्णप्रयाग के श्री गुरु राम राय स्कूल में सजी विज्ञान प्रदर्शनी, छात्रों ने दिखाया नवाचार

उदित नैनवाल। श्री गुरु राम राय पब्लिक स्कूल कर्णप्रयाग में इंस्पायर अवार्ड कार्यक्रम के तहत विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इसमें कक्षा छह से 12वीं तक के करीब 100 विद्यार्थियों ने विभिन्न वैज्ञानिक मॉडलों के माध्यम से अपनी प्रतिभा और रचनात्मक सोच दिखाई। छात्रों ने कार दुर्घटना सेंसर, अग्नि अलार्म, जल संरक्षण, जंगल की आग, ज्वालामुखी और भूकंप चेतावनी जैसे मॉडल प्रस्तुत किए। प्रधानाचार्य बुद्धिबल्लभ डोभाल ने प्रदर्शनी का शुभारंभ किया। निर्णायक समिति ने पांच सर्वश्रेष्ठ मॉडलों का इंस्पायर अवार्ड के लिए चयन किया।

सूने गांव में अकेले थे दो बुजुर्ग, चमोली पुलिस ने पहुंचाया राशन

उदित नैनवाल। चमोली के पांडुकेश्वर स्थित ग्राम पटूड़ी में अधिकांश परिवारों के लामबगड़ चले जाने से गांव सुनसान हो गया है। यहां 78 वर्षीय हिम्मत सिंह चौहान और उनकी 65 वर्षीय बहन पुष्पा अकेले रह रहे हैं। पुलिस को जानकारी मिली कि घर का राशन खत्म हो चुका है और पुष्पा करीब 10 दिनों से बिना नमक के भोजन कर रही थीं। थाना गोविंदघाट की पुलिस टीम ने गांव पहुंचकर दोनों बुजुर्गों के लिए राशन और जरूरी खाद्य सामग्री उपलब्ध कराई। साथ ही जंगली जानवरों के खतरे को देखते हुए उन्हें सतर्क रहने और परेशानी में तुरंत पुलिस को सूचना देने की सलाह दी।

चमोली के तीन वन प्रभागों में नए उप वन संरक्षकों ने संभाला कार्यभार

उदित नैनवाल। चमोली जिले के तीन प्रमुख वन प्रभागों में नव नियुक्त उप वन संरक्षकों ने कार्यभार ग्रहण कर लिया है। बद्रीनाथ वन प्रभाग, गोपेश्वर में प्रणाली रमेश, केदारनाथ वन्यजीव प्रभाग में रजत सुमन तथा नंदा देवी राष्ट्रीय पार्क, ज्योतिर्मठ में यश ढोबले ने उप वन संरक्षक की जिम्मेदारी संभाली। कार्यभार ग्रहण करने के बाद अधिकारियों ने कहा कि जिले में वन एवं वन्यजीव संरक्षण, वनाग्नि प्रबंधन, जैव विविधता संरक्षण और मानव-वन्यजीव संघर्ष की रोकथाम उनकी प्राथमिकता रहेगी। उन्होंने वन क्षेत्रों की सुरक्षा तथा विभागीय योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर दिया। अधिकारियों ने कहा कि स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप वन संरक्षण कार्यों में स्थानीय समुदायों की भागीदारी बढ़ाई जाएगी। साथ ही आधुनिक तकनीक और वैज्ञानिक दृष्टिकोण का उपयोग कर वन संपदा के संरक्षण को और प्रभावी बनाया जाएगा।

गंगा घाट पर कांवड़ियों का 'महाकुंभ', बोल बम के जयकारों से गूंजी धर्मनगरी

भारतेंदु संवाददाता, हरिद्वार

धर्मनगरी हरिद्वार इन दिनों भगवान शिव की भक्ति में पूरी तरह रंगी नजर आ रही है। डाक कांवड़ यात्रा के दौरान गंगा घाटों से लेकर राष्ट्रीय राजमार्ग तक हर तरफ शिवभक्तों का सैलाब दिखाई दे रहा है। दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश और राजस्थान समेत कई राज्यों से बड़ी संख्या में कांवड़ यात्री हरिद्वार पहुंच रहे हैं। हरकी पैड़ी और आसपास के घाटों पर गंगाजल लेने के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ रही है। वातावरण लगातार बोल बम और हर-हर महादेव के जयकारों से गूंज रहा है। डाक कांवड़ यात्रा में इस बार युवाओं की बड़ी भागीदारी देखने को मिल रही है। बाइक, कार और अन्य वाहनों से सजे कांवड़ दल हरिद्वार से अपने गंतव्य की ओर रवाना हो रहे हैं। कई वाहनों को भगवा झंडों और धार्मिक प्रतीकों से सजाया गया है। सड़क पर एक साथ बड़ी संख्या में कांवड़ यात्रियों की आवाजाही से ऐसा दृश्य बन रहा है मानो हरिद्वार से दूसरे शहरों की ओर आस्था की कोई समानांतर धारा बह रही हो।

- कांवड़ियों की भीड़ से भक्तिमय हुआ हरिद्वार

बारिश भी नहीं डिगा सकी आस्था

बारिश के बावजूद कांवड़ियों की आस्था और उत्साह में कोई कमी नहीं आई है। मौसम खराब होने के बाद भी श्रद्धालु यात्रा जारी रखे हुए हैं। कई स्थानों पर बारिश के कारण सड़कें भीग गईं और आवागमन प्रभावित हुआ, लेकिन कांवड़ियों ने इसे यात्रा का हिस्सा मानते हुए अपनी गति बनाए रखी।

चार करोड़ के करीब पहुंचा श्रद्धालुओं का आंकड़ा

पिछले 24 घंटे के दौरान सवा करोड़ से अधिक कांवड़ यात्रियों के हरिद्वार से रवाना होने की जानकारी सामने आई है। इसके साथ ही इस कांवड़ मेले में हरिद्वार पहुंचने वाले श्रद्धालुओं की कुल संख्या चार करोड़ के करीब पहुंच गई है। इतनी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने से हरिद्वार में धार्मिक उत्सव का माहौल बना हुआ है। शहर के प्रमुख मार्गों, घाटों और बाजारों में कांवड़ियों की मौजूदगी लगातार बढ़ रही है। डाक कांवड़ की विशेषता इसकी तेज यात्रा है। कांवड़िए गंगाजल लेकर निर्धारित समय में अपने गंतव्य तक पहुंचने का प्रयास करते हैं।

भगवे रंग में सजा हरिद्वार

कांवड़ यात्रा के दौरान हरिद्वार का दृश्य श्रद्धा, ऊर्जा और उत्साह से भरा दिखाई दे रहा है। भगवा रंग में सजे वाहन, हाथों में कांवड़ और चारों ओर गूंजते शिव के जयकारे धर्मनगरी की पहचान बन गए हैं। बारिश भी इस आस्था के प्रवाह को रोक नहीं पा रही है। श्रद्धालु गंगाजल लेकर अपने गंतव्य की ओर लगातार बढ़ रहे हैं। कुल मिलाकर हरिद्वार में कांवड़ यात्रा अपने चरम पर पहुंचती दिखाई दे रही है।

मजदूरों और किसानों ने देहरादून में किया बड़ा जेल भरो आंदोलन

अनिल थपलियाल। देहरादून में उत्तराखंड संयुक्त ट्रेड यूनियंस संघर्ष समिति और संयुक्त किसान मोर्चा के आह्वान पर मजदूरों और किसानों ने केंद्र सरकार की नीतियों के खिलाफ व्यापक जेल भरो आंदोलन किया। सीटू, ऐटक, इंटक, उत्तराखंड किसान सभा समेत विभिन्न संगठनों से जुड़े कार्यकर्ता गांधी पार्क में एकत्रित हुए और राजपुर रोड, घंटाघर, गांधी रोड तथा तहसील चौक होते हुए जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचे। प्रदर्शनकारियों ने श्रम संहिताएं वापस लेने, सभी फसलों पर न्यूनतम समर्थन मूल्य की गारंटी, मनरेगा में 200 दिन काम और 700 रुपये दैनिक मजदूरी, न्यूनतम मजदूरी बढ़ाने, पुरानी पेंशन बहाल करने और रोजगार के अवसर बढ़ाने की मांग की। साथ ही सार्वजनिक उपक्रमों के निजीकरण पर रोक, किसानों व गरीबों की व्यापक कर्जमाफी, सामाजिक सुरक्षा, स्वास्थ्य और शिक्षा का बजट बढ़ाने तथा बिजली के निजीकरण को रोकने की मांग उठाई गई।

वाद-विवाद और कूटनीति से गूंजा तुलाज़, टिस्मन 2026 का हुआ समापन

- 300 युवा प्रतिनिधियों ने टिस्मन 2026 में सीखे संवाद और वार्ता के गुर

अनिल थपलियाल। तुलाज़ इंटरनेशनल स्कूल में आयोजित तीन दिवसीय टिस्मन 2026 का भव्य समापन हुआ। सम्मेलन में देशभर के विभिन्न विद्यालयों से आए 300 से अधिक युवा प्रतिनिधियों ने भाग लिया। विद्यार्थियों को कूटनीति, संवाद, वार्ता, नेतृत्व और वैश्विक मुद्दों की समझ विकसित करने का अवसर मिला। उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि इकोल ग्लोबल इंटरनेशनल गर्ल्स स्कूल की प्रधानाचार्या कंचन खांडके ने सहानुभूति, शांति, न्याय और मानवीय गरिमा के महत्व पर जोर दिया। प्रधानाचार्य रमन कौशल ने जिम्मेदार नेतृत्व, सहयोग, नैतिक निर्णय और भावनात्मक समझ को जरूरी बताया। विभिन्न समितियों में विद्यार्थियों ने वैश्विक, राष्ट्रीय और काल्पनिक परिस्थितियों पर चर्चा और बहस की। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद, मानवाधिकार परिषद, अंतरराष्ट्रीय प्रेस, आईपीएल मेगा नीलामी और अंतरिक्ष उपयोग जैसी समितियों में प्रतिनिधियों ने सक्रिय भागीदारी की।

केदारनाथ धाम में 14.45 लाख श्रद्धालुओं ने किए दर्शन

भारतेंदु संवाददाता, रुद्रप्रयाग

श्रावण माह के सोमवार के पावन अवसर पर केदारनाथ धाम में बाबा केदार के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। सुबह से ही देश के विभिन्न हिस्सों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु धाम पहुंचते रहे। केदारनाथ धाम में अब तक 14,45,946 श्रद्धालु बाबा केदार के दर्शन कर चुके हैं। श्रावण के सोमवार को केदारनाथ धाम बाबा के जयकारों से गूंज उठा। श्रद्धालुओं ने बाबा केदार के दर्शन कर सुख-समृद्धि और परिवार की खुशहाली की कामना की। मंदिर परिसर और यात्रा मार्ग पर भक्तिमय माहौल बना रहा। जिलाधिकारी विशाल मिश्रा के मार्गदर्शन में केदारनाथ यात्रा को सुगम और सुरक्षित बनाने के लिए जिला प्रशासन की ओर से व्यापक व्यवस्थाएं की गई हैं। धाम में श्रद्धालुओं के ठहरने, भोजन, पेयजल, स्वास्थ्य और स्वच्छता सहित अन्य आवश्यक सुविधाओं का विशेष ध्यान रखा जा रहा है। प्रशासन की विभिन्न टीमें लगातार व्यवस्थाओं की निगरानी कर रही हैं। श्रद्धालुओं को किसी तरह की परेशानी न हो, इसके लिए संबंधित विभागों के अधिकारी और कर्मचारी मौके पर तैनात हैं।

राष्ट्रीय कार्डियोलॉजी क्विज में डॉ. जयकृत चौधरी ने हासिल किया दूसरा स्थान

अनिल थपलियाल। श्री महंत इन्दिरेश अस्पताल, देहरादून के डीएम कार्डियोलॉजी अंतिम वर्ष के रेजीडेंट डॉ. जयकृत चौधरी ने जेड.वाई.एम.ई.ए. कार्डियोलॉजी नेशनल क्विज के राष्ट्रीय फिनाले में दूसरा स्थान हासिल कर उत्तराखंड का नाम रोशन किया। वे राष्ट्रीय फिनाले के लिए चयनित होने वाले उत्तराखंड के एकमात्र कार्डियोलॉजिस्ट रहे। देशभर के प्रतिष्ठित चिकित्सा संस्थानों के चिकित्सकों के बीच हुई प्रतियोगिता में उन्होंने क्लिनिकल समझ, त्वरित निर्णय क्षमता और विश्लेषणात्मक कौशल का प्रदर्शन करते हुए शीर्ष छह फाइनलिस्ट में जगह बनाई।

उनकी उपलब्धि पर अस्पताल के चेयरमैन श्रीमहंत देवेंद्र दास जी महाराज और कार्डियोलॉजी विभागाध्यक्ष प्रोफेसर डॉ. तनुज भाटिया ने बधाई दी। अस्पताल के कार्डियोलॉजी विभाग में डीएम कार्डियोलॉजी की छह सीटें हैं और आधुनिक चिकित्सा शिक्षा व अकादमिक उत्कृष्टता पर जोर दिया जाता है।

2027 चुनाव के लिए भाजपा ने तेज किया जनसंपर्क अभियान

नशा, बेरोजगारी और कानून व्यवस्था के मुद्दों पर सरकार को घेरा, संगठन विस्तार पर दिया जोर

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

पंजाब में संगठन को मजबूत करने और वर्ष 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव की तैयारियों को गति देने के लिए भाजपा ने जनसंपर्क अभियान तेज कर दिया है। पार्टी की ओर से प्रदेश के गांवों और शहरों में लगातार संपर्क कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष केवल सिंह ढिल्लों के नेतृत्व में कार्यकर्ता संगठन विस्तार और जनसंपर्क अभियान को आगे बढ़ा रहे हैं।

इसी सिलसिले में दिल्ली में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन और प्रदेश प्रभारी सतीश पूनिया के साथ महत्वपूर्ण बैठक हुई। बैठक में पंजाब की मौजूदा राजनीतिक स्थिति, प्रदेश के प्रमुख मुद्दों और आगामी विधानसभा चुनाव की रणनीति पर विस्तार से चर्चा की गई। पार्टी नेतृत्व ने संगठन को जमीनी स्तर तक मजबूत करने और अधिक से अधिक लोगों को पार्टी से जोड़ने पर जोर दिया।

प्रदेश अध्यक्ष केवल सिंह ढिल्लों ने बताया कि बैठक में पंजाब से जुड़े कई महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श हुआ। इनमें खेती, नौजवानों की समस्याएं, सीमा सुरक्षा और शहरी विकास प्रमुख रहे। उन्होंने कहा कि इन मुद्दों को ध्यान में रखते हुए भाजपा आगामी समय के लिए व्यापक रोडमैप तैयार कर रही है। पार्टी का लक्ष्य हर जिले, मंडल और गांव में संगठन को मजबूत करना है।

गांव और बूथ स्तर पर बढ़ेगा संपर्क : ढिल्लों ने कहा कि आने वाले दिनों में हर जिले, हर मंडल और हर गांव स्तर पर कार्यकर्ताओं की टीमें गठित की जाएंगी। इन टीमों के माध्यम से लोगों तक पहुंच बनाई जाएगी और स्थानीय समस्याओं को समझकर उन्हें पार्टी के स्तर पर उठाया जाएगा। उन्होंने दावा किया कि मजबूत संगठन ही वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव में भाजपा को बेहतर परिणाम दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

मौजूदा सरकार पर निशाना : प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने पंजाब की मौजूदा सरकार पर नशे, बेरोजगारी और कानून व्यवस्था के मुद्दे पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश नशे की समस्या, बिगड़ती कानून व्यवस्था और युवाओं के लगातार विदेश जाने जैसी गंभीर चुनौतियों से जूझ रहा है। उनके अनुसार, इन समस्याओं के समाधान के लिए सरकार के पास प्रभावी और ठोस नीति का अभाव है।

उन्होंने कहा कि भाजपा पंजाब को सुरक्षित, समृद्ध और प्रगतिशील राज्य बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। इसी उद्देश्य से पार्टी संगठन को गांव से लेकर बूथ स्तर तक मजबूत कर रही है और लोगों के साथ सीधा संवाद बढ़ाया जा रहा है।

हर घर तिरंगा अभियान पर जोर: स्वतंत्रता दिवस के मद्देनजर भाजपा की ओर से नौ से 14 अगस्त तक पूरे पंजाब में हर घर तिरंगा अभियान चलाया जा रहा है। ढिल्लों ने कहा कि पंजाब सीमावर्ती राज्य होने के साथ-साथ देश की रक्षा के लिए बड़ी संख्या में वीर जवानों का बलिदान देने वाली धरती है। इसलिए पार्टी कार्यकर्ता जिलों, शहरों और गांवों में तिरंगा यात्राएं निकालेंगे।

उन्होंने लोगों से अपने घरों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराने और देशभक्ति की भावना को मजबूत करने की अपील की। पार्टी का उद्देश्य इस अभियान के माध्यम से आम लोगों को राष्ट्रीय एकता और देश के प्रति जिम्मेदारी के भाव से जोड़ना है।

कलश यात्रा से सामाजिक समरसता का संदेश : गुरु रविदास जी की 650वीं जयंती के अवसर पर देशभर में चलाए जा रहे समरसता संकल्प अभियान के तहत गुरु रविदास जी की जन्मभूमि से लाई गई पवित्र मिट्टी की कलश यात्रा भी पंजाब के विभिन्न गांवों में पहुंच रही है।

सतलुज किनारे बसे गांवों की सुरक्षा के लिए सरकार उठाएगी ठोस कदम

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

सतलुज नदी के किनारे बसे फिरोजपुर ग्रामीण क्षेत्र के गांवों को बाढ़ के खतरे से बचाने का मुद्दा पंजाब विधानसभा में उठा। फिरोजपुर ग्रामीण के विधायक एडवोकेट रजनीश कुमार दहिया ने नियम 66 के तहत ध्यान आकर्षण प्रस्ताव के माध्यम से सरकार का ध्यान क्षेत्र की कमजोर बाढ़ सुरक्षा व्यवस्था की ओर दिलाया।

विधायक ने बताया कि ममदोट उप-तहसील के दोना तेलू मल्ल, कालू अराइयां हिठाड़, फत्तेवाला हिठाड़, रहेला हाजी, गंधू किलचा हिठाड़ और निहाला किलचा गांव सतलुज नदी के किनारे बसे हैं। पिछले वर्षों में आई बाढ़ के कारण नदी किनारे बने सुरक्षा ढांचे कई स्थानों पर क्षतिग्रस्त हो चुके हैं। कुछ जगहों पर पत्थर निकल रहे हैं, जिससे बरसात के दौरान ग्रामीणों और उनकी फसलों पर खतरा बना हुआ है। उन्होंने सरकार से इन ढांचों के पुनर्निर्माण की समयसीमा बताने की मांग की।

जल संसाधन मंत्री बरिंदर कुमार गोयल ने सदन को बताया कि विभाग बाढ़ सुरक्षा कार्यों की पहचान फ्लड प्रोटेक्शन बंध की आरडी प्रणाली के आधार पर करता है। उन्होंने बताया कि दोना तेलू मल्ल में आरडी 12,410 से 16,500 के बीच सुरक्षा ढांचे वर्ष 1995 के आसपास बनाए गए थे। पिछले बाढ़ मौसम में जलस्तर बढ़ने के कारण दो स्पर और आठ स्टड क्षतिग्रस्त हुए थे। हालांकि मुख्य बाढ़ सुरक्षा बंध सुरक्षित रहा।

मंत्री ने कहा कि क्षतिग्रस्त ढांचों का मौके पर निरीक्षण कराया जा चुका है। मरम्मत और पुनर्निर्माण की योजना फ्लड मैनेजमेंट प्रोग्राम में शामिल कर विस्तृत परियोजना रिपोर्ट केंद्र सरकार की मंजूरी के लिए भेजी गई है।

उन्होंने बताया कि वर्ष 2026-27 के बाढ़ तैयारी कार्यक्रम के तहत ममदोट क्षेत्र के संवेदनशील स्थानों की समीक्षा की गई।

न्यूज ब्रीफ

निजी प्लॉट में सीवरेज मलबा डालने पर रोष

भारतेन्दु संवाददाता, जीरकपुर। एमएस एनक्लेव में सीवरेज की सफाई के बाद निकला मलबा कथित तौर पर एक निजी प्लॉट में डालने से स्थानीय लोगों में रोष है। रिहायशी क्षेत्र के बीच खुले में पड़े मलबे से दुर्गंध फैल रही है और लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय निवासी वाणी सिंह ने आरोप लगाया कि उनके घर के पास हरपाल यादव ने सीवर की सफाई करवाई थी। सफाई के बाद निकला मलबा पास स्थित निजी प्लॉट में डलवा दिया गया। उन्होंने कहा कि मलबे के कारण बदबू के साथ मच्छरों और संक्रमण फैलाने वाले कीटों के पनपने का खतरा बना हुआ है। वाणी सिंह के साथ सुजाता, पायल, उषा, साहिल, पूनम शर्मा और गीत ने भी प्रशासन से मलबा तुरंत हटवाने की मांग की है। लोगों का कहना है कि सीवरेज से निकले मलबे का निस्तारण निर्धारित स्थान पर होना चाहिए।

सिंघपुरा-नगला सड़क डेढ़ साल से बदहाल राहगीर हुए परेशान

भारतेन्दु संवाददाता, जीरकपुर। सिंघपुरा-नगला लिंक सड़क करीब डेढ़ साल से बदहाल पड़ी है। सीवरेज लाइन बिछाने के लिए खोदी गई सड़क को अब तक पक्का नहीं किया गया है, जिससे स्थानीय लोगों और वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सड़क पर जगह-जगह गड्ढे और कीचड़ होने से दोपहिया वाहन चालकों के लिए खतरा बना हुआ है। बारिश के दौरान गड्ढों में पानी भरने से हादसे की आशंका और बढ़ जाती है। माया गार्डन सिटी, एस्कॉन एरिना, सुषमा वेलेसिया और बाजीगर बस्ती समेत कई क्षेत्रों के लोग इसी सड़क से आवागमन करते हैं। मानव मंगल स्मार्ट और शैमरॉक स्कूल जाने वाले बच्चों के वाहन भी इस मार्ग का इस्तेमाल करते हैं। खराब सड़क के कारण कई लोगों को वैकल्पिक रास्ते अपनाने पड़ रहे हैं।

विदेशी नौकरी का झांसा देकर 17 युवकों को बनाया बंधक

भारतेन्दु संवाददाता, मोहाली। विदेश में नौकरी दिलाने का झांसा देकर 17 भारतीय युवकों को कथित तौर पर बंधक बनाने का मामला सामने आया है। आरोप है कि ट्रैवल एजेंट ने प्रत्येक युवक से 3.30 लाख रुपये लिए और विदेश पहुंचने पर उनके पासपोर्ट जब्त कर लिए। युवकों को न तो तय वेतन दिया गया और न ही पर्याप्त भोजन उपलब्ध कराया गया। सरहिंद निवासी हरजिंदर सिंह की शिकायत पर एडीजीपी एनआरआई विंग के आदेश के बाद दोबारा जांच कर एनआरआई थाना मोहाली में ट्रैवल एजेंसी संचालक समेत दो लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। आरोपियों की पहचान लुधियाना के कालख निवासी कुलविंदर सिंह और निर्भय सिंह के रूप में हुई है।

पीजीआई के विरासत फर्नीचर की विदेश में नीलामी पर उठे सवाल

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़। पीजीआई चंडीगढ़ की विरासत से जुड़े एक फर्नीचर की 13 अगस्त को अमेरिका के शिकागो में प्रस्तावित नीलामी की सूचना सामने आने के बाद संस्थान की विरासत संपत्तियों की सुरक्षा पर सवाल उठे हैं। चंडीगढ़ हेरिटेज प्रोटेक्शन सेल के सदस्य और अधिवक्ता अजय जग्गा ने पीजीआई निदेशक डॉ. विवेक लाल और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा को पत्र भेजकर नीलामी पर तत्काल आपत्ति दर्ज कराने तथा मामले की जांच की मांग की है। जग्गा के अनुसार शिकागो में होने वाली नीलामी में पीजीआई चंडीगढ़ से संबंधित एक डे बेड को लॉट नंबर 165 के तहत शामिल किया गया है। सागौन की लकड़ी और अपहोल्स्ट्री से बने इस फर्नीचर का आकार 28म72म36 इंच बताया गया है। इसकी अनुमानित कीमत 8,000 से 10,000 अमेरिकी डॉलर रखी गई है। फर्नीचर पर एनएच, पीजीआई और 55 जैसे निशान दिखाई देते हैं। शिकायतकर्ता ने एनएच को नेहरू अस्पताल से संबंधित होने की संभावना जताई है। उन्होंने फर्नीचर के विदेश पहुंचने और नीलामी तक पहुंचने की प्रक्रिया की जांच की मांग की है।

नशे के खिलाफ बदलेगा नजरिया, जेल की जगह पुनर्वास और उपचार पर जोर

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

पंजाब में नशे की समस्या से निपटने के लिए केवल कानून-व्यवस्था के तहत कार्रवाई करने के बजाय उपचार और पुनर्वास पर अधिक जोर देने की जरूरत है। पंजाब विधानसभा की सार्वजनिक उपक्रम समिति ने सिफारिश की है कि उचित मामलों में नशे से जूझ रहे लोगों को जेल भेजने के बजाय पुनर्वास केंद्रों में भेजकर उनका उपचार कराया जाए।

समिति ने नशे की समस्या को केवल अपराध से जोड़कर देखने के बजाय इसे सार्वजनिक स्वास्थ्य और पुनर्वास की चुनौती के रूप में लेने पर जोर दिया है।

पंजाब विधानसभा में सार्वजनिक उपक्रम समिति की वर्ष 2026-27 की 129वीं रिपोर्ट पेश की गई। समिति के चेयरमैन और बठिंडा के विधायक जगरूप सिंह गिल ने यह रिपोर्ट सदन में रखी। 13 सदस्यीय समिति ने पंजाब हेल्थ सिस्टम्स कारपोरेशन के कामकाज, दवाओं की खरीद, स्वास्थ्य ढांचे और नशामुक्ति सेवाओं की स्थिति की समीक्षा की।

समिति ने लुधियाना सिविल अस्पताल में नशामुक्ति केंद्र की क्षमता को लेकर भी चिंता जताई। यहां प्रतिदिन 250 से अधिक मरीज उपचार के लिए पहुंचते हैं, जबकि केंद्र में केवल 15 बिस्तरों की व्यवस्था है। समिति ने नशामुक्ति सेवाओं की बढ़ती मांग को देखते हुए सुविधाओं और बिस्तरों की संख्या बढ़ाने की आवश्यकता बताई।

अमृतसर समेत कई जिलों में बिना लाइसेंस और योग्य चिकित्सकों तथा प्रशिक्षित कर्मचारियों के संचालित हो रहे अवैध नशामुक्ति केंद्रों पर भी समिति ने गंभीर चिंता जताई। ऐसे केंद्रों के खिलाफ कार्रवाई करने और उपचार व्यवस्था को नियमानुसार मजबूत करने की सिफारिश की गई है।

जेलों में उपचार सुविधा बढ़ने से बढ़ी दवा की खपत : स्वास्थ्य मंत्री डॉ. बलबीर सिंह ने बताया कि जेलों में ब्यूप्रेनोर्फिन की खपत बढ़ने का कारण वहां उपचार केंद्र और ओओएटी क्लीनिक स्थापित किया जाना है। जेलों में चिकित्सकों और मनोवैज्ञानिकों की नियुक्ति की गई है।

मोहाली के मेयर की क्रिकेट में एंट्री किंग्स टीम के मालिकों में हुए शामिल

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

मोहाली के मेयर सरबजीत सिंह समाना अब नगर निगम और स्थानीय राजनीति के साथ-साथ खेल जगत में भी अपनी नई पहचान बनाने जा रहे हैं। शेर-ए-पंजाब टी-20 लीग के आगामी संस्करण में वह मोहाली किंग्स टीम के मालिकों में शामिल हैं। ऐसे में शहर की राजनीति में सक्रिय एक प्रमुख चेहरा अब मोहाली के नाम से जुड़ी क्रिकेट टीम के साथ भी सीधे तौर पर जुड़ गया है।

सरबजीत सिंह समाना की इस नई भूमिका को इसलिए भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है क्योंकि जिस शहर का वह बतौर मेयर प्रतिनिधित्व करते हैं, उसी शहर के नाम पर बनी टी-20 टीम के स्वामित्व में भी उनकी भागीदारी है। इससे उनकी सार्वजनिक गतिविधियों का दायरा स्थानीय राजनीति से आगे बढ़कर खेल क्षेत्र तक पहुंच गया है।

मेयर से टीम मालिक तक का सफर: स्थानीय राजनीति में सक्रिय रहने के बाद मेयर की जिम्मेदारी संभाल रहे सरबजीत सिंह समाना के लिए क्रिकेट टीम के मालिकों में शामिल होना एक अलग तरह की भूमिका है। नगर निगम में उन्हें शहर के विकास, नागरिक सुविधाओं और प्रशासनिक मुद्दों से जुड़े मामलों पर काम करना होता है, जबकि खेल से जुड़ाव उन्हें युवाओं और क्रिकेट प्रतिभाओं के साथ जुड़ने का अवसर देगा।

मोहाली की पहचान पहले से ही क्रिकेट के प्रमुख केंद्र के रूप में रही है। शहर में अंतरराष्ट्रीय स्तर के क्रिकेट मुकाबले आयोजित हो चुके हैं और यहां क्रिकेट को लेकर लोगों में खासा उत्साह देखने को मिलता है। ऐसे में मोहाली के नाम से जुड़ी टी-20 टीम का गठन स्थानीय खेल प्रेमियों के लिए भी खास महत्व रखता है।

खेल और राजनीति से अलग पहचान : सरबजीत सिंह समाना के लिए यह भूमिका राजनीतिक पद का विस्तार नहीं, बल्कि एक अलग क्षेत्र में नई जिम्मेदारी के रूप में देखी जा रही है। एक ओर वह मोहाली के मेयर के तौर पर शहर की राजनीतिक और प्रशासनिक गतिविधियों का हिस्सा हैं, वहीं दूसरी ओर अब क्रिकेट टीम के मालिकों में शामिल होकर खेल जगत से भी जुड़ गए हैं।

फोरम ने छह प्रतिशत ब्याज समेत 45 हजार रुपए अतिरिक्त देने के दिए आदेश

सात लाख की अर्नेस्ट मनी वर्षों से रोकने पर उपभोक्ता फोरम ने गमाडा को दिया झटका

भारतेन्दु संवाददाता, मोहाली

प्लॉट मिलने की उम्मीद में गमाडा के पास जमा कराई गई सात लाख रुपये की अर्नेस्ट मनी वापस पाने के लिए एक आवेदक को वर्षों तक इंतजार करना पड़ा। मामला आईटी सिटी मोहाली में 500 वर्ग गज के औद्योगिक प्लॉट से जुड़ा है। वर्ष 2016 में आवेदन करने वाले कांसल निवासी ओम प्रकाश वर्मा को उनकी जमा राशि अक्टूबर 2022 में वापस मिली। अब जिला उपभोक्ता फोरम ने गमाडा को इस रकम पर ब्याज देने के साथ मानसिक परेशानी और मुकदमे का खर्च भी अदा करने के आदेश दिए हैं।

ओम प्रकाश वर्मा ने अक्टूबर 2016 में आईटी सिटी में 200 औद्योगिक प्लॉटों के लिए जारी योजना के तहत 500 वर्ग गज के प्लॉट के लिए आवेदन किया था। आवेदन के साथ उन्होंने सात लाख रुपये अर्नेस्ट मनी के तौर पर जमा करवाए थे। प्लॉट की अनुमानित कीमत करीब 70 लाख रुपये निर्धारित थी। 30 नवंबर 2016 को हुए ड्रा में उनका नाम वेटिंग सूची में पहले स्थान पर आया था। इसके बाद जनवरी 2017 में उन्होंने गमाडा को आधार कार्ड की प्रति भी जमा कराई।

इसके बाद लंबे समय तक उन्हें प्लॉट के संबंध में कोई स्पष्ट जानकारी नहीं मिली। जून 2018 में वर्मा ने सूचना के अधिकार के तहत गमाडा से जानकारी मांगी कि सफल आवेदकों को आशय पत्र और आवंटन पत्र कब जारी किए गए तथा क्या किसी आवेदक का प्लॉट रद्द हुआ है। इसके बावजूद उनकी अर्नेस्ट मनी वापस नहीं की गई।

रकम वापस पाने के लिए उन्होंने 11 अप्रैल 2022 को गमाडा से दोबारा मांग की। इसके बाद अगस्त 2022 में गमाडा ने रिफंड मंजूर किया और चार अक्टूबर 2022 को सात लाख रुपये का चेक जारी कर दिया। हालांकि इतनी लंबी अवधि तक रकम रोके जाने को लेकर वर्मा ने उपभोक्ता फोरम का रुख किया।

गमाडा की दलील को फोरम ने नहीं माना : मामले की सुनवाई के दौरान गमाडा की ओर से दलील दी गई कि आवेदक ने आवेदन के समय वेटिंग सूची में नाम आने की स्थिति में आवेदन और अर्नेस्ट मनी को 12 महीने तक बनाए रखने का विकल्प चुना था। गमाडा ने वर्ष 2021 के एक ड्रा का भी हवाला दिया और कहा कि उसमें आवेदक का नाम वेटिंग सूची में पहले स्थान पर था।

हालांकि फोरम ने पाया कि गमाडा इस दलील के समर्थन में पर्याप्त दस्तावेज पेश नहीं कर सका। फोरम के अनुसार निर्धारित अवधि समाप्त होने के बाद जमा राशि वापस कर दी जानी चाहिए थी। कार्यालयी प्रक्रिया के लिए कुछ अतिरिक्त समय उचित माना जा सकता है, लेकिन वर्षों तक आवेदक की रकम रोकना उचित नहीं था।

लाखों के इंजेक्शन गायब होने पर पीजीआई प्रशासन सख्त, जांच जारी

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़। पीजीआई के गायनी विभाग से करीब 15 से 20 लाख रुपये कीमत के महंगे इंजेक्शन गायब होने के मामले में अस्पताल प्रशासन ने जांच का दायरा बढ़ा दिया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए प्रशासन ने एक इंटरनल कमेटी का गठन किया है। कमेटी ने जांच शुरू कर दी है और एक सप्ताह के भीतर अपनी रिपोर्ट प्रशासन को सौंपने की तैयारी में है।

◆ **चार गुना खपत ने खोला राज, स्टाक से गायब इंजेक्शनों की जांच तेज**

कमेटी मुख्य रूप से इंजेक्शनों की मांग और खपत की प्रक्रिया की जांच कर रही है। इसमें यह पता लगाया जा रहा है कि सामान्य आवश्यकता की तुलना में चार से पांच गुना अधिक मात्रा में इंजेक्शनों का इंडेंट किस आधार पर जारी किया गया। साथ ही स्टाक में दर्ज दवाएं फार्मेसी से वार्ड तक पहुंचने के बाद किस प्रक्रिया के तहत बाहर गईं और मरीजों के उपचार में उनका कितना इस्तेमाल हुआ, इसकी भी पड़ताल की जा रही है।

जांच के दौरान संबंधित वार्ड में जारी किए गए इंडेंट, फार्मेसी से दवाओं की आपूर्ति, स्टाक रजिस्टर और मरीजों के उपचार संबंधी रिकार्ड का मिलान किया जा रहा है। प्रशासन यह पता लगाने का प्रयास कर रहा है कि स्टाक में गड़बड़ी किस स्तर पर हुई और यह सिलसिला कब से चल रहा था।

चार-पांच गुना अधिक मंगाए जा रहे थे इंजेक्शन : प्राथमिक जांच में सामने आया था कि गायनी विभाग में सामान्य जरूरत की तुलना में चार से पांच गुना अधिक महंगे इंजेक्शन मंगाए जा रहे थे। इंजेक्शनों की असामान्य खपत सामने आने के बाद फार्मेसी की ओर से संबंधित वार्ड को अलर्ट किया गया। इसके बाद स्टाक की जांच शुरू की गई। इंटरनल कमेटी ने विभाग में तैनात कर्मचारियों से पूछताछ भी की है। जांच के दौरान कुछ आरोपित कर्मचारियों द्वारा चोरी की बात स्वीकार किए जाने की जानकारी सामने आई है। अब कमेटी इस स्वीकारोक्ति के साथ उपलब्ध दस्तावेजों और अन्य साक्ष्यों का भी मिलान कर रही है।

अज्ञात शवों की शिनाख्त और दाह संस्कार में देरी पर चंडीगढ़ पुलिस को लीगल नोटिस

अज्ञात शवों की पहचान और अंतिम संस्कार में देरी पर उठे सवाल, सात दिन में प्रक्रिया पूरी करने की मांग

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

अज्ञात शवों की पहचान और पोस्टमार्टम के बाद अंतिम संस्कार की प्रक्रिया में कथित देरी को लेकर पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट के अधिवक्ता एचसी अरोड़ा ने चंडीगढ़ प्रशासन और पुलिस की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने नौ अगस्त 2026 को चंडीगढ़ के प्रशासक और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को कानूनी मांग नोटिस भेजकर अज्ञात शवों से जुड़ी पूरी प्रक्रिया को समयबद्ध करने की मांग की है।

अधिवक्ता ने नोटिस में कहा है कि अज्ञात शव मिलने के बाद उनकी पहचान के लिए सार्वजनिक सूचना जारी करने में ही कई दिन लग जाते हैं। इसके बाद भी पहचान के लिए लंबे समय तक इंतजार किया जाता है। इससे पोस्टमार्टम और अंतिम संस्कार की प्रक्रिया में अनावश्यक देरी होती है। उन्होंने मांग की है कि अज्ञात शव मिलने से लेकर पहचान के प्रयास, पोस्टमार्टम और अंतिम संस्कार तक की पूरी प्रक्रिया किसी भी स्थिति में सात दिन से अधिक नहीं खिंचनी चाहिए।

छह मामलों के रिकॉर्ड का हवाला : एचसी अरोड़ा ने नोटिस में चंडीगढ़ पुलिस की ओर से समाचार पत्रों में प्रकाशित छह सार्वजनिक सूचनाओं का तुलनात्मक विवरण दिया है। उनके अनुसार इन मामलों में शव मिलने और पहचान के लिए सार्वजनिक सूचना प्रकाशित होने के बीच सात से 18 दिन तक का अंतर सामने आया।

नोटिस में बताया गया है कि 24 जनवरी को जीएमएसएच-32 के पास करीब 51 वर्षीय अज्ञात व्यक्ति का शव मिला था, जबकि पहचान के लिए सूचना छह फरवरी को प्रकाशित हुई। इसी तरह छह फरवरी को मिले करीब 55 वर्षीय व्यक्ति के शव के संबंध में पहचान सूचना 17 फरवरी को प्रकाशित की गई।

इसके अलावा 31 मार्च को मिले करीब 35 वर्षीय व्यक्ति के शव की पहचान के लिए सूचना 18 अप्रैल को, 20 अप्रैल को मिले करीब 45 वर्षीय व्यक्ति के संबंध में एक मई को और 14 मई को मिले करीब 35 वर्षीय व्यक्ति के संबंध में 20 मई को सार्वजनिक सूचना जारी किए जाने का उल्लेख किया गया है। एक अन्य मामले में 16 मार्च को मिले करीब 38 वर्षीय व्यक्ति की पहचान के लिए सूचना 25 अप्रैल को प्रकाशित हुई।

शव खराब होने से पहचान में भी परेशानी : अधिवक्ता ने कहा कि शव की पहचान के लिए प्रयास करना जरूरी है, लेकिन इसके लिए स्पष्ट समयसीमा भी तय होनी चाहिए। लंबे समय तक शव सुरक्षित रखे जाने से उसके खराब होने की आशंका रहती है। इससे दुर्गंध और सड़न की समस्या पैदा होने के साथ पहचान की प्रक्रिया भी प्रभावित हो सकती है।

उन्होंने सुप्रीम कोर्ट और विभिन्न हाई कोर्ट के निर्देशों का हवाला देते हुए कहा कि अज्ञात शवों की पहचान के लिए प्रभावी प्रयास किए जाने चाहिए। इसके बाद पोस्टमार्टम और अंतिम संस्कार भी निर्धारित समय में पूरा किया जाना चाहिए।

एक सप्ताह में व्यवस्था सुधारने की मांग : कानूनी नोटिस में प्रशासन और पुलिस से अज्ञात शवों की पहचान, पोस्टमार्टम और अंतिम संस्कार के लिए स्पष्ट एवं सख्त समयसीमा तय करने की मांग की गई है। अधिवक्ता ने विशेष रूप से पूरी प्रक्रिया सात दिन के भीतर पूरी करने के निर्देश जारी करने को कहा है।

उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि एक सप्ताह के भीतर आवश्यक कदम नहीं उठाए गए तो वह पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट में जनहित याचिका दायर करने के लिए मजबूर होंगे। इससे चंडीगढ़ में अज्ञात शवों की पहचान और अंतिम संस्कार की मौजूदा व्यवस्था की समयबद्धता पर बड़ा सवाल

मोहाली के जीरकपुर में स्कूली छात्रा का अपहरण दो दिनों तक हुई हैवानियत का शिकार

भारतेन्दु संवाददाता, जीरकपुर

पंजाब के जीरकपुर में 10 कक्षा की छात्रा का स्कूल जाते समय अपहरण कर सामूहिक दुष्कर्म का मामला सामने आया है। वह लगातार दो दिन हैवानियत का शिकार हुई। पुलिस ने तीन युवकों के खिलाफ बीएनएस की धारा 3(5), 70(2), 140(3), 351(1), 351(2) तथा पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

शिकायत के अनुसार, 16 वर्षीय छात्रा पर एक युवक दोस्ती का दबाव बना रहा था। छात्रा ने इनकार किया तो 6 अगस्त को सुबह करीब 7:30 बजे जब वह स्कूल के लिए घर से निकली तो रास्ते में युवक और उसके दो दोस्तों ने उसे रोक लिया। जबरदस्ती उसे कार में घसीट लिया। इसके बाद नशीला पदार्थ सुंघाकर उसे बेसुध कर दिया।

अज्ञात स्थान पर ले जाकर उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म किया। दोपहर करीब 2:15 बजे युवक छात्रा को जीरकपुर में विग बाजार के पास अर्धबेहोशी की हालत में छोड़कर चले गए। किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी दी। इसी डर के कारण छात्रा ने घर पहुंचने के बाद परिवार को कुछ नहीं बताया।

दूसरे दिन फिर रास्ते से अगवा करने का आरोप : अगली सुबह करीब 7:30 बजे छात्रा दोबारा स्कूल के लिए निकली। आरोप है कि तीनों युवकों ने उसे फिर कार में अगवा कर लिया और अज्ञात स्थान पर ले गए। शिकायत के अनुसार वहां छात्रा के साथ दोबारा सामूहिक दुष्कर्म किया गया। होश आने पर उसने विरोध किया तो फिर नशीला पदार्थ दिया गया। शाम करीब 5 बजे आरोपित छात्रा को बलटाना स्थित एक गिफ्ट शॉप के पास छोड़कर फरार हो गए। राहगीरों ने उसकी हालत देखकर पानी दिया।

इसके बाद छात्रा ने किसी व्यक्ति के फोन से अपनी मां को सूचना दी। परिजन मौके पर पहुंचे तो छात्रा बेहद डरी-सहमी हालत में थी और ठीक से चल-बोल नहीं पा रही थी। शिकायत के अनुसार 8 अगस्त को पूरी तरह होश में आने के बाद उसने परिवार को दोनों दिनों की पूरी घटना बताई।

यह मामला बेहद संवेदनशील है और पीड़िता नाबालिग है। इसलिए आरोपितों की पहचान और घटनाक्रम की अंतिम पुष्टि पुलिस जांच तथा अदालत में पेश किए जाने वाले साक्ष्यों से ही होगी। फिलहाल पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

2027 चुनाव से पहले कांग्रेस ने बूथ स्तर पर कसी कमर

हर रविवार कार्यकर्ताओं से सीधा संवाद कर जमीनी स्थिति समझेंगे राजा वड़िंग

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़

पंजाब कांग्रेस ने 2027 विधानसभा चुनाव की तैयारियों को गति देते हुए संगठन को बूथ और गांव स्तर तक मजबूत करने की रणनीति पर काम शुरू कर दिया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग अब हर रविवार पार्टी कार्यकर्ताओं और स्वयंसेवकों के साथ सीधे संवाद करेंगे। इस पहल को 'रविवार वड़िंग और योद्धाओं के साथ' नाम दिया गया है। पार्टी का उद्देश्य इस अभियान के माध्यम से जमीनी कार्यकर्ताओं की समस्याओं, सुझावों और क्षेत्रीय परिस्थितियों की जानकारी सीधे प्रदेश नेतृत्व तक पहुंचाना है।

राजा वड़िंग ने कहा कि चुनावी रणनीति केवल बंद कमरों में बैठकर तैयार नहीं की जा सकती। इसके लिए गांवों, शहरों और बूथों तक जाकर लोगों की समस्याओं और कार्यकर्ताओं की वास्तविक स्थिति को समझना जरूरी है। रविवार को होने वाले संवाद के दौरान पार्टी कार्यकर्ताओं से संगठन से जुड़े मुद्दों के साथ-साथ स्थानीय स्तर की राजनीतिक परिस्थितियों पर भी चर्चा की जाएगी।

नौ दिनों में 18 जिलों में बैठकें : वड़िंग ने बताया कि 'हर बूथ कांग्रेस मजबूत' अभियान के तहत महज नौ दिनों में प्रदेश के 18 जिलों में कार्यकर्ताओं के साथ बैठकें की गई हैं। इन बैठकों में पार्टी कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी को देखते हुए उन्होंने उनका आभार जताया। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं का उत्साह और जमीनी स्तर पर उनकी सक्रियता कांग्रेस संगठन की सबसे बड़ी ताकत है।

प्रदेश अध्यक्ष के अनुसार आने वाले समय में कार्यकर्ताओं के साथ नियमित संवाद को और मजबूत किया जाएगा। पार्टी नेतृत्व का मानना है कि बूथ स्तर पर संगठन मजबूत होने से आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाया जा सकेगा।

बंद कमरों में तय नहीं होगा पंजाब का भविष्य : राजा वड़िंग ने कहा कि पंजाब का भविष्य बंद कमरों में बैठकर तय नहीं किया जा सकता। जनता के बीच जाकर उनकी समस्याओं, जरूरतों और उम्मीदों को समझना जरूरी है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का लक्ष्य प्रत्येक बूथ, गांव और परिवार तक संगठन की पहुंच बनाना है।

उन्होंने कहा कि रविवार को होने वाला नियमित संवाद पार्टी नेतृत्व और कार्यकर्ताओं के बीच दूरी कम करने में मदद करेगा। कार्यकर्ताओं से मिलने वाली जमीनी जानकारी के आधार पर पार्टी अपनी रणनीति में आवश्यक बदलाव भी कर सकेगी।

बूथ स्तर पर बढ़ेगी सक्रियता : पंजाब कांग्रेस आने वाले महीनों में संगठन विस्तार और कार्यकर्ताओं को सक्रिय करने पर विशेष ध्यान देगी। पार्टी की कोशिश है कि चुनावी तैयारियां केवल बड़े नेताओं की बैठकों तक सीमित न रहें, बल्कि बूथ स्तर पर भी संगठन लगातार सक्रिय दिखाई दे।

वड़िंग के अनुसार कार्यकर्ताओं से सीधा संपर्क कांग्रेस को जमीनी राजनीतिक परिस्थितियों को समझने में मदद करेगा। इसके साथ ही स्थानीय मुद्दों को प्राथमिकता देकर उन्हें पार्टी के व्यापक राजनीतिक अभियान से जोड़ने की तैयारी है।

2027 के विधानसभा चुनाव को देखते हुए कांग्रेस का यह अभियान संगठनात्मक मजबूती के साथ-साथ कार्यकर्ताओं में उत्साह बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। अब हर रविवार होने वाला संवाद पार्टी की चुनावी तैयारियों और जमीनी रणनीति का नियमित हिस्सा बनेगा।

इस अभियान के तहत पार्टी नेतृत्व स्थानीय स्तर पर सक्रिय कार्यकर्ताओं की पहचान करने और उन्हें अधिक जिम्मेदारियां देने पर भी जोर देगा। मंडल, ब्लॉक और बूथ स्तर पर संगठन की गतिविधियों की नियमित समीक्षा की जाएगी। कार्यकर्ताओं से प्राप्त सुझावों के आधार पर क्षेत्रवार मुद्दों की सूची तैयार कर उन्हें पार्टी के राजनीतिक अभियान में शामिल किया जा सकता है। कांग्रेस का प्रयास रहेगा कि जनता से जुड़े रोजगार, महंगाई, कानून-व्यवस्था, विकास और स्थानीय सुविधाओं जैसे मुद्दों को मजबूती से उठाया जाए।

पंजाब की सियासत में बदला समीकरण, 38 प्रतिशत हिंदू वोट बैंक पर सभी दलों की नजर

भारतेंदु संवाददाता, जालंधर

पंजाब की राजनीति में विधानसभा चुनाव से पहले धार्मिक और सामाजिक समीकरणों को साधने की कोशिश तेज होती दिखाई दे रही है। लंबे समय तक पंजाब की राजनीति में किसान और सिख मुद्दे प्रमुख रहे हैं, लेकिन अब हिंदू मतदाताओं को लेकर भी राजनीतिक दलों की सक्रियता बढ़ती नजर आ रही है। आम आदमी पार्टी सरकार की ओर से धार्मिक आयोजनों और तीर्थ यात्राओं को बढ़ावा देने के फैसलों को इसी बदलाव से जोड़कर देखा जा रहा है।

आप सरकार की ओर से विभिन्न जिलों में 'एक शाम भगवान शिव के नाम' भजन संध्या का आयोजन किया गया। इसके अलावा 'हे राम' नाटक का मंचन भी करवाया जा रहा है। मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना में हरिद्वार, मथुरा, वृंदावन और खाटू श्याम जैसे धार्मिक स्थलों को शामिल किया गया है। इन पहलों के बाद पंजाब की राजनीति में हिंदू मतदाताओं को लेकर चर्चा तेज हो गई है।

पंजाब में हिंदू मतदाताओं की हिस्सेदारी करीब 38 प्रतिशत बताई जाती है। यही कारण है कि आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए इस बड़े मतदाता वर्ग को लेकर राजनीतिक दलों की रणनीति महत्वपूर्ण हो गई है। पहले हिंदू मतदाताओं को मुख्य रूप से भाजपा और कांग्रेस के बीच बंटा हुआ माना जाता था, लेकिन अब आम आदमी पार्टी भी इस वर्ग तक अपनी पहुंच बढ़ाने का प्रयास कर रही है।

भाजपा की रणनीति में हिंदू मतदाताओं के साथ अनुसूचित जाति और जट्ट सिख मतदाताओं को साधना भी शामिल है। पार्टी ने जट्ट सिख समुदाय से प्रदेश अध्यक्ष बनाया है। इसके अलावा जालंधर स्थित सचखंड डेरा बल्लां में प्रधानमंत्री के पहुंचने और अमृतसर से वाराणसी के बीच संत रविदास एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाने जैसे कदमों को अनुसूचित जाति मतदाताओं तक पहुंच बढ़ाने की रणनीति के तौर पर देखा जा रहा है।

कांग्रेस का भी पंजाब के हिंदू मतदाताओं के बीच लंबे समय से आधार रहा है। वर्ष 2022 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को करीब 23 प्रतिशत वोट मिले थे, जो 2024 के लोकसभा चुनाव में बढ़कर करीब 26 प्रतिशत हो गए। भाजपा का मत प्रतिशत भी 2022 के करीब 9.6 प्रतिशत से बढ़कर 2024 में 18.56 प्रतिशत तक पहुंचा।

वहीं आम आदमी पार्टी को 2022 में करीब 42 प्रतिशत वोट मिले थे, जबकि 2024 के लोकसभा चुनाव में उसका मत प्रतिशत घटकर करीब 26 प्रतिशत रह गया। ऐसे में पार्टी के लिए नए सामाजिक समूहों तक पहुंच बनाना आगामी चुनाव की रणनीति का महत्वपूर्ण हिस्सा माना जा रहा है।

आप सरकार की ओर से जालंधर, अमृतसर, बटाला, गुरदासपुर, पठानकोट, मुकेरियां, तलवाड़ा, पटियाला, मोहाली और रूपनगर जैसे क्षेत्रों में धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं।

पठानकोट-सुजानपुर मार्ग पर 52 करोड़ से बनेगा ओवरब्रिज, रोजाना हजारों लोगों को मिलेगी राहत

रोजाना रेलवे फाटक के 80 बार बंद होने के कारण लगते लंबे जाम से अब मिलेगी स्थायी राहत

भारतेंदु संवाददाता, पठानकोट। पठानकोट और सुजानपुर के बीच लंबे समय से चली आ रही ट्रैफिक की समस्या को दूर करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। पठानकोट-सुजानपुर मार्ग पर स्थित रेलवे क्रॉसिंग पर अब ओवरब्रिज बनाने का रास्ता साफ हो गया है। केंद्र सरकार इस परियोजना पर करीब 52.36 करोड़ रुपये खर्च करेगी। ओवरब्रिज बनने के बाद रेलवे फाटक पर वाहनों के रुकने की समस्या काफी हद तक खत्म होने की उम्मीद है। इससे इस मार्ग पर रोजाना आवाजाही करने वाले हजारों लोगों को राहत मिलेगी।

पठानकोट-सुजानपुर रोड पर रेलवे क्रॉसिंग का फाटक बंद होने के कारण आए दिन लंबा जाम लग जाता है। जानकारी के अनुसार रेलवे फाटक रोजाना करीब 70 से 80 बार बंद होता है। फाटक बंद होते ही सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग जाती हैं। कई बार जाम इतना लंबा हो जाता है कि वाहन चालकों को काफी देर तक इंतजार करना पड़ता है।

सबसे ज्यादा समस्या सुबह और शाम के व्यस्त समय में सामने आती है। कार्यालय जाने वाले लोगों के साथ स्कूलों में आने-जाने वाले विद्यार्थियों और अभिभावकों को भी जाम का सामना करना पड़ता है। सड़क पर वाहनों का दबाव बढ़ने के कारण रेलवे फाटक खुलने के बाद भी यातायात सामान्य होने में काफी समय लग जाता है। स्थानीय लोगों के अनुसार कई बार एंबुलेंस और अन्य आपातकालीन सेवाओं से जुड़ी गाड़ियां भी जाम में फंस जाती हैं। इससे मरीजों और जरूरतमंद लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। लंबे समय से क्षेत्रवासी इस समस्या के स्थायी समाधान की मांग कर रहे थे।

प्रस्तावित ओवरब्रिज बनने के बाद वाहनों को रेलवे फाटक से होकर गुजरने की जरूरत नहीं पड़ेगी। इससे रेलगाड़ियों के आवागमन के दौरान सड़क यातायात बाधित नहीं होगा। वाहनों की आवाजाही लगातार जारी रहने से जाम की समस्या में भी कमी आएगी।

फरीदकोट कैंट में जवान के सामान से बरामद हुई हेरोइन

भारतेंदु संवाददाता, फरीदकोट । फरीदकोट आर्मी कैंट में छुट्टी पूरी कर ड्यूटी पर लौटे एक जवान के सामान से तलाशी के दौरान दो ग्राम हेरोइन बरामद होने का मामला सामने आया है। मामले की सूचना मिलने के बाद थाना सिटी-2 फरीदकोट पुलिस ने जवान के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस को दी शिकायत में कैप्टन आशीष मिश्रा, एडजुटेंट फॉर कमांडिंग ऑफिसर, 62 मीडियम रेजीमेंट, आर्मी कैंट फरीदकोट ने बताया कि मंदीप सिंह, आर्मी नंबर 15197597 डब्ल्यू, गनर ऑपरेटर रेडियो, 10 दिन की छुट्टी काटने के बाद वापस ड्यूटी पर लौटा था।

जानकारी के अनुसार जवान जब आर्मी कैंट के चैक पोस्ट नंबर-3 पर पहुंचा तो सुरक्षा व्यवस्था के तहत उसके सामान की तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान सामान से दो ग्राम हेरोइन बरामद हुई। इसके बाद सेना के अधिकारियों ने मामले की जानकारी थाना सिटी-2 पुलिस को दी। सूचना मिलने पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए जवान के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि बरामद नशीला पदार्थ उसके पास कहां से आया और वह इसे कैंट तक कैसे लेकर पहुंचा। मामले में जवान से पूछताछ के साथ अन्य पहलुओं की भी जांच की जा रही है।

पंजाब की कानून व्यवस्था पर मजीठिया ने सरकार को घेरा

मजीठिया ने बढ़ते अपराधों को लेकर भगवंत मान सरकार पर तीखा हमला बोला

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़ । अकाली नेता बिक्रम सिंह मजीठिया ने पंजाब की कानून-व्यवस्था को लेकर मुख्यमंत्री भगवंत मान और आम आदमी पार्टी सरकार पर तीखा हमला बोला है। सोशल मीडिया पर साझा की गई पोस्ट में मजीठिया ने सरकार पर प्रदेश में बढ़ते अपराध को रोकने में विफल रहने का आरोप लगाया। उन्होंने तंज कसते हुए लिखा कि पंजाबियों को आम आदमी पार्टी के बदलाव की यह तस्वीर देखनी चाहिए।

पंजाब में अपराध बढ़ने का आरोप, मजीठिया ने सरकार की कार्यशैली पर उठाए सवाल

मजीठिया ने भगवंत मान को निशाने पर लेते हुए आरोप लगाया कि मौजूदा सरकार के कार्यकाल में पंजाब हत्या, लूट और फिरौती जैसी घटनाओं के कारण बदनाम हो रहा है। उनका दावा है कि आम लोग और व्यापारी अपनी सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि अपराधियों में पुलिस का डर खत्म हो गया है और कई अपराधी खुलेआम वारदातों को अंजाम दे रहे हैं।

लुधियाना हत्याकांड का किया जिक्र : अकाली नेता ने लुधियाना के हरजिंदर सिंह हत्याकांड का उल्लेख करते हुए हाल में सामने आई सीसीटीवी फुटेज का हवाला दिया। उन्होंने कहा कि इस तरह की घटनाएं प्रदेश की कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करती हैं। मजीठिया ने कपूरथला के काला संघियां में एक कपड़ा कारोबारी के घर पर हुई फायरिंग की घटना का भी जिक्र किया।

उन्होंने आरोप लगाया कि लगातार सामने आ रही आपराधिक घटनाओं से पंजाब में जंगलराज जैसी स्थिति बनने का आभास हो रहा है। हालांकि, ये आरोप मजीठिया के राजनीतिक बयान हैं और घटनाओं की वास्तविक स्थिति संबंधित पुलिस जांच तथा आधिकारिक आंकड़ों से स्पष्ट होगी।

गृह विभाग मुख्यमंत्री के पास : मजीठिया ने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत मान के पास खुद गृह विभाग की जिम्मेदारी है। ऐसे में प्रदेश में नागरिकों और व्यापारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करना सरकार की प्राथमिक जिम्मेदारी होनी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस की कार्रवाई राजनीतिक विरोधियों के खिलाफ मामले दर्ज करने तक सीमित होती नजर आ रही है।

अकाली नेता ने भगवंत मान पर पंजाब को दिल्ली के हाथों की कठपुतली बनाने का भी आरोप लगाया। उन्होंने मुख्यमंत्री पर कटाक्ष करते हुए कहा कि उन्हें सोशल मीडिया पर वीडियो बनाने के बजाय पंजाब की जमीनी समस्याओं और कानून-व्यवस्था पर अधिक ध्यान देना चाहिए।मजीठिया के बयान से पंजाब की राजनीति में कानून-व्यवस्था को लेकर एक बार फिर सियासी बहस तेज होने के संकेत हैं।

जालंधर में आतंकी साजिश बेनकाब विदेश बैठे हैंडलरों का नेटवर्क ध्वस्त

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़। स्वतंत्रता दिवस से पहले पंजाब में सुरक्षा एजेंसियों ने बड़ी आतंकी साजिश को नाकाम करने का दावा किया है। जालंधर काउंटर इंटेलिजेंस और एसबीएस नगर पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में सीमा पार से संचालित आतंकी नेटवर्क का भंडाफोड़ किया गया है। पुलिस ने एक मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 86-पी हैंड ग्रेनेड बरामद किया है। अधिकारियों के अनुसार बरामद विस्फोटक का इस्तेमाल किसी नियोजित हमले में किया जाना था।

पंजाब के पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने इस कार्रवाई की जानकारी देते हुए बताया कि यह मॉड्यूल पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आइएसआइ समर्थित बब्बर खालसा इंटरनेशनल से जुड़ा बताया जा रहा है। शुरुआती जांच में सामने आया है कि विदेश में बैठे हैंडलर इस नेटवर्क को निर्देश दे रहे थे। जांच के अनुसार गिरफ्तार आरोपी ने विदेशी हैंडलरों के निर्देश पर जालंधर के आदमपुर के पास एक स्थान से ग्रेनेड हासिल किया था। इसके बाद सुरक्षा एजेंसियों ने कार्रवाई कर उसे दबोच लिया। पुलिस ने एसबीएस नगर के सदर थाने में भारतीय न्याय संहिता और विस्फोटक पदार्थ अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है।

पुलिस अब गिरफ्तार आरोपी से पूछताछ कर पूरे नेटवर्क की कड़ियां जोड़ने में जुटी है। जांच में विदेशी हैंडलरों के अलावा स्थानीय सहयोगियों और नेटवर्क के आगे-पीछे के संपर्कों का भी पता लगाया जा रहा है। अधिकारियों का कहना है कि पंजाब में आतंकी गतिविधियों और संगठित अपराध के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा। स्वतंत्रता दिवस के मद्देनजर सुरक्षा व्यवस्था को भी और मजबूत किया जा रहा है।

नोटिस और बैंक ड्राफ्ट राशि को लेकर ठेकेदारों ने उठाए सवाल

रजताल में बीएसएफ-पुलिस की बड़ी कार्रवाई में तीन तस्कर हथियारों समेत किए गिरफ्तार

भारतेंदु संवाददाता, अमृतसर। सीमा सुरक्षा बल और पंजाब पुलिस ने सीमावर्ती क्षेत्र रजताल में संयुक्त अभियान चलाकर तीन कथित तस्करों को गिरफ्तार किया है। सुरक्षा एजेंसियों के अनुसार आरोपितों के कब्जे से चार विदेशी पिस्टल, 543 ग्राम हेरोइन और अन्य आपत्तिजनक सामान बरामद किया गया है। गिरफ्तार किए गए युवकों की उम्र करीब 20 से 25 वर्ष के बीच बताई जा रही है।

जानकारी के अनुसार, सुरक्षा एजेंसियों को रजताल क्षेत्र में संदिग्ध गतिविधियों की सूचना मिली थी। इसके बाद सीमा सुरक्षा बल के अमृतसर सेक्टर और पंजाब पुलिस ने आपसी तालमेल के साथ इलाके में निगरानी बढ़ाई और संयुक्त अभियान शुरू किया। कार्रवाई के दौरान संदिग्ध गतिविधियों में शामिल तीन युवकों को काबू कर लिया गया।

तलाशी के दौरान उनके पास से चार विदेशी पिस्टल और 543 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। इसके अलावा कुछ अन्य सामान भी जब्त किया गया है। हथियार और नशीले पदार्थ बरामद होने के बाद सुरक्षा एजेंसियों ने मामले की जांच तेज कर दी है।

जांच एजेंसियां अब यह पता लगाने में जुटी हैं कि बरामद हथियार और हेरोइन की खेप आरोपितों तक कैसे पहुंची और इसे आगे किसे पहुंचाया जाना था। सीमावर्ती क्षेत्र होने के कारण जांच में तस्करी के संभावित नेटवर्क और अन्य जुड़े लोगों की भूमिका भी खंगाली जा रही है।

आजादी दिवस से पहले पंजाब में सुरक्षा व्यवस्था हुई सख्त

भारतेंदु संवाददाता, अमृतसर । स्वतंत्रता दिवस को देखते हुए पंजाब पुलिस ने अमृतसर सहित सीमावर्ती जिलों में सुरक्षा व्यवस्था और मजबूत कर दी है। पंजाब के पुलिस महानिदेशक ने अमृतसर कमिश्नरेट और बॉर्डर रेंज के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ सुरक्षा तैयारियों की समीक्षा की और किसी भी संभावित चुनौती से निपटने के लिए पूरी तरह सतर्क रहने के निर्देश दिए।

समीक्षा बैठक में संवेदनशील सीमावर्ती क्षेत्रों, प्रमुख सार्वजनिक स्थलों, भीड़भाड़ वाले इलाकों, बड़े बाजारों और महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों की सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया गया। पुलिस अधिकारियों को संवेदनशील स्थानों पर निगरानी बढ़ाने और नियमित गश्त तेज करने के निर्देश दिए गए हैं। पुलिस महानिदेशक ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस के मद्देनजर सुरक्षा व्यवस्था में किसी भी तरह की लापरवाही की गुंजाइश नहीं है।

हरजिंदर हत्याकांड की सीसीटीवी फुटेज से मचा हड़कंप, तलाश में जुटीं सात टीमें

भारतेंदु संवाददाता, लुधियाना। टिब्बा रोड स्थित स्वतंत्र नगर में हरजिंदर सिंह हत्याकांड से जुड़ी सीसीटीवी फुटेज सामने आने के बाद मामले ने तूल पकड़ लिया है। फुटेज में आरोपितों द्वारा हरजिंदर को घेरकर हमला करने की घटना दिखाई देने की बात सामने आई है। पुलिस ने मामले की जांच तेज करते हुए आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए सात विशेष टीमें गठित की हैं।

बताया जा रहा है कि हमलावरों ने हरजिंदर की कार को रास्ते में घेरा और उस पर हमला किया। घटना के बाद आरोपित मौके से फरार हो गए। हत्याकांड के विरोध में रविवार को पीड़ित परिवार और समर्थकों ने हाईवे पर धरना देकर यातायात रोक दिया। परिवार ने सभी मुख्य आरोपितों की जल्द गिरफ्तारी, मामले में कथित लापरवाही बरतने वाले जांच अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई और दोषियों को कड़ी सजा देने की मांग की।

करीब आठ घंटे बाद पुलिस अधिकारियों के आश्वासन पर परिवार ने धरना समाप्त किया। परिवार का आरोप है कि हरजिंदर ने पहले ही अपनी जान को खतरा होने की शिकायत पुलिस को दी थी, लेकिन समय रहते कार्रवाई नहीं की गई। सूत्रों के अनुसार, मामले में रवि को मुख्य आरोपित बताया जा रहा है। पुलिस ने उसके पिता पुरषोतम लाल के खिलाफ भी बेटे को कथित तौर पर पनाह देने के आरोप में मामला दर्ज किया है। थाना टिब्बा पुलिस के अनुसार सात टीमें सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी जांच के आधार पर आरोपितों की तलाश कर रही हैं।

बादल की पीएम मोदी से मुलाकात पर गरमाई पंजाब की सियासत, अमन अरोड़ा ने कसा तंज

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़। शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल की प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात के बाद पंजाब की राजनीति में संभावित नए राजनीतिक समीकरणों को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। इस मुलाकात पर प्रतिक्रिया देते हुए पंजाब के कैबिनेट मंत्री अमन अरोड़ा ने कांग्रेस और अकाली दल पर निशाना साधते हुए कहा कि दोनों दलों की राजनीतिक स्थिति जनता के सामने स्पष्ट हो चुकी है।

अमन अरोड़ा ने कहा कि राजनीतिक दल चाहे जितनी बैठकें कर लें, पंजाब की जनता उनके बारे में अपना मन बना चुकी है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि कांग्रेस और अकाली दल साथ आते हैं या अलग-अलग रहते हैं, दोनों ही हाशिये पर रहेंगे। उन्होंने कहा, शून्य जोड़ शून्य बराबर शून्य होता है और शून्य ही रहेगा।

अमन अरोड़ा ने दावा किया कि पंजाब की जनता एक बार फिर आम आदमी पार्टी को सत्ता में लाएगी। उन्होंने कहा कि सरकार की नीतियों और कामकाज को देखते हुए लोग आगामी विधानसभा चुनाव में पार्टी के पक्ष में फैसला करेंगे।

2027 में आप की वापसी का दावा : कैबिनेट मंत्री हरभजन सिंह ने भी 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर आम आदमी पार्टी की जीत का दावा किया। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी अच्छे अंतर से दोबारा सरकार बनाएगी। उन्होंने दावा किया कि मुख्यमंत्री एक बार फिर चुनाव जीतकर 2027 में दूसरी बार पंजाब की मुख्यमंत्री बनेंगी।

आप नेताओं के इन बयानों के बीच सुखबीर बादल की प्रधानमंत्री मोदी से हुई मुलाकात को लेकर राजनीतिक हलकों में अलग-अलग तरह की चर्चाएं चल रही हैं। इसे अकाली दल और भाजपा के बीच भविष्य के राजनीतिक संबंधों के संदर्भ में भी देखा जा रहा है। हालांकि, दोनों दलों की ओर से अभी तक किसी नए गठजोड़ को लेकर आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है।

गनीव कौर ने कहा- पार्टी लेगी भलाई वाला फैसला : सुखबीर बादल की प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात पर अकाली दल की विधायक गनीव कौर ने कहा कि पार्टी जो भी फैसला लेगी, वह पंजाब और पार्टी की भलाई को ध्यान में रखकर लिया जाएगा।

विधानसभा मानसून सत्र के अंतिम दिन आठ विधेयकों समेत कई अहम मुद्दों पर हुई चर्चा

पंजाब विधानसभा में फीस, बाढ़ और नौकरियों पर सरकार-विपक्ष आमने-सामने

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़। पंजाब विधानसभा के मानसून सत्र के आखिरी दिन सोमवार को सदन में कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर सरकार और विपक्ष आमने-सामने रहे। शिक्षा, बाढ़, परिसीमन, सरकारी नौकरियों और किसानों से जुड़े मुद्दों पर सदस्यों ने सवाल उठाए। सरकार की ओर से कई विधेयक पेश किए गए, जबकि विपक्ष ने विभिन्न मुद्दों को लेकर सरकार पर निशाना साधा।

निजी स्कूलों की फीस पर पांच प्रतिशत की सीमा : शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैंस ने पंजाब अनएडेड एजुकेशनल इंस्टीट्यूशंस फीस नियमन संशोधन विधेयक, 2026 पेश किया। प्रस्तावित व्यवस्था के तहत निजी शिक्षण संस्थान सालाना अधिकतम पांच प्रतिशत फीस बढ़ा सकेंगे। फीस बढ़ाने से कम से कम 90 दिन पहले अभिभावकों को इसकी सूचना देना और स्कूल की वेबसाइट पर जानकारी उपलब्ध कराना अनिवार्य होगा।

कांग्रेस विधायक परगट सिंह ने सुप्रीम कोर्ट की फीस वृद्धि संबंधी आठ प्रतिशत सीमा का हवाला देते हुए सरकार की नीति पर सवाल उठाए। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि स्कूल की ओर से विद्यार्थियों से लिया जाने वाला प्रत्येक शुल्क स्कूल फीस के दायरे में माना जाएगा। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि तीन साल से पहले विद्यार्थियों की वर्दी बदलने की अनुमति नहीं होनी चाहिए।

परिसीमन को लेकर चिंता : विधायक राणा इंदरप्रताप सिंह ने परिसीमन के बाद छोटे राज्यों के हित प्रभावित होने की आशंका जताई। उन्होंने राज्यसभा में सभी राज्यों को समान प्रतिनिधित्व देने की व्यवस्था पर विचार करने के लिए केंद्र को प्रस्ताव भेजने की मांग की। उन्होंने सुल्तानपुर लोधी में कथित मानव तस्करी का मुद्दा भी उठाया।

सरकारी नौकरियों में पंजाबियों के हक पर बहस : नेता प्रतिपक्ष प्रताप सिंह बाजवा ने आरोप लगाया कि स्वास्थ्य विभाग और बिजली बोर्ड की भर्तियों में पंजाब के युवाओं की अनदेखी कर दूसरे राज्यों के अभ्यर्थियों को अवसर दिया जा रहा है। स्वास्थ्य मंत्री डॉ. बलबीर सिंह ने आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि भर्ती नियमों के अनुसार होती है और केवल बाहरी डिग्री के आधार पर किसी अभ्यर्थी को बाहर नहीं किया जा सकता।

कांग्रेस का विधानसभा परिसर में प्रदर्शन : सत्र के आखिरी दिन कांग्रेस विधायकों ने प्रताप सिंह बाजवा के नेतृत्व में विधानसभा परिसर में प्रदर्शन किया। कांग्रेस ने आम आदमी पार्टी सरकार पर वादे पूरे न करने का आरोप लगाते हुए सरकार के कामकाज पर सवाल उठाए।

आठ विधेयकों पर हुई कार्रवाई : कार्यसूची के अनुसार सदन में पंजाब सामान्य अंतरजिला स्थानांतरण सेवा विधेयक, सरकारी शिक्षकों व गैर-शिक्षण कर्मचारियों से संबंधित विधेयक, कल्याण विभाग से जुड़ा विधेयक, पंजाब एमेच्योर डिजिटल यूनिवर्सिटी विधेयक और विश्वविद्यालयों से संबंधित विधेयक पेश किए गए।

शिक्षकों पर सवाल उठाने के बजाय शिक्षा व्यवस्था की खामियों को दूर करने की जरूरत

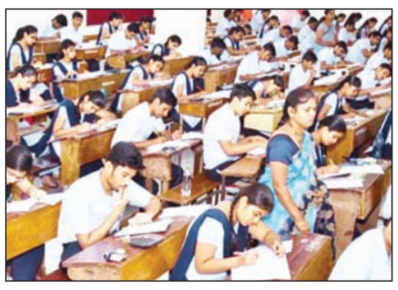

रवि शंकर
स्वतंत्र लेखक

आज यह धारणा बन रही है कि सरकारी, विशेषकर हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के शिक्षक निजी और सीबीएसई स्कूलों के शिक्षकों से कमजोर हैं। वास्तव में समस्या शिक्षक की क्षमता में नहीं, बल्कि शिक्षा व्यवस्था में है। सरकारी स्कूलों के शिक्षकों पर पढ़ाने के अलावा चुनाव ड्यूटी, जनगणना, सर्वेक्षण, मिड-डे मील, डेटा एंट्री और अन्य प्रशासनिक कार्यों का भारी बोझ होता है।

इसके विपरीत, निजी और सीबीएसई स्कूलों के शिक्षक केवल पढ़ाने पर ध्यान केंद्रित कर पाते हैं और उन्हें पर्याप्त संसाधन एवं अनुकूल वातावरण मिलता है। इसलिए दोनों की तुलना करना न्यायसंगत नहीं। सरकार को चाहिए कि वह सरकारी स्कूलों के शिक्षकों को भी गैर-शैक्षिक कार्यों से मुक्त कर समान सुविधाएं प्रदान करे।

जमीनी हकीकत : सरकारी स्कूलों में करीब 10,000 से 12,000 शिक्षक पद रिक्त हैं। कई विद्यालय एकल शिक्षक पर निर्भर हैं और कुछ में डेप्यूटेशन से काम चलाया जा रहा है। ऐसे में इन स्कूलों के परिणामों की निजी और सीबीएसई से तुलना करना बेमानी है।

तुलना का दूसरा पक्ष : निजी व सीबीएसई स्कूलों के बच्चे सामान्यत: समृद्ध व शिक्षित परिवारों से होते हैं, जबकि सरकारी में अधिकतर गरीब व वंचित वर्ग के पढ़ते हैं। जब अभिभावकों के पास अपने बच्चों को पढ़ाने का समय और संसाधन दोनों नहीं हैं, तो ऐसे बच्चों से निजी स्कूलों के बच्चों के समान प्रदर्शन की अपेक्षा करना वस्तुत: वास्तविकता से मुंह मोड़ना है।

रेफरल मॉडल जरूरी : सीबीएसई स्कूलों का उद्देश्य उच्च गुणवत्ता की शिक्षा देना है, लेकिन उन्हें केवल सक्षम बच्चों तक सीमित करना उचित नहीं। कमजोर, पिछड़े या दिव्यांग बच्चों को भी रेफरल मॉडल के तहत सीबीएसई स्कूलों में भेजा जाना चाहिए।

गांवों में शिक्षा की अनदेखी : सीबीएसई स्कूलों की स्थापना अधिकतर शहरों में हो रही है, जबकि असली जरूरत ग्रामीण क्षेत्रों में है। हिमाचल की करीब 80ब आबादी गांवों में रहती है, पर वहां उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा का अभाव है। हर पंचायत में बोर्डिंग और डे-इवनिंग स्टाफ के साथ स्कूल खोलकर बच्चों को नियमित पढ़ाई, होमवर्क और सह-शैक्षणिक गतिविधियों की सुविधा प्रदान की जानी चाहिए।

अंग्रेजी माध्यम : आज अंग्रेजी माध्यम को लेकर अनावश्यक होड़ मची है। बच्चा अपनी मातृभाषा में विषयों को गहराई से समझता है, जबकि दूसरी भाषा में वह उलझ जाता है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 भी प्रारंभिक शिक्षा मातृभाषा में देने पर जोर देती है। अंग्रेजी को केवल विषय के रूप में पढ़ाया जाए, न कि माध्यम बनाकर, ताकि भाषा और ज्ञान दोनों का संतुलन बना रहे।

दोहरी शिक्षा व्यवस्था : जब नीति-निर्माता और संपन्न वर्ग अपने बच्चों को निजी स्कूलों में पढ़ा रहे हैं और सरकारी स्कूल गरीबों तक सीमित रह गए हैं, तो समाज में शिक्षा और सामाजिक संतुलन दोनों प्रभावित होते हैं। इससे हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के स्कूल 'गरीबों के स्कूल' बन जाएंगे, और वर्गीकरण बढ़ेगा।

साहसिक समाधान की आवश्यकता : सरकार को शिक्षकों को गैर-शैक्षिक कार्यों से मुक्त करना, रिक्त पद भरना, ग्रामीण क्षेत्रों को प्राथमिकता देना और एक समान शिक्षा व्यवस्था स्थापित करना होगा। एक राष्ट्र, एक बोर्ड, एक पाठ्य, म की नीति ही शिक्षा में सामाजिक न्याय सुनिश्चित कर सकती है। सबसे बड़ी विडंबना यह है कि शिक्षक से पढ़ाने का समय छीन लिया गया है और फिर उसी से परिणाम की अपेक्षा की जा रही है। यह केवल शिक्षक का नहीं, बल्कि पूरे देश के भविष्य का सवाल है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

खेती से दूर होती युवा पीढ़ी भविष्य की खाद्य सुरक्षा के लिए बन सकती है बड़ा संकट

अदित्य प्रसाद दास
स्वतंत्र लेखक

भारत ही नहीं विश्व के हर देश में आज एक बहुत गंभीर समस्या कृषि किसानी के ऊपर मंडरा रही है। दुनिया के हर देश में किसानों की संख्या तेजी से कम हो रही है तथा हमारे किसान वृद्ध हो रहे हैं। विश्व में किसानों की औसत आयु 55 वर्ष है, जो सेवानिवृत्ति की आयु के नजदीक है।

एक समय में ऐसा लगता है की आज का युवा वह भारत का या विश्व के किसी भी देश का हो खेती में उसका लगाव या इच्छा नहीं है। इच्छा या कृषि खेती में युवाओं की रुचि का न होना क ई कारकों पर निर्भर है, जिस पर विश्व के हर देश उस कारण पर ध्यान नहीं दे रहे हैं और युवा कृषि से खेती से भाग रहे हैं।

1991 के आंकड़ों पर ध्यान दिया जाए तो कृषि में भूमंडलीय रोजगार करीब 43 प्रतिशत का था और 2023 तक यह कम होकर मात्र 26 प्रतिशत ही रह गया है। 2011 की जनगणना के अनुसार भारत में ही हर दिन लगभग दो हजार किसान खेती को छोड़ रहे हैं। क्यों छोड़ रहे हैं इसके पीछे बहुत से कारण हैं, जिसमें प्रमुख रुप से खेती लाभकारी नहीं है। खेती में जोखिम बहुत है । खेती में आवारा पशुओं के साथ लागत मूल्य बढ़ रहा तथा खेती करने वाले परिवार की समाज में कोई इज्जत नहीं। उनके बेटों की शादी आदि अनेक समस्याएं आ रही है, जिसके कारण गांवों में बहुत से लोगों के हाथ से रोजगार भी छिन जा रहा है और बहुत जल्द लोग खेती से सेवानिवृत्त हो रहे हैं। यह भूमेडलीय समस्या है और भारत में एक गेभीर रूप लेती जा रही है। सरकार इस ओर ध्यान नहीं दे रही है।

यदि किसानों की समस्या का सही समाधान नहीं निकाला गया तो 2035 तक अभी जितने लोग खेती में हैं, वह संख्या भी आधी हो जाएगी। युवा गांव से पलायन करेंगे और खेत बंजर हो जाएंगे। खेती जो एक आधारभूत आर्थिक गतिविधि है। यह कई मायनों में अद्वितीय है। इसका आधार भूमि है। यह एक ऐसा संसाधन हैं, जिसका अनेक प्रतिस्पर्धी उपयोग है।

खेती आम तौर पर जलवायु पर निर्भर करती है। जलवायु आज खेती के चक्र को बिगाड़ रही है। उसके विकास को सीमित कर देती है। खेती में वृद्धि की एक सीमा है। आज विश्व के देशों में भोजन की मांग बढ़ रही है। खेती श्रम प्रधान और श्रम केंद्रित है, जिसके कारण कम लोग ही इस पेशे में प्रवेश करने के इच्छुक हैं। हमारी खाघ उत्पादन प्रणाली कई चुनौतियों का सामना कर रही है। इस चुनौती के मूल में भूमि का पर्याप्त उपलब्ध होना जरूरी होता है। भूमि का किसी के लिए उपयोग किया जा सकता है न कि खाद्यान्न की मांग पूरा करने के लिए।

आज विश्व के सामने सबसे बड़ी चुनौती बढ़ती जनसंख्या के लिए पर्याप्त भोजन उपलब्ध कराना है। पृथ्वी की अधिकांश उपजाऊ भूमि पहले ही कृषि में उपयोग हो रही है और अब इसका विस्तार लगभग असंभव है। इसके विपरीत, शहरीकरण और औद्योगीकरण के कारण कृषि भूमि लगातार घट रही है।

किसानों की संख्या भी तेजी से कम हो रही है। आर्थिक विकास के साथ लोग गांवों से शहरों की ओर पलायन कर रहे हैं, जिससे खेती में युवाओं की भागीदारी घट रही है। वर्तमान में खेती अधिकतर बुजुर्गों पर निर्भर होती जा रही है, जबकि आधुनिक कृषि के लिए नई तकनीकों को अपनाने में युवाओं की आवश्यकता है।

यदि यही स्थिति जारी रही, तो भविष्य में खाद्य संकट उत्पन्न हो सकता है। इसलिए जरूरी है कि खेती को लाभकारी और आकर्षक बनाया जाए। किसानों को उचित मूल्य, बीमा, और सरकारी सहायता मिले, ताकि युवा खेती की ओर आकर्षित हों। सीमित भूमि में अधिक उत्पादन के लिए आधुनिक तकनीक, नीतिगत सुधार और युवाओं की भागीदारी अनिवार्य है। तभी विश्व की खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित की जा सकती है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

संपादकीय

किताबों से कटता युवा वर्ग

आज का युग सूचना और तकनीक का युग है। मोबाइल फोन, इंटरनेट और सामाजिक माध्यमों ने दुनिया को हमारी हथेली पर ला दिया है। कुछ ही सेकंड में देश-दुनिया की किसी भी घटना की जानकारी प्राप्त की जा सकती है। पढ़ाई, मनोरंजन, संवाद और जानकारी के लिए डिजिटल माध्यमों का उपयोग तेजी से बढ़ा है। इसके बावजूद एक गंभीर चिंता सामने आ रही है कि लोगों में पुस्तकों को पढ़ने की आदत लगातार कम होती जा रही है। विशेष रूप से बच्चों और युवाओं का लंबा समय मोबाइल फोन और छोटे-छोटे डिजिटल संदेशों में बीत रहा है। इसका असर केवल पढ़ने की आदत पर नहीं बल्कि उनकी सोच, समझ, एकाग्रता और ज्ञान की गहराई पर भी पड़ रहा है।

पुस्तकें केवल जानकारी का साधन नहीं होतीं बल्कि वे व्यक्ति के विचारों को विकसित करने का माध्यम भी हैं। किसी विषय पर विस्तृत पुस्तक पढ़ने से व्यक्ति को उस विषय की पृष्ठभूमि, कारण, परिणाम और विभिन्न पहलुओं को समझने का अवसर मिलता है। इसके विपरीत डिजिटल माध्यमों पर मिलने वाली अधिकांश सामग्री छोटी और त्वरित होती है। व्यक्ति एक विषय से दूसरे विषय पर तेजी से जाता रहता है। इससे जानकारी तो बहुत मिलती है लेकिन उसका गहरा अध्ययन नहीं हो पाता। परिणामस्वरूप आज का व्यक्ति सूचनाओं से भरा हुआ दिखाई देता है लेकिन कई बार उसके पास उन सूचनाओं को समझने और उनका सही विश्लेषण करने की क्षमता सीमित होती है।

पुस्तक पढ़ने की आदत व्यक्ति में धैर्य पैदा करती है। किसी पुस्तक को पूरा करने के लिए लंबे समय तक ध्यान केंद्रित करना पड़ता है। कहानी, उपन्यास, जीवनी, इतिहास या किसी विचारपरक पुस्तक को पढ़ते समय पाठक धीरे-धीरे लेखक की सोच और विषय की गहराई में प्रवेश करता है। इससे उसकी कल्पना शक्ति मजबूत होती है और वह किसी घटना को अलग-अलग दृष्टिकोणों से देखने का प्रयास करता है। इसके विपरीत लगातार छोटे संदेशों और त्वरित वीडियो देखने की आदत व्यक्ति की एकाग्रता को प्रभावित कर सकती है। वह लंबे समय तक किसी एक विषय पर ध्यान लगाने में कठिनाई महसूस करने लगता है

बच्चों में पढ़ने की आदत विकसित करना विशेष रूप से आवश्यक है। बचपन में पढ़ी गई अच्छी पुस्तकें व्यक्तित्व निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। बाल साहित्य बच्चों को कल्पना की दुनिया से परिचित कराने के साथ-साथ नैतिक मूल्यों, संवेदनशीलता और सामाजिक व्यवहार की समझ देता है। यदि बच्चे अपना अधिकांश समय मोबाइल खेलों, मनोरंजन सामग्री और छोटे वीडियो में बिताएंगे तो उनके मानसिक विकास का एक महत्वपूर्ण अवसर प्रभावित हो सकता है। इसलिए परिवार और विद्यालय दोनों की जिम्मेदारी है कि बच्चों को पुस्तकों के साथ जोड़ने के लिए नियमित प्रयास किए जाएं।

माता-पिता स्वयं पढ़ने की आदत अपनाकर बच्चों के सामने उदाहरण प्रस्तुत कर सकते हैं। घर में छोटा-सा पुस्तकालय बनाया जा सकता है। बच्चों को उनकी रुचि के अनुसार कहानी, विज्ञान, इतिहास, यात्रा, जीवनी और सामान्य ज्ञान की पुस्तकें उपलब्ध कराई जा सकती हैं। उन्हें केवल परीक्षा से जुड़ी पुस्तकें पढ़ने के लिए बाध्य करने के बजाय ऐसी किताबें पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए जिनसे उनका ज्ञान और कल्पनाशक्ति दोनों विकसित हों। परिवार में प्रतिदिन कुछ समय बिना मोबाइल और अन्य डिजिटल उपकरणों के केवल पढ़ने के लिए निर्धारित किया जा सकता है।

विद्यालयों की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। पुस्तकालय को केवल किताबों से भरा कमरा मानने के बजाय उसे विद्यार्थियों की बौद्धिक गतिविधियों का केंद्र बनाया जाना चाहिए। विद्यालयों में नियमित पुस्तक वाचन, पुस्तक समीक्षा, कहानी लेखन, वाद-विवाद और चर्चा जैसी गतिविधियां आयोजित की जा सकती हैं। विद्यार्थियों को अपनी पसंद की पुस्तक पढ़कर उसके बारे में कक्षा में विचार व्यक्त करने का अवसर दिया जाए तो उनमें पढ़ने के प्रति रुचि पैदा होगी। इससे उनकी भाषा और अभिव्यक्ति क्षमता भी मजबूत होगी।

पुस्तकों से दूरी का एक कारण यह भी है कि आज जानकारी प्राप्त करना पहले की तुलना में बहुत आसान हो गया है। विद्यार्थी किसी भी प्रश्न का उत्तर तुरंत इंटरनेट पर खोज सकते हैं। यह सुविधा उपयोगी है लेकिन इसके साथ एक खतरा भी जुड़ा है। तुरंत उपलब्ध उत्तर व्यक्ति को स्वयं सोचने और खोजने की प्रक्रिया से दूर कर सकता है। पुस्तक पढ़ते समय पाठक प्रश्न करता है, तर्क करता है और लेखक के विचारों से सहमत या असहमत होने की स्थिति तक पहुंचता है। यही प्रक्रिया आलोचनात्मक सोच को मजबूत करती है।

यह भी समझना आवश्यक है कि डिजिटल माध्यम और पुस्तक एक-दूसरे के विरोधी नहीं हैं। समस्या तकनीक के उपयोग में नहीं बल्कि उसके असंतुलित उपयोग में है। आज इलेक्ट्रॉनिक पुस्तकें, डिजिटल पुस्तकालय और श्रव्य पुस्तकें भी उपलब्ध हैं। इसलिए पढ़ने की आदत को आधुनिक तकनीक के साथ जोड़ा जा सकता है। यदि किसी व्यक्ति के पास कागज की पुस्तक पढ़ने का समय या सुविधा नहीं है तो वह मोबाइल या अन्य उपकरण पर इलेक्ट्रॉनिक पुस्तक पढ़ सकता है।

- शिवांश धाकड़

कविता

यह जंग है नामुराद

मुकेश विग, ठोडो ग्राउंड मोड़ सोलन (हि.प्र.) 173212.

यह जंग है नामुराद इससे बचके रहना, जंग छीन लेती है
सुख-चैन, सोना, खाना-पीना, मुश्किल कर दे यह जीना
यह जंग लगे लोहे में उसे खाक बना देती है
जंग ये दो देशों में तो कहर ही बरपाती है।
जीत कोई न पाया कभी भी यह जंग, सुंदर इस दुनिया को कर देती है बदरंग
ये नुकसान पूरा नहीं हो सकता, दुनिया यूं दिखती है ज्यों ये गया अधरंग
फिर क्यों होड़ लगी है जंग जीतने की, निर्माण करो, विनाश नहीं
देखो इन खंडहरों को यह तबाही का मंजर, क्या दे सकते हो इन्हें जीवन
स्कूली बच्चे, महिलाएं-चीख रहे, जहां देखो पड़ी है लाश वहीं
रुक जाओ बंद करो तुम भी नहीं बच पाओगे तबाही मचाने वालो वीर नहीं
कहलाओगे, कैसी है सोच तुम्हारी पूरी दुनिया हैरान है चीख चीख सब कह रहे
यह इंसान नहीं शैतान हैं। बढ़ जाएं दुनिया में जब स्वार्थ अकड़ घमंड तब वह
खुद ही आकर देता है इसका दंड छोड़ दो यह हठ न करो उसे परेशान
विग न कहीं बना दे वह पूरी दुनिया को रमशान

शांत वातावरण, देवदार के जंगल और मां जखणी की आस्था ने मंदिर को बनाया पर्यटकों का पसंदीदा स्थल

तुलसी राम डोगरा
स्वतंत्र लेखक, पालमपुर

यूं तो उत्तर भारत में स्थित हिमाचल प्रदेश में अनेकों पौराणिक एवं ऐतिहासिक धार्मिक स्थल हैं, जो किसी न किसी किंवदंतियों व इतिहास के पन्नों में दर्ज हैं। कहा जाता है कि प्राकृतिक, ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संपदा ही उस क्षेत्र को आगे बढ़ाती है और हिमाचल प्रदेश के जनपद कांगड़ा का पालमपुर इन सब में समाहित है।

इसके इर्द-गिर्द के अनेकों अनछुए रमणीय पर्यटन व धार्मिक स्थलों को निहारने के लिए वर्ष भर सैलानियों का तांता लगा रहता है, क्योंकि इसका नैसर्गिक व विहंगम सौंदर्य अनंत नीरव शांत वातावरण सबको अचंभित कर देते हैं। इसी श्रृंखला में अनुपम सुंदरता और बर्फ से लकदक गगनचुंबी चांदी सरीखी घाटियों के नयनाभिराम दृश्यों को समेटे पालमपुर से मात्र 5 कि.मी. की दूरी पर डुहग यानी चंदपुर ग्रामीण क्षेत्र के धौलाधार के शिखर में मां मां जख्णी मंदिर, जोकि चारों ओर से देवदार और चीड़ के घने जंगल की आगोश में अवस्थित है,एक अलौकिक दिव्यता की अनुभूति कराता है। जख्णी माता मंदिर आज तेजी से एक आकर्षक पर्यटन स्थल के रूप में उभर रहा है।

देवदार और चीड़ के घने जंगलों से घिरा यह मंदिर प्रकृति प्रेमियों और आध्यात्मिक शांति की तलाश करने वालों के लिए स्वर्ग समान है। यहां पहुंचते ही ठंडी, शुद्ध और ताजगी से भरपूर हवा मन को सुकून देती है। चारों ओर फैली हरियाली, पक्षियों का मधुर कलरव और शांत वातावरण पर्यटकों को रोजमर्रा की भागदौड़ से दूर एक अलग ही दुनिया में ले जाता है।

सर्दियों में जब यहां बर्फबारी होती है, तो पूरा क्षेत्र सफेद चादर में ढक जाता है, जो इसे और भी आकर्षक बना देता है। यह दृश्य पर्यटकों के लिए अविस्मरणीय अनुभव बन जाता है। जख्णी माता मंदिर केवल प्राकृतिक सौंदर्य का केंद्र ही नहीं, बल्कि गहरी आस्था और लोकविश्वास का प्रतीक भी है। स्थानीय गद्दी समुदाय इस देवी को अपनी कुलदेवी मानता है और सदियों से यहां पूजा-अर्चना करता आ रहा है। मंदिर से जुड़ी अनेक किंवदंतियां इसे और भी विशेष बनाती हैं।

माना जाता है कि माता जख्णी ने अपने भक्तों की रक्षा के लिए कई चमत्कार किए, जिनकी कहानियां आज भी स्थानीय लोगों द्वारा सुनाई जाती हैं। यही आस्था और विश्वास हर साल हजारों श्रद्धालुओं को यहां खींच लाता है। पर्यटन की दृष्टि से यह स्थान अत्यंत महत्वपूर्ण है। मंदिर परिसर में पर्यटकों के लिए बैठने और विश्राम करने की अच्छी व्यवस्था है। यहां से पालमपुर और आसपास की घाटियों का विहंगम दृश्य दिखाई देता है, जो किसी चित्रकला जैसा प्रतीत होता है।

प्रकृति के बीच बैठकर ठंडी हवा का आनंद लेना और शांत वातावरण में समय बिताना हर पर्यटक के लिए एक विशेष अनुभव बन जाता है। मंदिर में प्रतिदिन होने वाली आरती और विशेष अवसरों पर आयोजित धार्मिक कार्यक्रम पर्यटकों को आध्यात्मिक शांति प्रदान करते हैं। विशेषकर नवरात्र के दौरान यहां श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ती है। इस समय मंदिर परिसर पूरी तरह भक्तिमय वातावरण में डूब जाता है और यहां की रौनक देखने लायक होती है। यहां तक पहुंचना भी काफी आसान है। पालमपुर से टैक्सी, बस और ऑटो जैसी सुविधाएं आसानी से उपलब्ध हैं। पहाड़ी रास्तों से गुजरते हुए मंदिर तक पहुंचने का सफर भी अपने आप में रोमांचक होता है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

हनुमान आराधना के साथ जीवन में साहस बढ़ाने की प्रेरणा देता मंगलवार

हेमराज ठाकुर
जिला मंडी (हि.प्र.)

सप्ताह के सात दिनों में मंगलवार का अपना विशेष महत्व है। भारतीय समाज में मंगलवार को केवल सप्ताह का एक सामान्य दिन नहीं माना जाता, बल्कि इसे धार्मिक आस्था, परंपरा, ऊर्जा और सकारात्मक संकल्प से जोड़कर देखा जाता है। मंगलवार सप्ताह के दूसरे दिन के रूप में आता है और सोमवार के बाद कार्यों को गति देने का अवसर प्रदान करता है। कई लोगों के लिए यह दिन नई शुरुआत, अनुशासन और आत्मविश्वास का प्रतीक भी है। भारतीय संस्कृति में मंगलवार का संबंध विशेष रूप से भगवान हनुमान से माना जाता है। इस कारण इस दिन पूजा-पाठ, व्रत और धार्मिक अनुष्ठानों की परंपरा लंबे समय से चली आ रही है।

मंगलवार को भगवान हनुमान की आराधना करने का विशेष महत्व माना जाता है। भक्त इस दिन मंदिरों में जाकर पूजा करते हैं, हनुमान चालीसा का पाठ करते हैं और अपनी मनोकामनाओं की पूर्ति तथा संकटों से मुक्ति की प्रार्थना करते हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार भगवान हनुमान शक्ति, साहस, भक्ति और निष्ठा के प्रतीक हैं। इसलिए मंगलवार को उनकी पूजा करने से व्यक्ति के भीतर आत्मविश्वास और कठिन परिस्थितियों का सामना करने की प्रेरणा बढ़ती है। हालांकि इन धार्मिक मान्यताओं को आस्था के रूप में देखा जाना चाहिए, लेकिन इनके माध्यम से मिलने वाला मानसिक संबल व्यक्ति के जीवन में सकारात्मक भूमिका निभा सकता है।

मंगलवार को अनुशासन और परिश्रम से जोड़कर भी देखा जा सकता है। सप्ताह की शुरुआत सोमवार से होती है और मंगलवार तक व्यक्ति अपने पूरे सप्ताह की दिशा को अधिक स्पष्ट रूप से समझने लगता है। सोमवार को बनाई गई योजनाओं को मंगलवार से गति दी जा सकती है। विद्यार्थियों के लिए यह दिन पढ़ाई की नियमितता मजबूत करने का अवसर हो सकता है। नौकरी करने वाले लोगों के लिए मंगलवार अपने कार्यों की समीक्षा करने और सप्ताह के लक्ष्यों को पूरा करने की दिशा में आगे बढ़ने का दिन बन सकता है।

मंगलवार का संबंध ज्योतिषीय दृष्टि से मंगल ग्रह से भी माना जाता है। भारतीय ज्योतिष में मंगल को ऊर्जा, साहस, शक्ति, भूमि और पराक्रम का कारक माना गया है। इसी कारण मंगलवार को साहस और शक्ति से जुड़े कार्यों के लिए महत्वपूर्ण माना जाता है। हालांकि ज्योतिषीय मान्यताओं का वैज्ञानिक आधार अलग विषय है, फिर भी भारतीय सामाजिक और सांस्कृतिक जीवन में इनका प्रभाव काफी व्यापक है। अनेक परिवारों में आज भी मंगलवार के दिन विशेष पूजा और धार्मिक गतिविधियां की जाती हैं।

मंगलवार हमें यह संदेश भी देता है कि जीवन में केवल योजना बनाना पर्याप्त नहीं है। योजना को पूरा करने के लिए निरंतर प्रयास और दृढ़ इच्छाशक्ति की आवश्यकता होती है। सप्ताह के शुरुआती दिनों में ही यदि व्यक्ति अपने कार्यों के प्रति गंभीर हो जाए तो पूरे सप्ताह की उत्पादकता बेहतर हो सकती है। इसलिए मंगलवार को आत्ममूल्यांकन का दिन बनाया जा सकता है। व्यक्ति स्वयं से पूछ सकता है कि उसने सप्ताह की शुरुआत में जो लक्ष्य तय किए थे उनमें से कितने पूरे हुए और किन कार्यों पर अभी अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है। परिवार और समाज में भी मंगलवार की अपनी सांस्कृतिक भूमिका है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

11 अगस्त को याद किया जाता है भारत के वीर सपूत खुदीराम बोस का बलिदान

अनिल शर्मा
स्वतंत्र लेखक

11 अगस्त भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के इतिहास में एक अत्यंत महत्वपूर्ण और भावनात्मक दिन है। यह दिन महान क्रांतिकारी खुदीराम बोस के बलिदान की याद दिलाता है। 11 अगस्त 1908 को मात्र 18 वर्ष की आयु में खुदीराम बोस को मुजफ्फरपुर बम कांड के मामले में फांसी दी गई थी। इतनी कम उम्र में देश की स्वतंत्रता के लिए अपने प्राणों का बलिदान देने वाले खुदीराम बोस भारतीय युवाओं के लिए साहस, देशभक्ति और त्याग के प्रतीक बन गए। उनका जीवन छोटा जरूर था, लेकिन उनके विचारों और बलिदान का प्रभाव भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन पर लंबे समय तक बना रहा।

खुदीराम बोस का जन्म 3 दिसंबर 1889 को बंगाल के मिदनापुर जिले के बहुवैनी गांव में हुआ था। बचपन से ही उनके मन में देश के प्रति गहरा प्रेम था। उस समय भारत अंग्रेजी शासन के अधीन था और देशवासियों को अनेक प्रकार के अत्याचार तथा भेदभाव का सामना करना पड़ता था। बंगाल में राष्ट्रवादी विचार तेजी से फैल रहे थे। युवाओं के बीच यह भावना मजबूत हो रही थी कि अंग्रेजी शासन से मुक्ति के लिए हर संभव प्रयास किया जाना चाहिए। खुदीराम भी इसी राष्ट्रवादी वातावरण से प्रभावित हुए और बहुत कम उम्र में स्वतंत्रता आंदोलन से जुड़ गए।

किशोरावस्था में ही उन्होंने ब्रिटिश शासन के विरुद्ध गतिविधियों में भाग लेना शुरू कर दिया था। वे देशभक्ति से जुड़े पर्चे बांटते और लोगों में राष्ट्रीय चेतना जगाने का प्रयास करते थे। उस दौर में क्रांतिकारी संगठन युवाओं को संगठित कर रहे थे और अंग्रेजी शासन के विरुद्ध संघर्ष की योजना बना रहे थे। खुदीराम बोस भी ऐसे ही क्रांतिकारी समूहों से जुड़े। उनके भीतर असाधारण साहस और जोखिम उठाने की क्षमता थी। कम उम्र होने के बावजूद वे अपने उद्देश्य को लेकर पूरी तरह दृढ़ थे।

1905 में बंगाल विभाजन के बाद देश में अंग्रेजी शासन के खिलाफ विरोध और तेज हो गया। स्वदेशी आंदोलन ने युवाओं के भीतर राष्ट्रीय भावना को नई ऊर्जा दी। खुदीराम बोस पर भी इस आंदोलन का गहरा प्रभाव पड़ा। उन्होंने विदेशी वस्तुओं के बहिष्कार और स्वदेशी विचारों को आगे बढ़ाने में भूमिका निभाई। धीरे-धीरे उनका जुड़ाव क्रांतिकारी गतिविधियों से बढ़ता गया। ब्रिटिश सरकार उनके जैसे युवाओं की गतिविधियों पर नजर रखने लगी थी।

खुदीराम बोस के जीवन की सबसे चर्चित घटना मुजफ्फरपुर बम कांड से जुड़ी है। उस समय मुजफ्फरपुर के जिला जज डगलस किंग्सफोर्ड को क्रांतिकारी गतिविधियों के खिलाफ कठोर रवैये के लिए जाना जाता था। क्रांतिकारियों ने किंग्सफोर्ड को निशाना बनाने की योजना बनाई। खुदीराम बोस और प्रफुल्ल चाकी को इस कार्य के लिए भेजा गया। दोनों ने कई दिनों तक मुजफ्फरपुर में रहकर किंग्सफोर्ड की गतिविधियों पर नजर रखी।

30 अप्रैल 1908 की रात एक बग्घी को किंग्सफोर्ड की गाड़ी समझकर उस पर बम फेंका गया। हालांकि उस बग्घी में किंग्सफोर्ड नहीं थे। इस घटना में दो ब्रिटिश महिलाओं की मृत्यु हो गई। घटना के बाद ब्रिटिश प्रशासन ने व्यापक स्तर पर तलाशी और गिरफ्तारी अभियान शुरू किया। प्रफुल्ल चाकी ने गिरफ्तारी से बचने के लिए आत्महत्या कर ली, जबकि खुदीराम बोस को वैनी रेलवे स्टेशन के पास गिरफ्तार कर लिया गया।

गिरफ्तारी के बाद खुदीराम बोस पर मुकदमा चलाया गया। अदालत की कार्यवाही के दौरान भी उनके चेहरे पर भय दिखाई नहीं दिया। इतनी कम उम्र के इस युवक का आत्मविश्वास ब्रिटिश अधिकारियों के लिए भी असाधारण था।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

व्यक्तित्व विशेष

फिल्मों में अन्ना का जलवा

सुनील शेट्टी का जन्म **11 अगस्त** 1961 को कर्नाटक के मुल्की में हुआ था। उनका पूरा नाम सुनील वीरप्पा शेट्टी है। हिंदी सिनेमा में उन्हें प्यार से अन्ना के नाम से भी जाना जाता है। उन्होंने अपने अभिनय करियर की शुरुआत वर्ष 1992 में फिल्म बलवान से की। शुरुआती दौर में उन्हें तुरंत बड़ी सफलता नहीं मिली, लेकिन उन्होंने मेहनत और निरंतर प्रयास जारी रखा। वर्ष 1994 में आई मोहरा ने उनके करियर को नई पहचान दी और इसके बाद उन्होंने एक्शन फिल्मों के साथ-साथ हास्य, गंभीर और नकारात्मक भूमिकाओं में भी अपनी प्रतिभा साबित की।

सुनील शेट्टी
जन्म : 11 अगस्त 1961

सुनील शेट्टी का नाम उन अभिनेताओं में लिया जाता है, जिन्होंने अपने मजबूत व्यक्तित्व और दमदार अभिनय के माध्यम से हिंदी फिल्मों में अलग पहचान बनाई। मोहरा के बाद गोपी किशन, दिलवाले, कृष्णा, सपूत, बॉर्डर, धड़कन, हेरा फेरी, फिर हेरा फेरी, आवारा पागल दीवाना, कांटे, मैं हूं ना और एलओसी कारगिल जैसी फिल्मों में उनके अभिनय को दर्शकों ने खूब पसंद किया। विशेष रूप से देशभक्ति और एक्शन से जुड़ी फिल्मों में उनके अभिनय को व्यापक सराहना मिली।

उनकी खासियत यह रही कि उन्होंने स्वयं को केवल एक्शन अभिनेता तक सीमित नहीं रखा। हेरा फेरी जैसी हास्य फिल्मों में उनके गंभीर लेकिन हास्यपूर्ण अंदाज ने दर्शकों को खूब मनोरंजन दिया। वहीं धड़कन में उन्होंने अलग तरह की भूमिका निभाकर यह साबित किया कि वे भावनात्मक और नकारात्मक किरदारों को भी प्रभावी ढंग से निभा सकते हैं। उनके करियर में विविध भूमिकाओं का यह विस्तार उनकी अभिनय क्षमता का महत्वपूर्ण पक्ष माना जाता है।

अभिनय के साथ सुनील शेट्टी ने फिल्म निर्माण के क्षेत्र में भी कदम रखा। उन्होंने निर्माण कंपनी के माध्यम से खेल, रक्त और भागम भाग जैसी फिल्मों का निर्माण किया। इस तरह उन्होंने मनोरंजन जगत में अभिनेता के साथ-साथ निर्माता के रूप में भी अपनी पहचान बनाई। सुनील शेट्टी की लोकप्रियता केवल फिल्मों तक सीमित नहीं रही।

'भारतेन्दु शिखर

प्रकाशक, मुद्रक, संपादक एवं स्वामी शिवांश धाकड़ द्वारा शर्मा भवन, न्यू रणजीत नगर, एप्पल फ्रूट मंडी, नजदीक ढली टनल, शिमला (हि.प्र.) 171006 से प्रकाशित एवं बायोसर्ट इंटरनेशनल प्रा. लि. प्लॉट नंबर 8, फेज-2 इंडस्ट्रियल एरिया, नगरोटा बगवां, जिला कांगड़ा (हि.प्र.), पिन नंबर-176047 से मुद्रित। समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन के लिए पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद शिमला न्यायालय के अधीन होंगे।

आरएनआई संदर्भ संख्या-HPHIN/2000/02437
ई-मेल : bhartendunewsmedia@gmail.com, फोन नंबर : 88946-77702

न्यूज ब्रीफ

फसल विविधीकरण और मूल्य संवर्धन से किसानों की आमदनी बढ़ाने पर विशेषज्ञों ने दिया जोर

एजेंसी, औरैया। किसानों की खेती लागत कम कर आमदनी बढ़ाने के उद्देश्य से अपेक्षा महिला एवं बाल विकास समिति की ओर से दो दिवसीय जैविक एवं प्राकृतिक कृषि प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें 15 गांवों के 40 ग्रामीण एवं महिला किसानों ने भाग लिया। विशेषज्ञों ने प्राकृतिक खेती, फसल विविधीकरण, मचान विधि और कृषि उत्पादों में मूल्य संवर्धन की जानकारी दी। समिति की सचिव रीना पाण्डेय ने किसानों से एकल फसल पर निर्भरता कम कर फसल विविधीकरण अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि इससे खेती में जोखिम घटेगा और आय के नए अवसर मिलेंगे। प्रशिक्षक आलोक कुमार ने कम क्षेत्र में अधिक उत्पादन, संसाधनों के बेहतर उपयोग और कृषि उत्पादों का प्रसंस्करण कर मूल्य बढ़ाने के तरीके बताए। जितेंद्र कुमार ने किसानों की स्थानीय समस्याओं पर चर्चा कर समाधान सुझाए। आयोजकों ने कहा कि प्रशिक्षण का उद्देश्य किसानों को कम लागत में अधिक उत्पादन और बेहतर आमदनी के लिए सक्षम बनाना है।

वाराणसी में गंगा का जलस्तर बढ़ने से घाट से घाट जाना हुआ प्रभावित

एजेंसी, वाराणसी। सावन के द्वितीय सोमवार पर श्रीकाशी विश्वनाथ के दर्शन के बाद बड़ी संख्या में श्रद्धालु गंगा घाटों पर पहुंचे, लेकिन बढ़े जलस्तर ने उनके पर्यटन का आनंद फीका कर दिया। गंगा का पानी ऊपर की सीढ़ियों तक पहुंचने से कई घाटों के बीच पैदल संपर्क बाधित हो गया। श्रद्धालु घाट किनारे से गंगा की लहरों का आनंद लेकर और पवित्र जल भरकर लौटते नजर आए। बिहार के रोहतास से आए आलोक पांडेय ने बताया कि घाट घूमने की इच्छा अधूरी रह गई। उन्होंने गंगा आरती कर दीप जलाकर प्रार्थना की। चंदौली से आए मयंक और उनके साथियों ने बताया कि जलस्तर बढ़ने से कई घाटों का संपर्क टूट गया है। जल पुलिस ने विभिन्न घाटों पर निगरानी बढ़ाकर श्रद्धालुओं को पानी में न जाने और जोखिम से बचने की चेतावनी दी।

एफसीआई में नौकरी दिलाने के नाम पर महिला समेत दो ने ठगे पांच लाख

एजेंसी, नोएडा। थाना सेक्टर-49 क्षेत्र में भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) में नौकरी लगवाने के नाम पर पांच लाख रुपये की ठगी का मामला सामने आया है। पीड़ित सरोज कुमार सिंह ने महिला समेत दो लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पीड़ित के अनुसार, बबीता सिंह और अंकित कुमार ने एफसीआई लखनऊ में अपनी अच्छी पहचान होने का दावा करते हुए उनके बेटे की नौकरी लगवाने का भरोसा दिया। इसके बाद अलग-अलग बार में उनसे पांच लाख रुपये ले लिए। आरोपितों ने बाद में फर्जी नियुक्ति पत्र भी दिया। बेटा जब एफसीआई कार्यालय पहुंचा तो अधिकारियों ने पत्र को फर्जी बताया। पैसे वापस मांगने पर आरोपितों ने धमकी दी। पीड़ित ने आरोप लगाया कि आरोपितों ने अन्य लोगों से भी नौकरी के नाम पर ठगी की है।

प्रदेश में संपत्ति कर के बकायेदारों के लिए एकमुश्त समाधान योजना लागू

एजेंसी, लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने प्रदेश के सभी 762 नगरीय निकायों में लंबित संपत्ति कर की वसूली के लिए एकमुश्त समाधान योजना लागू करने का निर्णय लिया है। योजना का लाभ 17 नगर निगम, 200 नगर पालिका परिषद और 545 नगर पंचायतों के बकायेदार करदाताओं को मिलेगा। नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा ने बताया कि योजना 15 अगस्त से 15 दिसंबर 2026 तक लागू रहेगी। इसका उद्देश्य पुराने कर बकाये का समाधान करने के साथ करदाताओं को राहत देना और नगरीय निकायों की वित्तीय स्थिति मजबूत करना है। योजना के तहत बकाया संपत्ति कर जमा करने के लिए अधिकतम तीन किस्तों की सुविधा दी गई है। करदाता को पहले 30 दिनों में कुल बकाये की एक-तिहाई राशि जमा करनी होगी। शेष राशि अगले दो माह में दो मासिक किस्तों में जमा की जा सकेगी।

अनुपस्थित स्वास्थ्यकर्मियों का वेतन रोकने के साथ प्रभावी कार्रवाई के निर्देश

एजेंसी, देवरिया

जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी ने सोमवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पथरदेवा का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान प्रभारी चिकित्साधिकारी समेत अधिकांश स्वास्थ्यकर्मी अनुपस्थित मिले। इस पर जिलाधिकारी ने कड़ी नाराजगी जताते हुए मुख्य चिकित्सा अधिकारी को अनुपस्थित कर्मचारियों का एक दिन का वेतन रोकने और नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े कर्मचारियों की अनुपस्थिति किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं की जाएगी। चिकित्सकों और स्वास्थ्यकर्मियों को निर्धारित समय पर अस्पताल में उपस्थित रहकर मरीजों को समय से उपचार उपलब्ध कराना होगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि स्वास्थ्य सेवाओं में लापरवाही और उदासीनता मिलने पर कठोर कार्रवाई की जाएगी। निरीक्षण के दौरान अस्पताल में मौजूद एक महिला मरीज के एमसीपी कार्ड की भी जांच की गई। इसमें कई विवरण सही ढंग से दर्ज नहीं पाए गए।

डीएम के निर्देश पर महिला का मौके पर ही हीमोग्लोबिन परीक्षण कराया गया। जांच रिपोर्ट और एमसीपी व एससीबी कार्ड में दर्ज विवरण में काफी अंतर मिला। इस पर उन्होंने संबंधित कर्मचारियों के प्रति नाराजगी जताते हुए अभिलेखों में सही जानकारी दर्ज करने के निर्देश दिए। दवाओं की उपलब्धता की समीक्षा के दौरान फार्मासिस्ट से स्टॉक का विवरण मांगा गया, लेकिन वह पूरा ब्यौरा प्रस्तुत नहीं कर सके। डीएम ने दवाओं की उपलब्धता और स्टॉक व्यवस्था दुरुस्त रखने के निर्देश दिए।

एसबीआई की हिन्दी वेबसाइट पर एआई अनुवाद को लेकर घमासान, राजभाषा नियमों पर बहस

शिकायतकर्ता ने इसे राजभाषा अधिनियम, 1963 और राजभाषा नियम, 1976 की भावना के विपरीत बताया

एजेंसी, लखनऊ

देश के सबसे बड़े सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की आधिकारिक वेबसाइट पर कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित हिंदी अनुवाद और उससे जुड़े अस्वीकरण को लेकर विवाद सामने आया है। शिकायतकर्ता प्रवीण कुमार जैन ने एसबीआई के कॉरपोरेट केंद्र मुंबई के अध्यक्ष, मुख्य प्रबंध निदेशक और प्रबंध निदेशक (मानव संसाधन) सहित गृह मंत्रालय के राजभाषा विभाग, संसदीय राजभाषा समिति और वित्त मंत्रालय के वित्तीय सेवा विभाग को पत्र भेजकर मामले में हस्तक्षेप की मांग की है।

शिकायतकर्ता के अनुसार, एसबीआई की हिंदी वेबसाइट पर यह बताया गया है कि वेबसाइट की सामग्री का अनुवाद 'भाषिणी' नामक एआई प्रणाली के माध्यम से किया गया है। साथ ही, अस्पष्टता की स्थिति में अंग्रेजी सामग्री को मान्य मानने संबंधी अस्वीकरण भी दिया गया है। प्रवीण कुमार जैन ने इस व्यवस्था पर आपत्ति जताते हुए कहा कि किसी आधिकारिक बैंकिंग वेबसाइट की हिंदी सामग्री को स्वयं बैंक द्वारा ही संदिग्ध या गैर-प्रामाणिक मानना उचित नहीं है।

उन्होंने कहा कि एआई आधारित अनुवाद तकनीक का इस्तेमाल किया जा सकता है, लेकिन महत्वपूर्ण बैंकिंग सूचनाओं को सार्वजनिक करने से पहले उनका मानवीय सत्यापन और प्रूफरीडिंग आवश्यक है। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि पर्याप्त मानवीय जांच के बिना हिंदी सामग्री प्रकाशित होने से ग्राहकों के बीच भ्रम की स्थिति पैदा हो सकती है। उनका कहना है कि हिंदी में बैंकिंग सेवाओं की जानकारी प्राप्त करने वाले करोड़ों ग्राहकों के लिए वेबसाइट की सामग्री स्पष्ट और विश्वसनीय होना जरूरी है। यदि हिंदी संस्करण में किसी प्रकार की अस्पष्टता होने पर अंग्रेजी सामग्री को अंतिम माना जाता है, तो ऐसे ग्राहक प्रभावित हो सकते हैं जिन्हें अंग्रेजी भाषा का पर्याप्त ज्ञान नहीं है। शिकायतकर्ता ने इस व्यवस्था को राजभाषा अधिनियम, 1963 और राजभाषा नियम, 1976 की भावना के विपरीत बताया है। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र के प्रमुख बैंक की आधिकारिक हिंदी सामग्री ग्राहकों के लिए सहज, स्पष्ट और प्रामाणिक होनी चाहिए। हिंदी भाषी ग्राहकों को महत्वपूर्ण बैंकिंग जानकारी समझने के लिए अंग्रेजी संस्करण पर निर्भर रहने की स्थिति नहीं बननी चाहिए।

प्रवीण कुमार जैन ने अपनी शिकायत में तीन प्रमुख मांगें रखी हैं। इनमें एसबीआई की वेबसाइट पर उपलब्ध समस्त हिंदी सामग्री का तत्काल मानवीय सत्यापन कराना, उस अस्वीकरण को हटाना जिसमें अस्पष्टता की स्थिति में अंग्रेजी सामग्री को मान्य बताया गया है तथा पूर्व में संचालित प्रामाणिक हिंदी वेबसाइट व्यवस्था को बहाल करना शामिल है। उन्होंने कहा कि तकनीक प्रशासनिक कार्यों को सरल बनाने का माध्यम हो सकती है, लेकिन एआई आधारित अनुवाद के साथ मानवीय निगरानी और जवाबदेही भी जरूरी है।

देश में 'हर हाथ को काम' देने के लिए कार्य करें सरकारें : मायावती

एजेंसी, लखनऊ

बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने देश में बढ़ती बेरोजगारी और महंगाई पर चिंता जताते हुए केंद्र और राज्य सरकारों से जनहित में ठोस कदम उठाने की अपील की है। उन्होंने कहा कि सरकारों को मुनाफाखोरी और लाभ कमाने वाली व्यापारिक सोच से ऊपर उठकर संविधान की मानवतावादी एवं कल्याणकारी नीतियों को ईमानदारी से लागू करना चाहिए। उन्होंने 'हर हाथ को काम' देने को देश और समाज की अनेक समस्याओं का समाधान बताया।

मायावती ने बेरोजगारी, महंगाई पर सरकारों से मांगा ठोस समाधान।

मायावती ने सोमवार को सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि बसपा सरकार के दौरान उत्तर प्रदेश में पुलिस और पंचायती राज विभाग में करीब सवा दो लाख नए सरकारी पद सृजित किए गए थे। इसके अलावा सरकारी नौकरियों की भर्ती पर लगी रोक हटाकर विभिन्न वर्गों के लाखों लोगों को रोजगार दिया गया। उन्होंने कहा कि देश में महंगाई, गरीबी, बेरोजगारी, अशिक्षा, खराब स्वास्थ्य व्यवस्था, पिछड़ापन, पलायन, महिला असुरक्षा, पेपर लीक और भ्रष्टाचार जैसी समस्याएं लगातार बनी हुई हैं। केंद्र और राज्य सरकारों से इन मुद्दों के समाधान के लिए कई बार प्रभावी कदम उठाने की मांग की गई, लेकिन सरकारें उदासीन बनी हुई हैं। बसपा प्रमुख ने जंतर-मंतर पर बेरोजगार युवाओं के आंदोलन का उल्लेख करते हुए कहा कि सरकारों को गरीबों, श्रमिकों, युवाओं और महिलाओं की समस्याओं को गंभीरता से लेना चाहिए।

उन्होंने सभी सरकारी विभागों में रिक्त लाखों पदों पर पेपर लीक और भ्रष्टाचार से मुक्त समयबद्ध भर्ती शुरू करने की मांग की। मायावती ने कहा कि सरकारी नौकरी मिलने से लाखों परिवारों को सीधा लाभ होगा और अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति तथा अन्य पिछड़ा वर्ग के लोगों को भी अवसर मिलेंगे। उन्होंने संसद में जारी गतिरोध समाप्त कर बेरोजगार युवाओं के मुद्दों पर गंभीर चर्चा कराने की भी मांग की।

मीरजापुर में निकली तिरंगा यात्रा भारत माता के जयकारों से गूंजा शहर

एजेंसी, मीरजापुर

मीरजापुर में हर घर तिरंगा अभियान के तहत निकली भव्य यात्रा, हजारों लोग देशभक्ति में डूबे।

मां विंध्यवासिनी की नगरी मीरजापुर सोमवार को देशभक्ति के रंग में रंगी नजर आई। हर घर तिरंगा अभियान के तहत विंध्याचल से भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई, जिसमें हजारों लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। हाथों में तिरंगा लेकर लोगों ने भारत माता की जय और वंदे मातरम के नारे लगाए। ढोल-ताशों की गूंज से पूरा वातावरण देशभक्तिमय हो गया।

भाजपा जिलाध्यक्ष लाल बहादुर सरोज की अध्यक्षता में यात्रा की शुरुआत नगर विधायक रत्नाकर मिश्र के बावली चौराहा स्थित आवास से हुई। इसमें राज्यमंत्री सोहन लाल श्रीमाली, भाजपा महिला मोर्चा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य आयुषी श्रीमाली, नगर पालिका अध्यक्ष श्याम सुंदर केशरी सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और नागरिक शामिल हुए। यात्रा स्टेट बैंक चौराहा, पुरानी वीआईपी, मंदिर कॉरिडोर, सदर बाजार, बरतर तिराहा और बंगाली चौराहा होते हुए वापस कैंप कार्यालय पहुंची।

सावन सोमवार पर शिवभक्ति में डूबा मुरादाबाद, मंदिरों में उमड़ी भीड़

एजेंसी, मुरादाबाद। सावन मास के द्वितीय सोमवार पर मुरादाबाद जनपद के प्रमुख शिव मंदिरों में आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा। सुबह तड़के से ही जलाभिषेक के लिए कांवड़ियों और शिव भक्तों की लंबी कतारें लग गईं। मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्रों में बम-बम भोले तथा हर-हर महादेव के जयकारे गूंजते रहे। श्रद्धालुओं ने भगवान शिव का जलाभिषेक कर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। महानगर के किसरोल स्थित अति प्राचीन सिद्धपीठ 84 घंटा मंदिर और नागफनी स्थित झारखंडी शिव मंदिर में सुबह करीब चार बजे से ही जलाभिषेक शुरू हो गया। दोपहर तक बड़ी संख्या में कांवड़ियों ने मंदिर पहुंचकर भगवान शिव को गंगाजल अर्पित किया। इस दौरान काफी संख्या में डाक कांवड़ भी चढ़ाई गईं। श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए मंदिरों में विशेष व्यवस्थाएं की गईं। शिव भक्तों ने शिव परिवार पर जलाभिषेक के साथ बेलपत्र, धतूरा, फल, फूल, अक्षत, रोली, चंदन, धूप और मिष्ठान आदि पूजन सामग्री अर्पित की।

पीड़ितों की समस्याओं पर संवेदनशीलता से कार्रवाई करें अधिकारी : योगी आदित्यनाथ

एजेंसी, गोरखपुर

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में करीब 200 लोगों की समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को उनके त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण समाधान के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने फरियादियों से आत्मीयता से बातचीत करते हुए उन्हें भरोसा दिलाया कि किसी को परेशान होने या घबराने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि सभी की समस्याओं का समाधान कराया जाएगा।

गोरखनाथ मंदिर परिसर स्थित महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सामने आयोजित जनता दर्शन में मुख्यमंत्री स्वयं लोगों तक पहुंचे और एक-एक कर उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने लोगों से पूछा कि वे कहां से आए हैं और उनकी क्या समस्या है। फरियादियों द्वारा दिए गए प्रार्थना पत्रों को मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को सौंपते हुए निर्देश दिया कि प्रत्येक मामले का निस्तारण समयबद्ध, पारदर्शी, गुणवत्तापूर्ण और संतुष्टिप्रद तरीके से किया जाए।

जनता दर्शन में जमीन पर अवैध कब्जे से जुड़ी शिकायतें भी सामने आईं। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को ऐसे मामलों में कठोर कानूनी कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पीड़ित लोगों को न्याय दिलाने में किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं होनी चाहिए।

68,500 सहायक शिक्षक भर्ती अभ्यर्थियों ने मंत्री अनिल राजभर को सौंपा ज्ञापन

एजेंसी, लखनऊ

अनिल राजभर ने अभ्यर्थियों को मुख्यमंत्री से वार्ता कर सकारात्मक कार्रवाई का आश्वासन दिया, जल्द राहत की उम्मीद।

उत्तर प्रदेश में 68,500 सहायक शिक्षक भर्ती परीक्षा-2018 में शामिल अभ्यर्थियों के प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार को श्रम एवं सेवायोजन तथा समन्वय विभाग के मंत्री अनिल राजभर से उनके लखनऊ स्थित आवास पर मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। अभ्यर्थियों ने राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग की संस्तुति के आधार पर अन्य पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थियों को उत्तीर्णांक में पांच प्रतिशत की छूट देने की मांग की।

अभ्यर्थियों ने कहा कि पूर्णांक 150 में 60 अंक यानी 40 प्रतिशत उत्तीर्णांक निर्धारित करते हुए परिणाम संशोधित कर नई सूची जारी की जाए। प्रतिनिधिमंडल ने ज्ञापन के साथ राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग की रिपोर्ट भी मंत्री को सौंपी। मंत्री अनिल राजभर ने अभ्यर्थियों को आश्वासन दिया कि वह इस मामले में मुख्यमंत्री से वार्ता कर सकारात्मक कार्रवाई कराने का प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार दलितों और पिछड़ों के हितों के लिए प्रतिबद्ध है। अभ्यर्थी तूफान सिंह ने बताया कि आयोग ने ओबीसी अभ्यर्थियों को पांच प्रतिशत छूट देने और सफल अभ्यर्थियों को नियुक्ति देने की संस्तुति की है।

इसका लाभ दिव्यांग, पूर्व सैनिक और स्वतंत्रता संग्राम सेनानी आश्रितों समेत अन्य पात्र अभ्यर्थियों को भी मिल सकता है। प्रतिनिधिमंडल में आशुतोष वर्मा, अखिल यादव और नवीन चौधरी शामिल रहे। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि आयोग की संस्तुति लागू होने से लंबे समय से नियुक्ति की प्रतीक्षा कर रहे अभ्यर्थियों को राहत मिलेगी।

फतेहपुर में माइक्रो क्रेडिट कंपनी के एरिया मैनेजर की संदिग्ध हालात में मौत

एजेंसी, फतेहपुर। उत्तर प्रदेश के फतेहपुर जिले में सोमवार सुबह माइक्रो क्रेडिट कंपनी के एरिया मैनेजर की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। उनका शव असोथर कस्बे में स्थित कंपनी के कार्यालय परिसर में कमरे के अंदर बिस्तर पर पड़ा मिला। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस के अनुसार, असोथर थाना क्षेत्र के वार्ड नंबर 14 प्रताप नगर निवासी शिवभवन निषाद के मकान में माइक्रो क्रेडिट कंपनी का कार्यालय संचालित होता है। वाराणसी जिले के खुलसा, लोहता निवासी रमेश कुमार गुप्ता (47) इसी कार्यालय में रहते थे और कैशपार माइक्रो क्रेडिट प्राइवेट लिमिटेड कंपनी में एरिया मैनेजर के पद पर कार्यरत थे।

सहकर्मी नीरज मिश्रा ने बताया कि रमेश कुमार पिछले दो-तीन दिनों से बुखार से पीड़ित थे। उनका स्थानीय स्तर पर उपचार चल रहा था। रविवार को फील्ड से लौटने के बाद उन्होंने भोजन किया और अपने कमरे में सोने चले गए। सोमवार सुबह काफी देर तक कमरे से बाहर नहीं आने पर उन्हें मृत अवस्था में पाया गया। घटना की जानकारी मृतक के परिजनों को दे दी गई है। रमेश के परिवार में पत्नी, एक पुत्र और एक पुत्री हैं। उनकी पत्नी बच्चों के साथ वाराणसी स्थित घर में रहती हैं। थाना प्रभारी राजीव मिश्रा ने बताया कि पुलिस और फॉरेंसिक टीम ने मौके पर पहुंचकर साक्ष्य जुटाए हैं। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। प्रथम दृष्टया मामला संदिग्ध प्रतीत हो रहा है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और परिजनों की तहरीर के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने बताया कि जांच के दौरान सभी पहलुओं को ध्यान में रखा जा रहा है। घटनास्थल से मिले साक्ष्यों और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर मौत के वास्तविक कारणों का पता लगाया जाएगा तथा दोषी पाए जाने पर कार्रवाई की जाएगी।

कावड़ यात्रा के चलते दिल्ली- मेरठ एक्सप्रेसवे सहित विभिन्न जगहों पर लगा भीषण जाम

एजेंसी, गाजियाबाद

सावन के दूसरे सोमवार पर हरिद्वार से गंगाजल लेकर लौट रहे कांवड़ियों और डाक कांवड़ियों की भारी भीड़ के चलते गाजियाबाद में यातायात व्यवस्था प्रभावित रही। सुबह से ही प्रमुख मार्गों पर वाहन धीमी गति से चलते नजर आए। दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे पर गाजियाबाद से नोएडा जाने वाले मार्ग पर कांवड़ियों की आवाजाही के कारण कई किलोमीटर तक वाहनों की कतार लग गई।

लालकुआं से जीटी रोड की ओर आने वाले हल्के वाहनों को यातायात पुलिस ने रोक दिया। वहीं मेरठ तिराहे से कांवड़ियों को छोड़कर अन्य वाहनों की आवाजाही पर प्रतिबंध लगाया गया। केला भट्टा स्थित दूधेश्वर मंदिर में कांवड़ियों के साथ श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ने से मेरठ तिराहा, नया बस अड्डा, फ्लाईओवर और जीटी रोड पर जाम की स्थिति बन गई। मेरठ-गाजियाबाद मार्ग के अधिकांश कटों पर बैरिकेडिंग कर वाहनों को रोक दिया गया है। मुरादनगर नहर के आसपास भी कांवड़ियों की भीड़ के कारण यातायात प्रभावित हुआ। एडीसीपी यातायात वरुण कुमार सिंह ने बताया कि रविवार रात जिले के आसपास ठहरे कांवड़िए सोमवार को दूधेश्वर मंदिर की ओर बढ़े। कुछ स्थानों से जाम की शिकायत मिली है, जिसके बाद अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है।

दिल्ली से डीएमई के रास्ते मेरठ जाने वाले वाहनों को नहीं रोका गया, जबकि डासना कट से वाहनों को निकाला जा रहा है। मेरठ के काशी टोल पर वाहनों को रोका गया है। 11 अगस्त को शिवालयों में गंगाजल चढ़ाया जाएगा। कांवड़ मार्गों पर सेवा शिविर लगाकर शिवभक्तों के लिए भोजन, पानी, शरबत और विश्राम की व्यवस्था की गई है।

निशाना — मौर्य का दावा- दोहरी राजनीति जारी रही तो 2047 तक सत्ता के आसपास भी नहीं होगी कांग्रेस

झारखंड छात्रों के बीच कब जाएंगे राहुल गांधी : केशव प्रसाद मौर्य

एजेंसी, लखनऊ

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता एवं उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि यदि उनकी लड़ाई वास्तव में छात्रों के भविष्य और पारदर्शी परीक्षाओं के लिए है तो उन्हें झारखंड जाकर आंदोलन कर रहे अभ्यर्थियों की पीड़ा सुननी चाहिए। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी को अपनी गठबंधन सरकार से जवाब मांगने की हिम्मत दिखानी चाहिए। केवल भाजपा शासित राज्यों में सक्रियता और गठबंधन सरकारों के मामलों में चुप्पी स्वीकार नहीं की जा सकती।

उप मुख्यमंत्री ने सोमवार को सोशल मीडिया पर पोस्ट कर कहा कि प्रयागराज जाने वाले राहुल गांधी झारखंड के छात्रों के बीच जाकर अपना आईना कब देखेंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि झारखंड में जेपीएससी और जेएसएससी परीक्षाओं में कथित धांधली, पेपर लीक, भर्ती प्रक्रिया में अनियमितताओं और आमरण अनशन कर रहे युवाओं के मुद्दे पर राहुल गांधी की चुप्पी उनकी सुविधावादी राजनीति को उजागर करती है। केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि यदि कांग्रेस नेता छात्र हित और पारदर्शी परीक्षा व्यवस्था को लेकर गंभीर हैं तो उन्हें झारखंड में आंदोलन कर रहे अभ्यर्थियों के बीच जाना चाहिए और वहां की सरकार से सवाल करना चाहिए। उन्होंने कहा कि देश के युवा अब राजनीतिक पर्यटन से भ्रमित होने वाले नहीं हैं।

भाजपा नेता ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी और कांग्रेस का यह दोहरा रवैया उनकी राजनीतिक सोच को स्पष्ट करता है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस के पास देश को नैतिकता का पाठ पढ़ाने का कोई नैतिक आधार नहीं है। इसके बावजूद राहुल गांधी भाजपा और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को छात्र हित और नैतिकता की सीख देने का प्रयास करते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल गांधी प्रधानमंत्री मोदी को बदनाम कर राजनीतिक लाभ हासिल करना चाहते हैं, लेकिन इस तरह के प्रयासों से कांग्रेस का दोहरा चरित्र ही सामने आता है।

मौर्य ने कांग्रेस पर परिवारवाद को लेकर भी हमला बोला। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अब जनहित की पार्टी न रहकर परिवारवादी राजनीतिक प्रतिष्ठान तक सीमित हो गई है। उनके अनुसार, कांग्रेस नेतृत्व देश के युवाओं, किसानों, महिलाओं और गरीबों की वास्तविक समस्याओं से दूर होकर केवल सत्ता हासिल करने के लिए राजनीतिक गतिविधियां कर रहा है। उन्होंने कहा कि जनता का विश्वास केवल आरोप-प्रत्यारोप और राजनीतिक प्रदर्शन से हासिल नहीं किया जा सकता।

कांग्रेस को पहले अपने शासन वाले राज्यों और गठबंधन सरकारों में युवाओं से जुड़े मुद्दों पर जवाब देना चाहिए। उन्होंने दावा किया कि यदि कांग्रेस की अवसरवादी और दोहरी राजनीति जारी रही तो वर्ष 2047 तक सत्ता हासिल करना तो दूर, पार्टी सत्ता के आसपास भी दिखाई नहीं देगी। भाजपा की भूमिका पर मौर्य ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा राष्ट्रसेवा, सुशासन और विकसित भारत के निर्माण के लिए समर्पित है। उन्होंने कहा कि भाजपा को नैतिकता का पाठ पढ़ाने से पहले कांग्रेस नेताओं को अपनी पार्टी और गठबंधन वाली सरकारों के कामकाज का आकलन करना चाहिए।

बिहार के युवक की वाराणसी में गंगा नदी में डूबने से मौत, गोताखोरों ने निकाला शव

एजेंसी, वाराणसी

गंगा स्नान के दौरान गहरे पानी में डूबा युवक, गोताखोरों ने बरामद किया शव।

चचेरे भाई के साथ गंगा स्नान करने पहुंचे युवक की डूबने से मौत।

वाराणसी के चौक थाना क्षेत्र स्थित भोसले घाट पर सोमवार को गंगा स्नान के दौरान बिहार के बक्सर निवासी 24 वर्षीय युवक की डूबने से मौत हो गई। युवक अपने चचेरे भाई के साथ वाराणसी दर्शन-पूजन के लिए आया था। हादसे के बाद घाट पर मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही पुलिस और जल पुलिस की टीम मौके पर पहुंची तथा गोताखोरों की मदद से युवक की तलाश शुरू की गई।

पुलिस के अनुसार बक्सर जिले के राजपुर निवासी कुश कुमार अपने चचेरे भाई बैकुंठनाथ (18) के साथ भोसले घाट पर गंगा स्नान कर रहे थे। इसी दौरान अचानक कुश कुमार का पैर फिसल गया और वह गहरे पानी में चला गया। साथ मौजूद लोगों ने उसे डूबता देखकर शोर मचाया। घटना की जानकारी मिलते ही घाट पर मौजूद गोताखोरों ने तत्काल गंगा में छलांग लगाकर युवक की तलाश शुरू कर दी। चौक थाने के उपनिरीक्षक हिमांशु मिश्रा ने बताया कि हादसे की सूचना मिलने के बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची।

जल पुलिस और गोताखोरों ने काफी प्रयास किया। काफी देर तक तलाश अभियान चलाने के बाद कुश कुमार का शव गहरे पानी से बरामद कर लिया गया। शव मिलने के बाद पुलिस ने घटना की जानकारी युवक के परिजनों को दी। हादसे की सूचना मिलते ही परिवार में मातम छा गया। परिजन घटना की जानकारी मिलने के बाद वाराणसी के लिए रवाना हुए। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है। हादसे के कारणों की भी जानकारी जुटाई जा रही है। स्थानीय लोगों के अनुसार गंगा में जलस्तर और गहराई को देखते हुए स्नान के दौरान विशेष सावधानी बरतने की आवश्यकता है।

पुलिस की ओर से भी घाट पर आने वाले श्रद्धालुओं से गहरे पानी में जाने से बचने की अपील की जाती रही है। पुलिस ने बताया कि मामले में आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी की जा रही है। हादसे की सूचना के बाद घाट पर सुरक्षा व्यवस्था भी बढ़ाई गई। अधिकारियों ने श्रद्धालुओं से अपील की कि गंगा स्नान के दौरान निर्धारित सुरक्षित स्थानों पर ही रहें और गहरे पानी में जाने से बचें।

हर 20 किलोमीटर पर खुलेगा राजकीय कॉलेज हर जिले में बनेगा मॉडल संस्कृति महाविद्यालय

सुपर-100 में अब 500 होनहार विद्यार्थी होंगे शामिल, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी को मिलेगा बढ़ावा

भारतेन्दु संवाददाता, हिसार

हरियाणा सरकार ने प्रदेश में उच्च शिक्षा को अधिक सुलभ बनाने और विद्यार्थियों, विशेषकर बेटियों की पढ़ाई जारी रखने के लिए कई महत्वपूर्ण घोषणाएं की हैं। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रदेश में हर 20 किलोमीटर की दूरी पर एक राजकीय कॉलेज खोलने की दिशा में काम किया जाएगा। इसके साथ ही प्रत्येक जिले में अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस मॉडल संस्कृति महाविद्यालय तैयार किया जाएगा।

सरकार का उद्देश्य है कि स्कूल की पढ़ाई पूरी करने के बाद बेटियों को उच्च शिक्षा के लिए दूर न जाना पड़े और आर्थिक या भौगोलिक कारणों से उनकी पढ़ाई बीच में न छूटे। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी रविवार को उद्योगपति ओपी जिंदल के 96वें जन्मदिवस के अवसर पर ओपी जिंदल मॉडल स्कूल में

आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे।

इस दौरान उन्होंने नवनिर्मित भवन का उद्घाटन किया और शिक्षा के क्षेत्र में सरकार की योजनाओं तथा भविष्य की प्राथमिकताओं की जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के युवाओं को गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए संस्थानों की पहुंच बढ़ाना जरूरी है। इसी उद्देश्य से हर 20 किलोमीटर के दायरे में राजकीय कॉलेज उपलब्ध कराने की योजना पर काम किया जा रहा है।

उन्होंने विशेष रूप से बेटियों की शिक्षा पर जोर देते हुए कहा कि कॉलेज दूर होने के कारण किसी भी छात्रा को अपनी पढ़ाई छोड़ने की स्थिति में नहीं आना चाहिए। उन्होंने बताया कि प्रत्येक जिले में मॉडल संस्कृति महाविद्यालय भी तैयार किए जाएंगे। इन महाविद्यालयों में विद्यार्थियों को आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ शिक्षा के बेहतर वातावरण पर ध्यान दिया जाएगा। सरकार की कोशिश है कि विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिए दूसरे शहरों पर निर्भर न रहना पड़े।

सुपर-100 में बढ़ेगी सीटें

मुख्यमंत्री ने प्रदेश की सुपर-100 योजना को लेकर भी महत्वपूर्ण घोषणा की। उन्होंने कहा कि अब इस योजना के तहत 500 होनहार विद्यार्थियों का चयन किया जाएगा। पहले सुपर-100 योजना में 400 विद्यार्थियों का चयन किया जाता था। चयनित विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक अवसर उपलब्ध कराने और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए जरूरी सहयोग दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को आगे बढ़ने के लिए बेहतर मंच उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है।

नशा तस्करी के मुद्दे पर भिड़े चौटाला परिवार के नेता, अभय ने एसपी को दिया अल्टीमेटम

भारतेन्दु संवाददाता, सिरसा

हरियाणा के सिरसा जिले में चिट्टा तस्करी के बढ़ते मामलों को लेकर चौटाला परिवार के नेताओं के बीच सियासी बयानबाजी तेज हो गई है। इनेलो सुप्रीमो अभय सिंह चौटाला ने डबवाली क्षेत्र में नशा तस्करी पर चिंता जताते हुए पुलिस प्रशासन को कार्रवाई के लिए सात दिन का अल्टीमेटम दिया। इसके बाद जजपा नेता दिग्विजय चौटाला ने सोशल मीडिया के माध्यम से अभय चौटाला पर तंज कसा।

अभय चौटाला ने नशे के बढ़ते कारोबार को लेकर पुलिस प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में चिट्टा तस्करी पर प्रभावी रोक लगनी चाहिए और नशे के कारोबार में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। उन्होंने डबवाली के पुलिस अधीक्षक को सात दिन का समय देते हुए नशा तस्करी रोकने की मांग की। अभय के इस बयान के बाद दिग्विजय चौटाला ने सोशल मीडिया पर प्रतिक्रिया देते हुए उन पर निशाना साधा। दिग्विजय ने तंज कसते हुए कहा, 'चश्मा जी, खुद के घर शीशे के हों...' उनके इस बयान को अभय चौटाला की ओर सीधा राजनीतिक इशारा माना जा रहा है। चौटाला परिवार के दोनों नेताओं के बीच हुई यह बयानबाजी ऐसे समय में सामने आई है, जब सिरसा और डबवाली क्षेत्र में नशे के बढ़ते मामलों को लेकर लगातार चिंता जताई जा रही है।

नशे की तस्करी और युवाओं में बढ़ती इसकी पहुंच राजनीतिक दलों के लिए भी बड़ा मुद्दा बनी हुई है। अभय चौटाला के अल्टीमेटम और दिग्विजय के पलटवार के बाद मामला राजनीतिक चर्चा का विषय बन गया है। अब देखना होगा कि पुलिस प्रशासन नशा तस्करी के खिलाफ क्या कार्रवाई करता है और दोनों नेताओं के बीच यह सियासी तकरार आगे किस रूप में सामने आती है। आगे पुलिस कार्रवाई और राजनीतिक बयानबाजी पर सभी की नजर रहेगी। क्षेत्र में नशा तस्करी पर प्रभावी अंकुश लगाने की मांग के बीच प्रशासन के सामने बड़ी चुनौती खड़ी हो गई है।

न्यूज ब्रीफ

कांवड़ लाने निकले युवक की संदिग्ध मौत से सनसनी, बाथरूम में पड़ा मिला शव

भारतेन्दु संवाददाता, पानीपत। हरियाणा के पानीपत जिले के मांडी गांव से हरिद्वार कांवड़ लेने निकले 33 वर्षीय युवक सुरेंद्र की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। उसका शव एक दुकान के बाथरूम में पड़ा मिला। शव मिलने के बाद क्षेत्र में सनसनी फैल गई। बताया जा रहा है कि सुरेंद्र दो दिन पहले घर से हरिद्वार जाने के लिए निकला था। वह भगवान शिव के लिए गंगाजल लेकर लौटने वाला था। परिजनों ने उसे खुशी-खुशी कांवड़ यात्रा के लिए रवाना किया था। दो दिन बाद बाथरूम से बदबू आने पर आसपास के लोगों को वहां शव पड़े होने की जानकारी मिली। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। शव को पोस्टमार्टम के लिए पानीपत के सिविल अस्पताल भेज दिया गया है। पुलिस मौत के कारणों का पता लगाने में जुटी है।

कुरुक्षेत्र में 3.15 करोड़ की लूट के बाद रोष मार्च स्थगित, पुलिस कार्रवाई से संतुष्ट परिवार

भारतेन्दु संवाददाता, कुरुक्षेत्र। सेक्टर-7 में अधिवक्ता बलवंत सिंह वालिया के घर 6 अगस्त की रात हुई करीब 3.15 करोड़ रुपये की लूट के मामले में परिवार ने प्रस्तावित रोष मार्च स्थगित कर दिया है। परिवार का कहना है कि पुलिस ने मामले में कार्रवाई शुरू कर दी है, इसलिए फिलहाल मार्च नहीं निकाला जाएगा। परिवार के अनुसार, लूट की घटना के बाद मामले को लेकर पुलिस प्रशासन से लगातार संपर्क किया गया। सोमवार को परिवार के सदस्य मुख्यमंत्री आवास भी पहुंचे थे और मामले में जल्द कार्रवाई की मांग की थी। इसके बाद पुलिस की ओर से की गई कार्रवाई को देखते हुए परिवार ने अपना विरोध प्रदर्शन स्थगित करने का निर्णय लिया। परिवार ने कहा कि अब पुलिस से मामले की आगामी कार्रवाई और जांच की प्रगति की जानकारी मिलने का इंतजार है। पुलिस आरोपियों की तलाश और वारदात से जुड़े साक्ष्यों की जांच में जुटी है।

कैथल में कांवड़ियों से भरी पिकअप पेड़ से टकराई, छह घायल; तीन अस्पताल में भर्ती

भारतेन्दु संवाददाता, कैथल। कैथल जिले के ढांड क्षेत्र के पास सोमवार को डाक कांवड़ियों से भरी पिकअप सड़क हादसे का शिकार हो गई। हादसे में छह कांवड़िए घायल हो गए, जबकि तीन को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सभी शिवभक्त हरिद्वार से कांवड़ लेकर सिरसा की ओर जा रहे थे। जानकारी के अनुसार, पिकअप जैसे ही ढांड क्षेत्र के पास पहुंची, तभी सामने से एक वाहन आ गया। उसे बचाने के प्रयास में चालक का नियंत्रण बिगड़ गया और पिकअप सड़क किनारे पेड़ से जा टकराई। टक्कर के बाद वाहन में सवार कांवड़ियों में चीख-पुकार मच गई। हादसे की सूचना मिलते ही आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और घायलों को बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया। चिकित्सकों ने तीन कांवड़ियों को भर्ती कर उपचार शुरू किया, जबकि अन्य घायलों को प्राथमिक उपचार दिया गया। सूचना मिलने पर पुलिस भी मौके पर पहुंची और हादसे के कारणों की जांच शुरू की। पुलिस आसपास के लोगों से जानकारी जुटा रही है। हादसे के बाद कांवड़ियों की यात्रा कुछ समय के लिए प्रभावित हुई।

गुरुग्राम में मानेसर निगम की बैठक टली पार्षद कंवरपाल चौहान के भतीजे का निधन

भारतेन्दु संवाददाता, गुरुग्राम। मानेसर नगर निगम सदन की सोमवार को होने वाली हाउस मीटिंग पार्षद कंवरपाल चौहान के भतीजे के अचानक निधन के कारण स्थगित कर दी गई। बैठक आईएमटी सेक्टर-8 स्थित नगर निगम कार्यालय के मुख्य सभागार में होनी थी। इसकी अध्यक्षता मेयर डॉ. इंद्रजीत कौर यादव को करनी थी। बैठक में मानेसर क्षेत्र के गांवों और सेक्टरों से जुड़े विकास कार्यों, बुनियादी सुविधाओं, सफाई व्यवस्था, आगामी बजट और मानसून से उत्पन्न समस्याओं पर चर्चा होनी थी। कई करोड़ रुपये के विकास प्रस्ताव भी एजेंडे में शामिल थे। पिछली बैठक में मेयर और सीनियर डिप्टी मेयर समर्थक पार्षदों के बीच विवाद और हंगामा हुआ था। इसी कारण इस बार सुरक्षा व्यवस्था के लिए पुलिस भी बुलाई गई थी।

संस्कार, भक्ति और देशसेवा का संगम तीन पीढ़ियों ने हरिद्वार से उठाई गोद कांवड़

भारतेन्दु संवाददाता, झज्जर

सावन के पवित्र माह में हर ओर भगवान शिव के जयकारे गूंज रहे हैं। इसी बीच झज्जर के दिल्ली गेट निवासी एक परिवार ने भक्ति, संस्कार और राष्ट्रसेवा की भावना का अनूठा उदाहरण पेश किया है। परिवार की तीन पीढ़ियां एक साथ हरिद्वार से गोद कांवड़ लेकर अपने गंतव्य की ओर रवाना हुईं। इस अनोखी यात्रा में दादी, उनके बेटे और नन्हे पोते शामिल हैं।

यह शिवभक्त परिवार एक अगस्त को हरिद्वार से गोद कांवड़ लेकर चला था। कड़े नियमों और पूरी श्रद्धा के साथ यात्रा करते हुए परिवार सोमवार को रामपुरा जौंधी स्थित कांवड़ सेवा शिविर पहुंचा। यहां श्रद्धालुओं और सेवादारों ने तीन पीढ़ियों वाले इस कांवड़िए दल का उत्साह के साथ स्वागत किया। परिवार की यात्रा में चार बच्चे विशेष आकर्षण का केंद्र बने हुए

महादेव की भक्ति में एकजुट हुआ परिवार, बच्चों ने भी पूरे उत्साह से निभाई कांवड़ यात्रा

हैं। इनमें 12 वर्षीय पीयूष सनसानवाल, धर्मेंद्र के बेटे वासु तथा उनके दो भतीजे कुंज और प्रियांशु शामिल हैं।

कम उम्र में लंबी पैदल यात्रा करने के बावजूद बच्चों में थकान के बजाय महादेव के प्रति आस्था और उत्साह नजर आया। परिवार के सदस्यों का कहना है कि बच्चों को धार्मिक और सांस्कृतिक परंपराओं से जोड़ने के साथ उनमें अनुशासन और सेवा की भावना विकसित करना भी जरूरी है।

दुष्यंत चौटाला से मुलाकात के अगले दिन कांग्रेस जिलाध्यक्ष का इस्तीफा

भारतेन्दु संवाददाता, हिसार। हिसार कांग्रेस के शहरी जिलाध्यक्ष बजरंग दास गर्ग ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने अपना इस्तीफा प्रदेश कांग्रेस प्रभारी संजय दत्त को भेजा है। इस्तीफे में गर्ग ने निजी कारणों का हवाला देते हुए कहा कि वह सामाजिक कार्यों में अधिक व्यस्त रहते हैं और पार्टी के काम को सक्रिय रूप से समय नहीं दे पाएंगे। हालांकि, पार्टी सूत्र इस्तीफे के पीछे संगठन से नाराजगी को प्रमुख कारण बता रहे हैं। बताया जा रहा है कि शहरी जिलाध्यक्ष बनाए जाने के बाद से ही गर्ग संगठन के कुछ फैसलों को लेकर असंतुष्ट थे और पहले भी पद छोड़ने की इच्छा जता चुके थे। इस्तीफे से एक दिन पहले गर्ग ने पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला से मुलाकात की थी। इसके बाद सियासी चर्चाएं तेज हो गई हैं। कांग्रेस के ग्रामीण जिलाध्यक्ष बृजलाल बहबलपुरिया ने कहा कि उन्हें इस्तीफे की जानकारी नहीं है और इस पर पार्टी हाईकमान फैसला करेगा।

पंजोखरा बवाल में सिख संगत का थाने पर घेराव, हिरासत में लिए दोनों लोग रिहा

भारतेन्दु संवाददाता, अंबाला

ऐतिहासिक गुरुद्वारा पंजोखरा साहिब के बाहर हुए बवाल के मामले में पुलिस की कार्रवाई को लेकर रविवार को सिख संगत में रोष फैल गया। जांच के दौरान कलरेहड़ी गांव के दो व्यक्तियों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिए जाने के विरोध में संगत ने पंजोखरा थाने का करीब साढ़े चार घंटे घेराव किया। बाद में पुलिस ने दोनों व्यक्तियों को रिहा कर दिया।

शुक्रवार को गुरुद्वारा पंजोखरा साहिब के बाहर हुए विवाद में गुरसिमरन सिंह मंड और उनके बेटे समेत कई लोग घायल हुए थे। इसके बाद शनिवार रात पुलिस ने मंड की शिकायत के आधार पर अज्ञात लोगों के खिलाफ हत्या के प्रयास सहित विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया था। पुलिस ने मामले की जांच शुरू करते हुए रविवार तड़के कलरेहड़ी गांव के दो लोगों को

पूछताछ के लिए हिरासत में लिया।

दो लोगों की हिरासत की सूचना मिलते ही सिख संगत में नाराजगी फैल गई। बड़ी संख्या में लोग पंजोखरा थाने के बाहर एकत्रित हो गए और पुलिस कार्रवाई का विरोध शुरू कर दिया। इससे पहले गुरुद्वारा साहिब में बैठक कर घटना को लेकर रोष जताया गया। बैठक में हरियाणा सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष जगदीश सिंह झींडा, रुपिंद्र सिंह, गुरतेज सिंह, टीपी सिंह, भारतीय किसान यूनियन के प्रदेशाध्यक्ष गुरनाम सिंह चढ़ूनी सहित कई सिख पदाधिकारी मौजूद रहे। संगत ने पुलिस से दोनों व्यक्तियों को तत्काल रिहा करने के साथ ही पंजोखरा थाना प्रभारी को निलंबित करने की मांग की।

प्रदर्शनकारियों का आरोप था कि गुरुद्वारा परिसर के बाहर हुई घटना के दौरान सुरक्षा व्यवस्था में लापरवाही बरती गई। सुबह करीब 10 बजे शुरू हुआ थाने का घेराव दोपहर लगभग ढाई बजे तक चला। इस दौरान संगत ने पुलिस से निष्पक्ष जांच की मांग की और कहा कि बिना पर्याप्त साक्ष्य किसी व्यक्ति को हिरासत में नहीं लिया जाना चाहिए।

खेलों पर सरकार के दावों को लेकर सवाल पत्रकारों के बीच से उठीं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष

भारतेन्दु संवाददाता, भिवानी

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता सोमवार को भिवानी में आयोजित पत्रकार वार्ता के दौरान खेलों और खेल सुविधाओं से जुड़े सवालों का सामना करते हुए प्रेस कॉन्फ्रेंस बीच में छोड़कर चली गईं। पत्रकारों ने हरियाणा में अगले राष्ट्रमंडल खेलों के आयोजन नहीं होने और प्रदेश के खेल ढांचे को लेकर सवाल किए थे। इस दौरान उन्होंने सरकार की उपलब्धियां गिनाते हुए कांग्रेस पर भी निशाना साधा।

कॉमनवेल्थ खेलों की मेजबानी और खेल ढांचे पर सवालों से भाजपा प्रदेश अध्यक्ष घिरीं।

डॉ. अर्चना गुप्ता अपने अभिनंदन समारोह में पहुंचने से पहले पत्रकारों से बातचीत कर रही थीं। उन्होंने प्रदेश सरकार की विभिन्न उपलब्धियों का उल्लेख किया और कांग्रेस शासन तथा उसकी नीतियों को हरियाणा के विकास में पिछड़ने के लिए जिम्मेदार बताया। पत्रकार वार्ता के दौरान जब उनसे हरियाणा में खेलों और खिलाड़ियों के लिए उपलब्ध सुविधाओं को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार खेलों और खिलाड़ियों के लिए लगातार काम कर रही है। उन्होंने कहा कि हरियाणा के खिलाड़ी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश तथा देश का नाम रोशन कर रहे हैं।

इसके बाद पत्रकारों ने प्रदेश में खेलों के लिए उपलब्ध आधारभूत ढांचे और आगामी राष्ट्रमंडल खेलों से जुड़े सवाल उठाए। पत्रकारों की ओर से यह जानने का प्रयास किया गया कि खेलों के क्षेत्र में हरियाणा की मजबूत पहचान होने के बावजूद प्रदेश को अगले राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी क्यों नहीं मिली और इसके लिए सरकार की क्या तैयारी है। खेल सुविधाओं से जुड़े सवाल लगातार उठाए जाने के बीच डॉ. अर्चना गुप्ता पत्रकार वार्ता से उठकर चली गईं। इससे पत्रकार वार्ता का माहौल बदल गया और सवालों के जवाब को लेकर चर्चा शुरू हो गई। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने इससे पहले सरकार की ओर से खेलों के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रदेश के खिलाड़ियों को प्रोत्साहन देने के लिए कई कदम उठाए गए हैं।

उन्होंने खिलाड़ियों की उपलब्धियों को सरकार की नीतियों का परिणाम बताया। वहीं, पत्रकारों ने खेल सुविधाओं के विस्तार, मैदानों की स्थिति और बड़े खेल आयोजनों की मेजबानी जैसे मुद्दों पर स्पष्ट जवाब जानने का प्रयास किया। हालांकि पत्रकार वार्ता बीच में समाप्त होने के कारण इन सवालों पर विस्तृत जवाब सामने नहीं आ सका।

सिरसा में किसान-मजदूर संगठनों का धरना भारत-अमेरिका ट्रेड डील वापस लेने की मांग

भारतेन्दु संवाददाता, सिरसा

भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के विरोध में संयुक्त किसान मोर्चा और केंद्रीय ट्रेड यूनियनों के संयुक्त आह्वान पर सोमवार को सिरसा में किसान-मजदूर संगठनों ने जेल भरो आंदोलन शुरू किया। आंदोलन को लेकर विभिन्न संगठनों के कार्यकर्ता और किसान शहीद भगत सिंह स्टेडियम में एकत्रित हुए। संगठनों ने स्टेडियम में पड़ाव डालकर सरकार की नीतियों के खिलाफ विरोध जताया।

आंदोलनकारियों का कहना है कि प्रस्तावित भारत-अमेरिका ट्रेड डील का सीधा असर किसानों, मजदूरों और कृषि क्षेत्र पर पड़ सकता है। उनका आरोप है कि व्यापार समझौतों के कारण कृषि उत्पादों और किसानों से जुड़े हितों पर दबाव बढ़ सकता है। इसी को लेकर किसान संगठनों ने केंद्र सरकार से समझौते पर पुनर्विचार करने की मांग की है। प्रदर्शन के दौरान किसानों ने कृषि लागत बढ़ने का मुद्दा भी उठाया। उनका कहना है कि खेती में इस्तेमाल होने वाली जरूरी वस्तुओं के दाम लगातार बढ़ रहे हैं।

किसानों ने विशेष रूप से यूरिया की कीमतों को लेकर नाराजगी जताई। उनका आरोप है कि उन्हें महंगे दामों पर यूरिया खरीदना पड़ रहा है, जिससे खेती की लागत बढ़ रही है और किसानों की आर्थिक परेशानी बढ़ रही है।

किसान-मजदूर संगठनों ने कहा कि उनकी मांगों पर गंभीरता से विचार नहीं किया गया तो आंदोलन को और व्यापक किया जाएगा। प्रदर्शनकारियों ने केंद्र सरकार की कृषि और श्रम नीतियों के खिलाफ नारेबाजी करते हुए अपनी मांगें उठाईं। आंदोलन के दौरान विभिन्न किसान और मजदूर संगठनों के पदाधिकारी मौजूद रहे। संगठनों ने कहा कि किसानों और मजदूरों के हितों से जुड़े मुद्दों को लेकर उनका संघर्ष आगे भी जारी रहेगा। सिरसा में आंदोलन को देखते हुए प्रशासन की ओर से सुरक्षा व्यवस्था भी की गई है।

गुरुग्राम में अवैध निर्माण पर चला बुलडोजर आठ जोन में शुरू हुआ ध्वस्तीकरण अभियान

भारतेन्दु संवाददाता, गुरुग्राम

नगर निगम गुरुग्राम ने शहर में अवैध निर्माण और अतिक्रमण के खिलाफ सोमवार को बड़े स्तर पर अभियान शुरू किया। नगर निगम की ओर से शहर के सभी आठ जोन में एक साथ कार्रवाई की गई। संबंधित जोन के संयुक्त आयुक्तों के नेतृत्व में निगम की अलग-अलग टीमें मैदान में उतरीं और नियमों का उल्लंघन कर किए गए निर्माण तथा अतिक्रमण को हटाने की कार्रवाई शुरू की।

नगर निगम की टीमों ने सदर बाजार, कृष्णा कॉलोनी, आयुध डिपो प्रतिबंधित क्षेत्र, डीपीजी कॉलोनी सेक्टर-34 और रेयान एन्क्लेव भोंडसी समेत कई क्षेत्रों में कार्रवाई की। अभियान के दौरान अवैध निर्माण की पहचान कर उन्हें हटाने की प्रक्रिया अपनाई गई। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि जिन स्थानों पर निर्माण कार्य नियमों के विपरीत पाया जाएगा, वहां नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

रेयान एन्क्लेव में ध्वस्तीकरण अभियान

रेयान एन्क्लेव भोंडसी में अवैध निर्माण के खिलाफ ध्वस्तीकरण अभियान।

रेयान एन्क्लेव, भोंडसी में अवैध निर्माण के खिलाफ नगर निगम का ध्वस्तीकरण अभियान लगातार जारी है। संयुक्त आयुक्त रविंद्र मलिक के नेतृत्व में सहायक अभियंता आशीष हुड्डा और निगम की टीम ने मौके पर पहुंचकर कार्रवाई की। टीम ने क्षेत्र में अवैध निर्माण की स्थिति का निरीक्षण किया और नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की। अधिकारियों के मुताबिक क्षेत्र में लगातार निगरानी रखी जा रही है, ताकि कार्रवाई के बाद दोबारा अवैध निर्माण न किया जा सके। निगम की टीमें निर्माण गतिविधियों पर नजर बनाए हुए हैं। नगर निगम अधिकारियों ने कहा कि शहर में अवैध निर्माण और अतिक्रमण के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा।

सभी आठ जोन में संबंधित अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में अवैध निर्माण की पहचान करने और नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। निगम की इस कार्रवाई से अवैध निर्माण करने वालों में हड़कंप की स्थिति है। अधिकारियों का कहना है कि सार्वजनिक भूमि, प्रतिबंधित क्षेत्रों और नियमों का उल्लंघन कर किए गए निर्माण को किसी भी स्थिति में बढ़ावा नहीं दिया जाएगा।

मतदाता सूची से 16 प्रतिशत से ज्यादा वोट गायब, गोगी ने सरकार पर साधा निशाना

गोगी ने कहा- नाम और पिता के नाम में मामूली अंतर को बनाया जा रहा नोटिस का आधार

भारतेन्दु संवाददाता, असंध

कांग्रेस नेता एवं असंध के पूर्व विधायक शमशेर सिंह गोगी ने हरियाणा में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया को लेकर सरकार पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि एसआईआर के पहले चरण के बाद जारी की गई प्रारूप मतदाता सूची में बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम और वोट गायब हैं। गोगी के अनुसार पूरे हरियाणा में करीब 16.38 प्रतिशत वोट सूची से गायब बताए जा रहे हैं। उन्होंने सरकार और निर्वाचन तंत्र से इस मामले में स्थिति स्पष्ट करने की मांग की है।

गोगी ने कहा कि एसआईआर का पहला चरण पूरा हो चुका है और 31 जुलाई की रात प्रारूप मतदाता सूची जारी की गई। इसके बाद मतदाता सूचियों की जांच के दौरान कई तरह की कमियां और विसंगतियां सामने आने की बात कही जा रही है। उनका आरोप है कि जिन लोगों के नाम मतदाता सूची में पहले से दर्ज थे, उनमें से भी कई मतदाताओं के नाम अब सूची में दिखाई नहीं दे रहे हैं। इससे आम नागरिकों में असमंजस और चिंता की स्थिति पैदा हो रही है। पूर्व विधायक ने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था

में मतदान का अधिकार प्रत्येक पात्र नागरिक का संवैधानिक अधिकार है। ऐसे में मतदाता सूची के पुनरीक्षण के नाम पर यदि बड़ी संख्या में लोगों के नाम सूची से हट जाते हैं तो यह गंभीर विषय है।

उन्होंने कहा कि सरकार और संबंधित अधिकारियों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि वास्तविक मतदाता किसी भी स्थिति में अपने मताधिकार से वंचित न हों। गोगी ने एसआईआर प्रक्रिया के दौरान मतदाताओं को जारी किए जा रहे नोटिसों पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि कई मामलों में ऐसी छोटी-छोटी त्रुटियों को आधार बनाया जा रहा है, जिनका व्यक्ति के वास्तविक मतदाता होने से कोई संबंध नहीं है। उनके मुताबिक यदि किसी मतदाता ने फार्म भरते समय हिंदी नाम को अंग्रेजी में लिखने में मामूली वर्तनी संबंधी गलती कर दी तो उसे भी नोटिस जारी किया जा रहा है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि पहले मतदाता सूची में किसी व्यक्ति के पिता का नाम बिना मध्य नाम के दर्ज था और अब वही नाम मध्य नाम के साथ दर्ज हो गया तो इसे भी नोटिस का आधार बनाया जा रहा है।

गोगी ने सवाल किया कि नाम की वर्तनी या पिता के नाम में मामूली अंतर के आधार पर किसी नागरिक को परेशान करने का क्या औचित्य है। कांग्रेस नेता ने कहा कि मतदाता सूची को शुद्ध और त्रुटिरहित बनाना आवश्यक है, लेकिन इसके लिए अपनाई जाने वाली प्रक्रिया ऐसी होनी चाहिए जिससे वास्तविक मतदाताओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो। उन्होंने कहा कि यदि दस्तावेजों या नामों में मामूली अंतर है तो संबंधित व्यक्ति को अपनी बात रखने और आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करने का पर्याप्त अवसर मिलना चाहिए।

गोगी ने सरकार पर आरोप लगाया कि एसआईआर की प्रक्रिया में आम नागरिकों को अनावश्यक रूप से परेशान किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में बड़ी संख्या में ऐसे लोग हैं जिन्हें तकनीकी प्रक्रियाओं और दस्तावेजों की जटिलताओं की पूरी जानकारी नहीं होती। ऐसे लोगों को नोटिस मिलने पर उन्हें अपने मताधिकार को सुरक्षित रखने के लिए कार्यालयों के चक्कर लगाने पड़ सकते हैं।

उन्होंने सरकार से मांग की कि प्रारूप मतदाता सूची में सामने आ रही विसंगतियों की निष्पक्ष जांच कराई जाए और जिन पात्र मतदाताओं के नाम सूची से हटे हैं, उनके नाम निर्धारित प्रक्रिया के तहत दोबारा शामिल किए जाएं। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची तैयार करने की प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी होनी चाहिए और राजनीतिक दलों तथा आम जनता को भी अपनी आपत्तियां दर्ज कराने का पर्याप्त अवसर दिया जाना चाहिए।

बिजली कर्मचारियों की हड़ताल से बढ़ेगी परेशानी तीन दिन तक आपूर्ति प्रभावित होने का खतरा

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

हरियाणा में बिजली कर्मचारियों और अभियंताओं की प्रस्तावित तीन दिवसीय हड़ताल से आमजन की परेशानी बढ़ सकती है। विभिन्न मांगों और बिजली क्षेत्र से जुड़े मुद्दों को लेकर सरकार तथा कर्मचारियों के बीच हुई वार्ता विफल होने के बाद बिजली कर्मचारी सोमवार रात से हड़ताल पर जाने की तैयारी में हैं। हड़ताल के दौरान बिजली आपूर्ति और इससे जुड़ी सेवाओं पर असर पड़ने की आशंका जताई जा रही है। प्रदेश में पिछले चार दिनों से नगर पालिकाओं और दमकल विभाग के कर्मचारियों की हड़ताल के कारण पहले ही कई जगहों पर लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

अब बिजली कर्मचारियों के आंदोलन में शामिल होने से स्थिति और चुनौतीपूर्ण हो सकती है। बिजली कर्मचारी और अभियंता निजी बिजली कंपनियों को लाइसेंस देने, एग्री-डिस्कॉम और स्मार्ट मीटरिंग समेत कई मुद्दों का विरोध कर रहे हैं। उनका कहना है कि इन विषयों को लेकर सरकार और निगम प्रबंधन की ओर से उनकी चिंताओं का समाधान नहीं किया गया है। इसी के चलते संयुक्त संघर्ष मोर्चा ने तीन दिन की हड़ताल का निर्णय लिया है। प्रबंधन के साथ वार्ता रही बेनतीजा ऊर्जा विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव आशिमा बराड़ की अध्यक्षता में रविवार को शक्ति भवन में हरियाणा बिजली कर्मचारी एवं इंजीनियर्स संयुक्त संघर्ष मोर्चा और बिजली निगम प्रबंधन के बीच

बैठक हुई। कर्मचारियों की मांगों और आंदोलन को टालने के लिए हुई इस वार्ता में दोनों पक्षों के बीच सहमति नहीं बन सकी।

मोर्चा नेताओं का आरोप है कि निगम प्रबंधन ने स्पष्ट किया कि पैरेलल लाइसेंस, एग्री-डिस्कॉम और स्मार्ट मीटरिंग जैसे मुद्दों पर वह कोई ठोस आश्वासन देने की स्थिति में नहीं है। इसके बाद कर्मचारियों ने अपना आंदोलन वापस नहीं लेने का फैसला किया। कर्मचारी नेताओं का कहना है कि बिजली क्षेत्र में निजी कंपनियों की भूमिका बढ़ाने से कर्मचारियों और उपभोक्ताओं दोनों पर असर पड़ सकता है। उन्होंने सरकार से इन नीतिगत फैसलों पर पुनर्विचार करने की मांग की है। तीन दिवसीय हड़ताल के दौरान बिजली आपूर्ति व्यवस्था को लेकर उपभोक्ताओं में चिंता बढ़ गई है। हालांकि आवश्यक सेवाओं को सुचारु रखने के लिए विभाग की ओर से वैकल्पिक व्यवस्थाएं किए जाने की संभावना है।

न्यूज ब्रीफ

बृजभूषण मामले में अदालत सख्त, आरोपों को बताया राजनीतिक साजिश का हिस्सा

एजेंसी, नई दिल्ली। भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व अध्यक्ष एवं भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ महिला पहलवानों के यौन उत्पीड़न मामले में अदालत ने अपने फैसले में कड़ी टिप्पणियां की हैं। राउज एवेन्यू स्थित अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट अश्विनी पंवार की अदालत ने तीन अगस्त को बृजभूषण सिंह और पूर्व सहायक सचिव विनोद तोमर को बरी कर दिया था। अदालत ने कहा कि अभियोजन की अहम कड़ी रहीं दो महिला पहलवान अदालत में अपने आरोपों से मुकर गईं और उन्होंने यौन उत्पीड़न से इनकार किया। अदालत ने आरोपों को प्रथम दृष्टया राजनीतिक रूप से प्रेरित साजिश का हिस्सा बताया और कहा कि शिकायतों में घटनाओं के काफी समय बाद दर्ज होने का तथ्य भी महत्वपूर्ण है। मामले में छह महिला पहलवानों ने आरोप लगाए थे। दिल्ली पुलिस ने 15 जून 2023 को आरोपपत्र दाखिल किया था। मई 2024 में अदालत ने पांच पहलवानों से जुड़े मामलों में आरोप तय किए थे।

दिल्ली की सड़क पर कूड़ा फेंकते बाइक सवार का वीडियो हुआ वायरल

एजेंसी, नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में स्वच्छता और सड़क सुरक्षा नियमों की अनदेखी का एक मामला सामने आया है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में एक बाइक सवार युवक सड़क पर कूड़ा फेंकता दिखाई दे रहा है। वीडियो किसी पीछे चल रहे वाहन से बनाया गया है। वीडियो में युवक बिना हेलमेट के बाइक चलाते हुए सड़क पर कचरा फेंकता नजर आ रहा है। बाइक की नंबर प्लेट दिल्ली की बताई जा रही है। घटना सामने आने के बाद लोगों में नाराजगी देखने को मिल रही है। लोगों का कहना है कि सार्वजनिक स्थान पर कूड़ा फेंकना न केवल स्वच्छता के लिए नुकसानदायक है बल्कि नागरिक जिम्मेदारी पर भी सवाल खड़े करता है। सोशल मीडिया उपयोगकर्ता वीडियो साझा कर दिल्ली पुलिस, नगर निगम और यातायात पुलिस से कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। लोगों ने ऐसे मामलों में नियम तोड़ने वालों के खिलाफ सख्त कदम उठाने की मांग की है, ताकि राजधानी की सड़कों को साफ रखने और यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित किया जा सके।

चार दिन में बंद हुआ हाईटेक सिग्नल, यातायात व्यवस्था फिर बेपटरी पर

एजेंसी, नई दिल्ली। सोनीपत शहर में यातायात व्यवस्था सुधारने के लिए लगाए गए हाईटेक ट्रैफिक सिग्नल अब सवालों के घेरे में हैं। महाराणा प्रताप चौक पर सिग्नल शुरू होने के महज चार दिन बाद ही बंद हो गया। इसके चलते ट्रैफिक पुलिसकर्मियों को दोबारा सड़क के बीच खड़े होकर हाथ के इशारे से यातायात नियंत्रित करना पड़ रहा है। व्यस्त चौराहे पर तेज रफ्तार वाहनों के बीच ड्यूटी करने से पुलिसकर्मियों की सुरक्षा भी खतरे में है। शहर में करीब 11 प्रमुख चौराहों पर ट्रैफिक लाइटें लगाई गई थीं, लेकिन आधे से अधिक लंबे समय से बंद हैं। वर्ष 2018 में करीब 60 लाख रुपये की लागत से हाईटेक ट्रैफिक लाइटें लगाई गई थीं। इनकी वारंटी अवधि समाप्त हो चुकी है। ऐसे में रखरखाव और मरम्मत को लेकर नगर निगम तथा यातायात पुलिस के बीच समन्वय पर सवाल उठ रहे हैं।

मैनहोल में सफाई के दौरान दम घुटने से सफाईकर्मी की हुई मौत

एजेंसी, नई दिल्ली। फरीदाबाद सेक्टर-25 स्थित एक फैक्ट्री के मैनहोल की सफाई के दौरान दम घुटने से एक सफाईकर्मी की मौत हो गई, जबकि उसका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना सोमवार सुबह की है। सेक्टर-56 आशियाना फ्लैट निवासी असलम और बंटी सीवर सफाई का काम करते हैं। दोनों को सेक्टर-25 स्थित प्लॉट नंबर 132 के मालिक ने मैनहोल साफ करने के लिए बुलाया था। स्थानीय लोगों के अनुसार, दोनों सफाईकर्मियों को बिना सुरक्षा उपकरण के मैनहोल में उतारा गया। कुछ देर बाद दोनों का दम घुटने लगा और उन्होंने मदद के लिए आवाज लगाई। आसपास के लोगों ने दोनों को बाहर निकालने का प्रयास किया और पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर दोनों को बाहर निकाला।

दिल्ली लक्ष्मी योजना पर विधानसभा में घमासान पात्रता शर्तों को लेकर विपक्ष ने सरकार को घेरा

योजना की शर्तों पर आप विधायकों ने उठाए सवाल, मुख्यमंत्री के जवाब से पहले किया वॉकआउट

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली विधानसभा के मानसून सत्र के दूसरे दिन सोमवार को दोपहर के भोजनावकाश के बाद दिल्ली लक्ष्मी योजना को लेकर सदन में जोरदार चर्चा हुई। सत्ता पक्ष के विधायकों ने योजना को महिलाओं के लिए महत्वपूर्ण और जनकल्याणकारी कदम बताया, जबकि आम आदमी पार्टी के विधायकों ने इसकी पात्रता शर्तों पर सवाल उठाए। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के जवाब देने के दौरान विपक्ष ने हंगामा किया और सदन से बाहर चला गया। इसके बाद भी मुख्यमंत्री ने अपना संबोधन जारी रखा। हंगामा बढ़ने पर विधानसभा की कार्यवाही शाम चार बजे तक स्थगित कर दी गई।

भाजपा विधायकों ने बताया ऐतिहासिक कदम : धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान भाजपा विधायक हरीश खुराना, तिलक राज अग्रवाल और अजय महावर ने दिल्ली लक्ष्मी योजना को सरकार का ऐतिहासिक फैसला बताया। उन्होंने कहा कि योजना का उद्देश्य महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत करना और परिवार की जरूरतों को पूरा करने में उन्हें सहायता देना है। विधायकों ने इसे महिलाओं के सशक्तीकरण की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताया।

विपक्ष ने पात्रता शर्तों पर उठाए सवाल : आम आदमी पार्टी विधायक वीरेंद्र कादियान ने योजना की कई शर्तों को लेकर आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि तीन से अधिक बच्चों वाली महिलाओं को योजना का लाभ नहीं दिया जाना उचित नहीं है। उन्होंने दिल्ली में कम से कम 10 वर्ष से रहने की शर्त पर भी सवाल उठाया।

कादियान ने यह भी मांग की कि एक वर्ष में 2400 बिजली इकाइयों से अधिक खपत नहीं होने की पात्रता शर्त को हटाया जाए। विपक्ष का कहना है कि ऐसी शर्तों के कारण बड़ी संख्या में जरूरतमंद महिलाएं योजना के लाभ से बाहर हो सकती हैं।

मुख्यमंत्री के जवाब से पहले विपक्ष का वॉकआउट : मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता जैसे ही विपक्ष के सवालों का जवाब देने के लिए खड़ी हुईं, सदन में हंगामा शुरू हो गया। आप विधायकों ने नारेबाजी की और मुख्यमंत्री का संबोधन सुनने से पहले ही सदन से वॉकआउट कर दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि वह विपक्ष द्वारा उठाए गए सभी सवालों का जवाब देना चाहती थीं, लेकिन विपक्ष उनके जवाब सुनने के बजाय सदन से बाहर चला गया।

सफाई व्यवस्था में लापरवाही पर निगम सख्त, दो एजेंसियों पर 31 लाख का जुर्माना

एजेंसी, नई दिल्ली

गुरुग्राम में सफाई व्यवस्था को लेकर नगर निगम ने लापरवाही बरतने वाली एजेंसियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई शुरू कर दी है। संसाधनों की संख्या कागजों पर पूरी दिखाने, निर्धारित संख्या में वाहन मैदान में नहीं उतारने, डिजिटल निगरानी व्यवस्था का पालन नहीं करने और कर्मचारियों की उपस्थिति दर्ज नहीं करने के मामलों में दो एजेंसियों पर कुल 31 लाख 45 हजार 360 रुपये का जुर्माना लगाया गया है। साथ ही दोनों एजेंसियों को ब्लैकलिस्ट करने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है।

नगर निगम के अनुसार, एसडब्ल्यूएम मॉनिटरिंग पोर्टल पर निर्धारित जानकारी अपलोड नहीं करने, वाहनों और कर्मचारियों की कमी, जीपीएस व्यवस्था अधूरी रखने तथा मैनपावर का पंजीकरण नहीं करने जैसी कमियां जांच में सामने आईं।

जोन-6 में स्वच्छता कार्य के लिए ट्रैक्टर-ट्रॉली उपलब्ध कराने वाली केएस मल्टीफेसलिटी सर्विसेज लिमिटेड को 10 ट्रैक्टर-ट्रॉलियां, चालक और सात हेल्पर उपलब्ध कराने थे। जांच के दौरान निर्धारित वाहनों का एसडब्ल्यूएम पोर्टल पर पंजीकरण नहीं मिला।

इस पर निगम ने 15 जून से 31 जुलाई तक प्रति वाहन प्रतिदिन दो हजार रुपये के हिसाब से 9.40 लाख रुपये का जुर्माना लगाया। एजेंसी को अपना पक्ष रखने के लिए सात दिन का समय दिया गया है। जोन-6 में घर-घर से कचरा संग्रहण का कार्य कर रही द क्लासिक मैनपावर एंड कंस्ट्रक्शन सर्विसेज भी जांच में दोषी पाई गई।

हाईराइज सोसायटियों में बिजली लोड बढ़ाने के नाम पर हो रही मनमानी वसूली

एजेंसी, नई दिल्ली

गाजियाबाद में हाईराइज सोसायटियों में फ्लैट का बिजली लोड बढ़वाने के नाम पर निर्धारित शुल्क से कई गुना अधिक रकम वसूले जाने की शिकायत सामने आई है। फ्लैट मालिकों का आरोप है कि कुछ सोसायटियों में प्रति किलोवाट 25 हजार रुपये तक मांगे जा रहे हैं। इससे निवासियों में नाराजगी है और उन्होंने शुल्क व्यवस्था में पारदर्शिता की मांग की है।

उपभोक्ताओं के अनुसार अतिरिक्त विद्युत उपकरण लगाने, परिवार की जरूरत बढ़ने या घर में बिजली की खपत बढ़ने पर फ्लैट का स्वीकृत लोड बढ़वाना जरूरी होता है। विद्युत निगम की शुल्क व्यवस्था के मुताबिक तीन से चार किलोवाट तक लोड बढ़ाने के लिए 300 रुपये और पांच से 24 किलोवाट तक 500 रुपये की प्रसंस्करण फीस निर्धारित है। इसके अलावा नियमों के अनुसार सुरक्षा धनराशि और अन्य स्वीकृत शुल्क भी लिए जा सकते हैं।

फ्लैट मालिकों का कहना है कि निर्धारित सरकारी शुल्क और अन्य वैध मदों को जोड़ने के बाद भी राशि अपेक्षाकृत सीमित रहती है, जबकि कुछ सोसायटियों में बिल्डर या प्रबंधन की ओर से प्रति किलोवाट हजारों रुपये की अतिरिक्त मांग की जा रही है। आरोप है कि लोड बढ़ाने की प्रक्रिया बिल्डर या अपार्टमेंट मालिक संघ के माध्यम से कराए जाने का फायदा उठाकर अलग शुल्क तय किया जा रहा है।

निवासियों की मुख्य शिकायत यह है कि उन्हें स्पष्ट जानकारी नहीं दी जाती कि उनसे ली जा रही कुल रकम में विद्युत निगम का शुल्क कितना है और सोसायटी या बिल्डर द्वारा कितना शुल्क लिया जा रहा है।

हाईराइज सोसायटियों में व्यक्तिगत फ्लैट के कनेक्शन के अलावा साझा क्षेत्र की बिजली व्यवस्था भी होती है। लिफ्ट, पार्किंग, पानी के पंप, सुरक्षा व्यवस्था और अन्य सुविधाओं के लिए अलग विद्युत व्यवस्था की जरूरत होती है।

विद्या वाहिनी योजना से 1.40 लाख छात्राओं को मिलेंगी नई साइकिलें

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली विधानसभा के मानसून सत्र के दूसरे दिन सोमवार को मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कक्षा नौ में पढ़ने वाली 200 छात्राओं को साइकिलें वितरित कीं। यह साइकिलें दिल्ली सरकार की विद्या वाहिनी योजना के तहत दी गईं। सरकार का उद्देश्य छात्राओं को स्कूल आने-जाने में सुविधा उपलब्ध कराने के साथ उनकी शिक्षा को बढ़ावा देना है।

दिल्ली सरकार के अनुसार इस वर्ष राजधानी के सरकारी विद्यालयों में कक्षा नौ में पढ़ने वाली करीब 1.40 लाख छात्राओं को योजना के तहत निःशुल्क साइकिल उपलब्ध कराई जाएगी। सरकार का मानना है कि कई छात्राओं को विद्यालय तक पहुंचने में दूरी और परिवहन संबंधी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। साइकिल मिलने से उनकी आवाजाही आसान होगी और पढ़ाई जारी रखने में सुविधा मिलेगी।

मुख्यमंत्री ने 200 छात्राओं को सौंपी साइकिलें, शिक्षा में बढ़ेगी सुविधा

सरकार ने कहा कि योजना का मुख्य उद्देश्य छात्राओं की शिक्षा में आने वाली रोजमर्रा की बाधाओं को कम करना है। साइकिल मिलने से छात्राएं अपने घर से विद्यालय तक आसानी से पहुंच सकेंगी। इससे उनके समय की बचत होने के साथ परिवारों पर आने-जाने से जुड़ा खर्च भी कम हो सकता है।

सरकार का कहना है कि योजना छात्राओं में आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता बढ़ाने की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम है। इससे छात्राओं को नियमित रूप से विद्यालय आने और अपनी पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित करने में मदद मिलने की उम्मीद है।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के आधिकारिक संदेश के अनुसार अब तक तीन हजार से अधिक छात्राओं को निःशुल्क साइकिलें दी जा चुकी हैं। विधानसभा परिसर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान सोमवार को 200 छात्राओं को साइकिल सौंपी गई। सरकार ने कहा कि आने वाले समय में योजना का लाभ दिल्ली के सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाली कक्षा नौ की सभी पात्र छात्राओं तक पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा।

कांवड़ यात्रा से बढ़ा यातायात दबाव, एक्सप्रेसवे खुलने पर दिल्ली-नोएडा के मार्ग को मिलेगी राहत

एजेंसी, नई दिल्ली

कांवड़ यात्रा के चलते दिल्ली-नोएडा आने-जाने वाले प्रमुख मार्गों पर इन दिनों यातायात व्यवस्था बुरी तरह प्रभावित है। कालिंदी कुंज, डीएनडी, मथुरा रोड और आसपास के इलाकों में वाहन चालकों को लंबा जाम झेलना पड़ रहा है। करीब आधे घंटे में पूरी होने वाली यात्रा में अब कई घंटे लग रहे हैं। इससे ईंधन की खपत बढ़ने के साथ लोगों को समय और मानसिक तनाव का भी सामना करना पड़ रहा है।

रविवार को भी इन इलाकों में जाम की स्थिति बनी रही। कांवड़ियों की सुरक्षा और सुगम आवाजाही के लिए कई प्रमुख मार्गों पर एक लेन आरक्षित की गई है। डीएनडी से आश्रम, मूलचंद, महरौली-गुरुग्राम मार्ग और मांडी रोड समेत कई स्थानों पर वाहनों के लिए उपलब्ध सड़क की चौड़ाई कम हो गई है।

कालिंदी कुंज क्षेत्र में फरीदाबाद, सरिता विहार और जैतपुर की ओर से आने वाला यातायात नोएडा की तरफ जाता है। नोएडा जाने वाले पुल पर दो लेन हैं, लेकिन इनमें से एक लेन कांवड़ियों के लिए आरक्षित होने के कारण वाहनों के लिए केवल एक लेन बचती है। तीन प्रमुख दिशाओं से आने वाला यातायात इसी एक लेन से गुजरने के कारण यहां जाम की स्थिति गंभीर हो रही है।

डीएनडी महारानी बाग से जैतपुर पुश्ता रोड तक दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे का करीब साढ़े नौ किलोमीटर हिस्सा जून से तैयार है, लेकिन अभी यातायात के लिए बंद है। जाम की गंभीर स्थिति को देखते हुए इस हिस्से को खोलने की मांग उठ रही है। माना जा रहा है कि इसके शुरू होने से मथुरा रोड और कालिंदी कुंज पर वाहनों का दबाव कम हो सकता है।

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे का जैतपुर पुश्ता रोड से फरीदाबाद सेक्टर-65 तक करीब 24 किलोमीटर हिस्सा पहले से चालू है। इसके आगे सेक्टर-65 से सोहना तक करीब 26 किलोमीटर मार्ग भी यातायात के लिए उपलब्ध है।

दिल्ली मेट्रो में महिलाओं का चोरी छिपे वीडियो बनाने पर हंगामा

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली मेट्रो में महिलाओं की निजता से जुड़ा एक मामला सामने आया है। लोक नायक भवन मेट्रो स्टेशन पर दो महिलाओं ने एक अधेड़ व्यक्ति को कथित तौर पर चोरी-छिपे उनकी तस्वीरें और वीडियो बनाते हुए पकड़ लिया। घटना का वीडियो अब सामाजिक माध्यम पर प्रसारित हो रहा है।

जानकारी के अनुसार, दोनों महिलाएं ग्रीन पार्क की ओर जा रही थीं। इसी दौरान उन्हें संदेह हुआ कि सामने बैठा एक व्यक्ति उनकी तस्वीरें और वीडियो बना रहा है। महिलाओं ने उसके पास जाकर इस पर आपत्ति जताई और वीडियो दिखाने के लिए कहा। शुरुआत में व्यक्ति ने तस्वीरें या वीडियो बनाने से इनकार किया, लेकिन बाद में उसने अपने फोन से संबंधित सामग्री मिटा दी।

महिलाओं ने इसके बाद फोन के पुनर्चक्रण फोल्डर में जाकर तस्वीरें और वीडियो दिखाने को कहा। वहां सामग्री दिखाई देने के बाद व्यक्ति को अपनी गलती का एहसास हुआ। महिलाओं ने उसे समझाया कि किसी की अनुमति के बिना उसकी तस्वीर या वीडियो बनाना निजता का उल्लंघन है।

घटना का वीडियो सामाजिक माध्यम पर प्रसारित होने के बाद लोगों ने महिलाओं की निजता और सार्वजनिक परिवहन में सुरक्षा को लेकर चिंता जताई। कई लोगों ने ऐसी घटनाओं पर सख्त कार्रवाई की मांग की। इस घटना ने सार्वजनिक स्थानों पर महिलाओं की सुरक्षा और उनकी निजी स्वतंत्रता से जुड़े सवालों को फिर चर्चा में ला दिया है। घटना के बाद महिलाओं ने लोगों से अपील की कि सार्वजनिक स्थानों पर किसी की तस्वीर या वीडियो बिना अनुमति न बनाएं। निजता का सम्मान करना हर व्यक्ति की जिम्मेदारी है।

बुनकरों की आय सालाना दस लाख तक पहुंचाने का सरकार का बड़ा लक्ष्य

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्रीय कपड़ा मंत्रालय की सचिव नीलम शमी राव ने सोमवार को कहा कि सरकार का लक्ष्य बुनकरों की सालाना आय को 10 लाख रुपये तक पहुंचाना है। इसके लिए हथकरघा उद्योग को पारंपरिक सीमाओं से बाहर निकालकर आधुनिक बाजार की जरूरतों के अनुरूप विकसित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि बेहतर डिजाइन, गुणवत्तापूर्ण उत्पादन और वैश्विक बाजार तक पहुंच से बुनकरों की आय में उल्लेखनीय वृद्धि संभव है।

दिल्ली स्थित अंतरराष्ट्रीय अंबेडकर भवन में आयोजित राष्ट्रीय हथकरघा डिजाइनर सम्मेलन 2026 के उद्घाटन समारोह में शमी राव ने कहा कि हथकरघा क्षेत्र की सबसे बड़ी चुनौती बुनकरों की सीमित आय है। वर्तमान में सरकारी योजनाओं, कच्चे माल और विपणन सहायता के बावजूद कई बुनकर सालाना करीब एक से तीन लाख रुपये तक ही कमा पाते हैं।

हथकरघा उद्योग को आधुनिक बाजार से जोड़कर बुनकरों की आय बढ़ाने पर जोर

उन्होंने कहा कि यदि सालाना 10 लाख रुपये की आय का लक्ष्य हासिल करना है तो बुनकरों का उत्पादन मूल्य करीब 20 से 30 लाख रुपये तक पहुंचाना होगा। इसके लिए नए डिजाइन, बेहतर गुणवत्ता और देश-विदेश के विशेष बाजारों तक पहुंच जरूरी है। उन्होंने बुनकरों को बदलती बाजार मांग के अनुसार उत्पाद तैयार करने की सलाह दी।

सचिव ने बुनकर सेवा केंद्रों, राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान, विश्व भारती, भारतीय हथकरघा प्रौद्योगिकी संस्थानों और अन्य कला संस्थानों के डिजाइनरों को मिलकर काम करने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि हथकरघा क्षेत्र को आधुनिक तकनीक से जोड़ने के लिए भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान के सहयोग से एक विशेष डिजिटल उपकरण विकसित किया जा रहा है।

विधायकों ने पशु हादसों, अवैध डेयरियों, वसूली और निर्माण पर सख्त कार्रवाई की मांग की

दिल्ली विधानसभा में बेसहारा पशुओं और अवैध डेयरियों पर सख्त कार्रवाई की उठी मांग

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली विधानसभा के मानसून सत्र के दूसरे दिन सोमवार को राजधानी में बेसहारा पशुओं, अवैध डेयरियों, अवैध निर्माण और बोरवेल की सूची के कथित दुरुपयोग को लेकर सदन में जोरदार चर्चा हुई। विधायकों ने सड़कों पर घूम रहे बेसहारा पशुओं से होने वाले हादसों, डेयरी संचालकों की मनमानी और नगर निगम कर्मचारियों के साथ कथित मारपीट का मुद्दा उठाते हुए सख्त कार्रवाई की मांग की।

अवैध डेयरियों पर शिकंजा कसने की तैयारी, एमसीडी से मांगी रिपोर्ट

भाजपा विधायक हरीश खुराना ने कहा कि दिल्ली में निराश्रित पशुओं की समस्या लगातार गंभीर होती जा रही है। सड़कों पर घूमने वाले पशुओं के कारण यातायात प्रभावित होने के साथ हादसों का खतरा भी बना रहता है। उन्होंने आरोप लगाया कि नगर निगम और कुछ डेयरी संचालकों के बीच मिलीभगत के कारण समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो पा रहा है।

भाजपा विधायक सूर्यप्रकाश खत्री ने कहा कि बेसहारा गायों की समस्या केवल किसी एक विधानसभा क्षेत्र तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरी दिल्ली इससे प्रभावित है। उन्होंने डेयरी संचालकों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई और पशुओं को सड़कों पर छोड़ने वालों पर जिम्मेदारी तय करने की मांग की।

कर्मचारियों की सुरक्षा का उठा मुद्दा : भाजपा विधायक राजकुमार भाटिया ने कहा कि जब नगर निगम कर्मचारी बेसहारा पशुओं को पकड़ने के लिए जाते हैं तो कई बार उनके साथ मारपीट की घटनाएं सामने आती हैं। उन्होंने कर्मचारियों की सुरक्षा के लिए उचित व्यवस्था करने की मांग की।

विधायक करनैल सिंह ने सड़कों पर पशु छोड़ने वाले लोगों के खिलाफ सख्त कानून बनाने की मांग की। वीरेंद्र सिंह कादियान ने भी ऐसे लोगों पर कार्रवाई की आवश्यकता जताई। कुलवंत राणा ने अवैध डेयरियों के खिलाफ पारदर्शी और प्रभावी व्यवस्था बनाने की बात कही।

अवैध पार्किंग और निर्माण पर भी चर्चा : सदन में अवैध पार्किंग का मुद्दा भी उठा। आप विधायक अमानतुल्लाह खान ने राजधानी में बढ़ती अवैध पार्किंग पर कार्रवाई की मांग की। वहीं भाजपा विधायक मोहन सिंह बिष्ट ने ब्रिजपुरी में कथित तौर पर बन रही सात मंजिला इमारत का मामला उठाया। उन्होंने कहा कि छोटी सड़कों वाले इलाकों में ऊंची इमारतों का निर्माण सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बन सकता है इसी दौरान अमानतुल्लाह खान की एक टिप्पणी को लेकर सदन में विवाद भी हुआ। विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने उन्हें चेतावनी देते हुए अपने शब्द वापस लेने को कहा।

बोरवेल की सूची के दुरुपयोग का आरोप : भाजपा विधायक अशोक गोयल ने पानी की समस्या और बोरवेल से जुड़ा मामला उठाया। उन्होंने आरोप लगाया कि बोरवेल को नियमित करने के लिए पहले ऑनलाइन आवेदन मंगाए गए थे। अब कुछ लोग उस सूची का कथित रूप से इस्तेमाल कर संबंधित लोगों को धमका रहे हैं और जबरन वसूली कर रहे हैं। उन्होंने मामले की जांच और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

भाजपा विधायक नीलम पहलवान ने नजफगढ़ में सफाई व्यवस्था और बिजली की ओवरहेड लाइनों का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि कई स्थानों पर लटकती बिजली की लाइनें लोगों के लिए खतरा बनी हुई हैं और इन्हें व्यवस्थित करने की जरूरत है।

दिल्ली-एनसीआर में झमाझम बारिश से मौसम हुआ सुहावना, अगले पांच दिन अलर्ट जारी

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली-एनसीआर में पिछले चार-पांच दिनों से बारिश का दौर जारी है। सोमवार दोपहर एक बार फिर तेज हवाओं के साथ बारिश शुरू हो गई। राजधानी के साथ एनसीआर के कई इलाकों में तेज बारिश होने से लोगों को उमस और गर्मी से राहत मिली। बारिश और गरज के कारण कई क्षेत्रों में दिन के समय ही अंधेरा छा गया।

तेज बारिश का असर यातायात पर भी दिखाई दिया। हाईवे और प्रमुख सड़कों पर वाहनों की रफ्तार धीमी हो गई। कम दृश्यता के कारण वाहन चालकों को दिन में ही वाहनों की रोशनी जलाकर चलना पड़ा। कई स्थानों पर सड़कें गीली होने से यातायात व्यवस्था भी प्रभावित हुई।

मौसम विभाग ने दिल्ली-एनसीआर में अगले पांच दिनों तक हल्की बारिश की संभावना जताई है। इससे लोगों को गर्मी से राहत मिलने की उम्मीद है, हालांकि लगातार बारिश के कारण निचले इलाकों में जलभराव की समस्या फिर सामने आ सकती है। इससे पहले 5, 6 और 7 अगस्त को हुई तेज बारिश के कारण दिल्ली और आसपास के शहरों के कई हिस्सों में जलभराव हुआ था।

मौसम विभाग के अनुसार 14 और 15 अगस्त को भी दिल्ली के कई हिस्सों में हल्की बारिश होने की संभावना है। इस दौरान हवा की गति करीब 10 से 15 किलोमीटर प्रति घंटा रह सकती है। 14 अगस्त को पश्चिमी हवाएं और 15 अगस्त को उत्तर-पश्चिमी हवाएं चलने की संभावना है। लगातार बदलते मौसम को देखते हुए लोगों को यात्रा के दौरान सावधानी बरतने की सलाह दी गई है।

12 साल से फरार 50 हजार का इनामी जालसाज गिरफ्तार

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने 12 साल से अधिक समय से फरार चल रहे 50 हजार रुपये के इनामी जालसाजी के आरोपित मनोरंजन कंदासमी को तमिलनाडु से गिरफ्तार किया है। 62 वर्षीय आरोपित पुलिस से बचने के लिए परिवार के साथ झूठी पहचान बनाकर रह रहा था। उसने रिश्तेदारों से संपर्क भी खत्म कर लिया था और नया पेशा अपना लिया था।

क्राइम ब्रांच की सेंट्रल रेंज के अनुसार, आरोपित के खिलाफ वर्ष 2007 में मंदिर मार्ग थाने में शिकायत दर्ज हुई थी। हैदराबाद निवासी विजय कुमार ने शिकायत में बताया था कि धर्मशाला में ठहरने के दौरान उन्होंने अलमारी में सोने के आभूषण और कीमती सामान रखा था। वापस लौटने पर अलमारी का ताला टूटा मिला और सामान गायब था। जांच के दौरान मनोरंजन कंदासमी को गिरफ्तार किया गया था। उसके पास प्रतिष्ठित राजनीतिक कार्यालयों और सरकारी अधिकारियों के नाम पर बने कई फर्जी तथा खाली लेटरहेड मिले थे।

मंत्रिमंडल विस्तार पर उमर अब्दुल्ला का बड़ा बयान, जल्द पूरी होगी सरकार में नई नियुक्तियां

उमर अब्दुल्ला ने विस्तार की पुष्टि की, हालांकि 15 अगस्त को शपथ की चर्चाओं को खारिज किया

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर की राजनीति में मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर हलचल तेज हो गई है। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने सोमवार को स्पष्ट संकेत दिया कि उनकी सरकार में मंत्रिमंडल का विस्तार जल्द किया जाएगा। इसके साथ ही लंबे समय से खाली चल रहे मंत्री पदों को भरने की प्रक्रिया को लेकर अटकलें तेज हो गई हैं।

श्रीनगर के एसकेआईसीसी में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान पत्रकारों से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा कि मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर संबंधित अधिकारियों और पार्टी के उच्च नेतृत्व के साथ लगातार बातचीत चल रही है। उन्होंने संकेत दिया कि इस संबंध में जल्द ही अंतिम निर्णय लिया जा सकता है। मंत्रिमंडल विस्तार की चर्चा के बीच 15 अगस्त को नए मंत्रियों के शपथ लेने की अटकलें भी सामने आई थीं।

> **इसके** बाद नए मंत्रियों को विभागों का आवंटन भी सरकार की प्राथमिकताओं के अनुरूप किया जा सकता है। मंत्रिमंडल में शामिल होने वाले नेताओं को क्षेत्रीय और राजनीतिक संतुलन के आधार पर जिम्मेदारियां मिलने की संभावना है। हालांकि, अंतिम निर्णय पार्टी नेतृत्व के साथ विचार विमर्श के बाद ही लिया जाएगा।

हालांकि, मुख्यमंत्री ने इस तारीख को लेकर चल रही चर्चाओं को खारिज कर दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि विस्तार जरूर होगा, लेकिन इसके लिए किसी निश्चित तारीख की घोषणा अभी नहीं की गई है। उमर सरकार के मंत्रिमंडल में कुछ पद लंबे समय से खाली हैं। ऐसे में संभावित विस्तार को राजनीतिक और प्रशासनिक दोनों दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। नए मंत्रियों को जिम्मेदारी मिलने से सरकार के कामकाज में तेजी आने की उम्मीद है। मुख्यमंत्री के बयान के बाद अब राजनीतिक गलियारों में संभावित मंत्रियों के नामों को लेकर चर्चाएं शुरू हो गई हैं।

हालांकि, सरकार या पार्टी की ओर से अभी किसी नाम को लेकर आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। माना जा रहा है कि उच्च नेतृत्व के साथ विचार-विमर्श पूरा होने के बाद मंत्रिमंडल विस्तार की तारीख और नए मंत्रियों के नामों को लेकर तस्वीर साफ हो सकती है। फिलहाल मुख्यमंत्री के संकेत ने विस्तार को लेकर चल रही अटकलों को और हवा दे दी है।

विस्तार पर मंथन

मंत्रिमंडल विस्तार के बाद सरकार के सामने विभागों के बेहतर समन्वय और प्रशासनिक कामकाज में तेजी लाने की चुनौती होगी। नए मंत्रियों से संबंधित क्षेत्रों की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर उठाने की उम्मीद है। साथ ही राजनीतिक संतुलन बनाए रखते हुए सरकार संगठन को मजबूत करने पर भी जोर दे सकती है। फिलहाल सभी की नजरें नेतृत्व के अंतिम फैसले और विस्तार की आधिकारिक घोषणा पर टिकी हैं। विस्तार के बाद नए मंत्रियों की जिम्मेदारियां तय होने के साथ सरकार की प्राथमिकताओं में भी बदलाव देखने को मिल सकता है।

अवंतीपोरा में एस्कॉर्ट वाहन पलटा, डीएसपी समेत तीन पुलिसकर्मी घायल

श्रीनगर। दक्षिण कश्मीर के अवंतीपोरा में सोमवार को एक सड़क हादसे में डीएसपी रफीक अहमद समेत तीन पुलिसकर्मी घायल हो गए। हादसा उस समय हुआ, जब डीएसपी की एस्कॉर्ट के तौर पर इस्तेमाल की जा रही स्कॉर्पियो गाड़ी का अचानक टायर फट गया। टायर फटने के बाद चालक वाहन पर नियंत्रण नहीं रख सका और गाड़ी सड़क से फिसलकर पलट गई। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, हादसा जियारत शरीफ के पास हुआ। दुर्घटना में डीएसपी डीएआर अवंतीपोरा रफीक अहमद समेत तीन पुलिसकर्मी घायल हुए हैं। हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय लोगों और पुलिसकर्मियों ने घायलों को तत्काल उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद सभी घायलों को बेहतर चिकित्सा सुविधा के लिए श्रीनगर स्थित एसएमएचएस अस्पताल रेफर किया गया। पुलिस ने हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी है। वाहन के टायर फटने और दुर्घटना से जुड़े अन्य पहलुओं की भी पड़ताल की जा रही है।

पर्यटन के साथ पर्यावरण संरक्षण का संदेश दे रहा तवी वंडरलैंड

तवी वंडरलैंड बना जम्मू का नया पर्यटन आकर्षण, चार दिन में पहुंचे हजारों पर्यटक

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू

जम्मू शहर के भगवती नगर इलाके में तवी नदी के किनारे विकसित किया गया तवी वंडरलैंड पार्क उद्घाटन के बाद से ही स्थानीय लोगों और पर्यटकों के बीच आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। नए वेस्ट-टू-वंडर पार्क को देखने के लिए महज चार दिनों में 10 हजार से अधिक पर्यटक पहुंच चुके हैं। रविवार को भी पार्क में बड़ी संख्या में लोग पहुंचे और एक ही दिन में चार हजार से अधिक पर्यटकों ने यहां की खूबसूरती और कलाकृतियों का आनंद लिया।

6 अगस्त 2026 को मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने तवी वंडरलैंड का उद्घाटन किया था। इसके बाद से लगातार पार्क में पर्यटकों की आवाजाही बनी हुई है। सप्ताहांत में यहां विशेष रूप से भीड़ बढ़ रही है। परिवारों के साथ बच्चे, युवा और स्थानीय लोग पार्क में घूमने तथा यहां स्थापित कलाकृतियों को देखने पहुंच रहे हैं। पार्क की सबसे बड़ी विशेषता कबाड़ और अनुपयोगी सामग्री से तैयार की गई आकर्षक कलाकृतियां हैं। यहां कुल 14 प्रसिद्ध कलाकृतियां स्थापित की गई हैं, जिन्हें देखने के लिए पर्यटकों में खासा उत्साह है। बेकार समझी जाने वाली वस्तुओं को रचनात्मक रूप देकर तैयार की गई इन कलाकृतियों के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण और पुनर्चक्रण का संदेश भी दिया जा रहा है। तवी नदी के किनारे स्थित होने के कारण पार्क का प्राकृतिक वातावरण भी लोगों को अपनी ओर आकर्षित कर रहा है। पर्यटक यहां घूमने के साथ कलाकृतियों के पास तस्वीरें लेते और परिवार के साथ समय बिताते नजर आ रहे हैं। पार्क के विकास से जम्मू शहर में मनोरंजन और पर्यटन के लिए एक नया विकल्प भी उपलब्ध हुआ है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि तवी वंडरलैंड के शुरू होने से शहर में पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। साथ ही कबाड़ से कला तैयार करने की अवधारणा लोगों को स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करने में मदद करेगी। शुरुआती चार दिनों में ही 10 हजार से अधिक पर्यटकों का पहुंचना इसकी बढ़ती लोकप्रियता को दर्शाता है। आने वाले दिनों में तवी वंडरलैंड जम्मू के प्रमुख पर्यटन स्थलों में शामिल होकर बड़ी संख्या में पर्यटकों को आकर्षित कर सकता है।

बारामूला ट्रेन की देरी से यात्रियों के रोजमर्रा कामकाज पर असर

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। बारामूला जाने वाली सुबह की ट्रेन संख्या 74625 के लगातार देरी से चलने के कारण सैकड़ों यात्रियों को परेशानी हो रही है। बीते कई सप्ताह से ट्रेन 30 मिनट से एक घंटे तक देर से पहुंच रही है। इससे सरकारी कर्मचारियों, छात्रों, स्वास्थ्यकर्मियों और अन्य यात्रियों का दैनिक कार्यक्रम प्रभावित हो रहा है। यात्रियों के अनुसार समय पर कार्यालय, कॉलेज और अस्पताल पहुंचना मुश्किल हो गया है। उन्होंने रेल सेवा में सुधार की मांग की है।

बांडीपोरा में 12 वर्षीय बच्ची से कथित दुष्कर्म, पुलिस ने 12 घंटे में दो आरोपियों को दबोचा

◆ **मासूम से कथित दरिंदगी पर पुलिस का शिकंजा, रातोंरात दबोचे गए आरोपी**

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। उत्तरी कश्मीर के बांडीपोरा जिले में 12 वर्षीय बच्ची से कथित दुष्कर्म का मामला सामने आने के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस को रविवार दोपहर करीब 12 बजे घटना की जानकारी मिली, जिसके बाद तत्काल जांच शुरू की गई। अधिकारियों के अनुसार, मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस टीम ने आरोपियों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए अभियान चलाया। कार्रवाई के दौरान दोनों संदिग्धों को रात में ही दबोच लिया गया।

जीएमसी जम्मू के अस्पतालों में तीन डॉक्टरों का तबादला

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज (जीएमसी) जम्मू और इससे जुड़े अस्पतालों में प्रशासनिक व्यवस्था तथा मरीजों की देखभाल को बेहतर बनाने के उद्देश्य से तीन डॉक्टरों के तत्काल प्रभाव से तबादले किए गए हैं। एसोसिएटेड हॉस्पिटल्स जम्मू के प्रशासक दीप राज द्वारा जारी आदेश के अनुसार डॉ. होशियार सिंह को जीएमसी जम्मू के रेडियोथेरेपी विभाग से स्थानांतरित कर जीएमसी अस्पताल जम्मू में मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) नियुक्त किया गया है। वहीं, डॉ. दिव्या महाजन को स्टेट कैंसर इंस्टीट्यूट जम्मू के ऑन्कोलॉजी विभाग से हटाकर जीएमसी अस्पताल जम्मू में सीएमओ पद पर तैनात किया गया है।

मुख्यमंत्री उमर ने राष्ट्रीय हथकरघा पुरस्कार प्राप्त करने पर जम्मू-कश्मीर के दो कुशल बुनकरों को दी बधाई

उमर ने कारीगरों की उपलब्धि को बताया जम्मू-कश्मीर का गौरव

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने सोमवार को प्रदेश के दो कुशल बुनकरों मंजूर अहमद हाजम और फैयाज अहमद वानी को प्रतिष्ठित राष्ट्रीय हथकरघा पुरस्कार प्राप्त करने पर बधाई दी। दोनों कारीगरों को राष्ट्रपति द्वारा जम्मू-कश्मीर की पारंपरिक हथकरघा कला और चंददार कानी शॉल की उत्कृष्ट बुनाई के लिए सम्मानित किया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह सम्मान न केवल दोनों कारीगरों की व्यक्तिगत उपलब्धि है, बल्कि जम्मू-कश्मीर की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और पारंपरिक शिल्प कौशल की भी पहचान है। उन्होंने कहा कि कानी शॉल की बुनाई में वर्षों की मेहनत, धैर्य और अद्भुत कलात्मक दक्षता की आवश्यकता होती है। मंजूर अहमद और फैयाज अहमद ने अपनी असाधारण कारीगरी से इस पारंपरिक कला को राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाई है। उमर अब्दुल्ला ने कहा कि जम्मू-कश्मीर सरकार स्थानीय कारीगरों और बुनकरों को प्रोत्साहित करने तथा उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है।

सरकार का उद्देश्य पारंपरिक हस्तशिल्प और हथकरघा विरासत को संरक्षित करने के साथ इन्हें देश और दुनिया के बड़े बाजारों तक पहुंचाना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसे सम्मान युवा पीढ़ी को पारंपरिक कला और शिल्प से जुड़ने के लिए प्रेरित करते हैं।

जम्मू-कश्मीर में आज अगस्त को भारी बारिश का अलर्ट

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। मौसम विभाग केंद्र श्रीनगर के अनुसार जम्मू-कश्मीर में अगले कुछ दिनों तक बारिश और गरज के साथ बौछारों का दौर जारी रहने की संभावना है। आज मौसम सबसे अधिक सक्रिय रह सकता है। जम्मू संभाग के कुछ जिलों में भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना है, जबकि कश्मीर के कुछ हिस्सों में तेज बारिश हो सकती है। मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि मूसलाधार बारिश के कारण संवेदनशील इलाकों में अचानक बाढ़, भूस्खलन और निचले क्षेत्रों में जलभराव की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। आज रात एक-दो स्थानों पर बहुत भारी बारिश होने की भी संभावना है। 12 से 16 अगस्त तक कई स्थानों पर हल्की बारिश और गरज के साथ बौछारें पड़ सकती हैं।

जम्मू में डेलीवेजरों का सचिवालय के बाहर जोरदार प्रदर्शन

प्रदर्शनकारियों ने कहा, कम मजदूरी में परिवार का खर्च चलाना मुश्किल

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू

न्यूनतम वेतन और नियमितीकरण की मांग को लेकर डेलीवेजरों का प्रदर्शन।

जम्मू में विभिन्न सरकारी विभागों में कार्यरत डेलीवेजरों ने अपनी लंबित मांगों को लेकर सोमवार को सिविल सचिवालय के बाहर जोरदार प्रदर्शन किया। आल डेलीवेजर्स संघर्ष समिति के बैनर तले बड़ी संख्या में पहुंचे कर्मचारियों ने न्यूनतम वेतन लागू करने और नियमितीकरण की मांग को लेकर सरकार के खिलाफ नारेबाजी की।

प्रदर्शनकारियों ने कहा कि उन्हें बेहद कम मजदूरी पर काम करना पड़ रहा है, जिससे परिवार का खर्च चलाना मुश्किल हो गया है। उन्होंने 30 रुपये प्रतिदिन की दिहाड़ी को अव्यावहारिक बताते हुए न्यूनतम वेतन के अनुसार भुगतान करने की मांग की। कर्मचारियों ने भुगतान में हो रही देरी पर भी नाराजगी जताई।

यूनियन नेताओं ने कहा कि डेलीवेजर वर्षों से विभिन्न विभागों में अपनी सेवाएं दे रहे हैं, लेकिन उनकी समस्याओं का स्थायी समाधान नहीं किया गया। उन्होंने सरकार से नियमितीकरण की नीति जल्द लागू करने और गरीब कर्मचारियों के हित में ठोस कदम उठाने की अपील की।

30 रुपए दिहाड़ी पर डेलीवेजरों ने जताया रोष

प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने उनकी मांगों पर जल्द सकारात्मक निर्णय नहीं लिया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। कर्मचारियों ने कहा कि वे लंबे समय से विभागों में पूरी निष्ठा से सेवाएं दे रहे हैं, लेकिन उन्हें आर्थिक और सामाजिक सुरक्षा का लाभ नहीं मिल रहा है। उन्होंने कहा कि न्यूनतम वेतन और नियमितीकरण मिलने से कर्मचारियों को राहत मिलेगी। यूनियन नेताओं ने सरकार से वार्ता कर जल्द समाधान निकालने की मांग की।

5.89 करोड़ से बदलेगी परेड सब्जी मंडी की पूरी तस्वीर, मिलेंगी आधुनिक सुविधाएं

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू

जम्मू की ऐतिहासिक परेड सब्जी मंडी का जल्द ही कायाकल्प होने जा रहा है। स्मार्ट सिटी मिशन और जम्मू नगर निगम के तहत मंडी के पुनर्विकास के लिए 5 करोड़ 89 लाख रुपये की योजना पर काम शुरू किया गया है। परियोजना पूरी होने के बाद मंडी आधुनिक, स्वच्छ और सुव्यवस्थित नजर आएगी। पुनर्विकास योजना के तहत मंडी में आधुनिक शेड, ग्रेनाइट प्लेटफार्म और 117 वेंडिंग प्लेटफार्म बनाए जाएंगे। इसके अलावा 44 स्थायी दुकानों का निर्माण भी किया जाएगा। इससे सब्जी विक्रेताओं को व्यवस्थित स्थान मिलने के साथ ग्राहकों को भी बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होंगी। मंडी में लंबे समय से जलभराव, गंदगी और अव्यवस्था की समस्या बनी हुई है। परियोजना के तहत इन समस्याओं को दूर करने के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं विकसित की जाएंगी।

अधिकारियों के अनुसार पुनर्विकास के बाद मंडी में स्वच्छता, जल निकासी और आवागमन की व्यवस्था बेहतर होगी। इससे व्यापारियों और खरीदारों के लिए आने वाले लोगों को सुविधा मिलेगी।

सकीना इटू ने हादसे में घायल छात्रों से अस्पताल में की मुलाकात

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू

पीड़ित परिवारों के साथ सरकार मजबूती से खड़ी : मंत्री

शिक्षा मंत्री सकीना इटू ने सोमवार को जम्मू में हुए भीषण हादसे में घायल छात्रों से मुलाकात कर उनके स्वास्थ्य और उपचार की जानकारी ली। मुख्यमंत्री के निर्देश पर अस्पताल पहुंची मंत्री ने चिकित्सकों और अधिकारियों से छात्रों की स्थिति तथा उन्हें उपलब्ध कराई जा रही चिकित्सा सुविधाओं की विस्तृत जानकारी ली।

सकीना इटू ने चिकित्सा दल को निर्देश दिए कि घायल छात्रों को सर्वोत्तम संभव उपचार उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने कहा कि छात्रों की स्वास्थ्य सुरक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। अस्पताल प्रशासन को चौबीसों घंटे निगरानी रखने और जरूरत के अनुसार सभी आवश्यक चिकित्सा सुविधाएं तत्काल उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए।

मंत्री ने घायल छात्रों से बातचीत कर उनका हालचाल जाना और उन्हें हरसंभव मदद का भरोसा दिलाया। उन्होंने चिकित्सकों से उपचार की प्रगति के बारे में भी जानकारी ली तथा कहा कि किसी भी स्तर पर चिकित्सा सुविधा में कमी नहीं होनी चाहिए। सकीना इटू ने हादसे से प्रभावित परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की।

बिश्नाह में 35 ग्राम हेरोइन जैसा पदार्थ बरामद, एक गिरफ्तार

भारतेंदु संवाददाता, बिश्नाह। जम्मू जिले के बिश्नाह थाना पुलिस ने जम्मू मुख्यालय जोन की तकनीकी टीम के सहयोग से नशीले पदार्थों की तस्करी के मामले में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से करीब 35 ग्राम हेरोइन जैसा पदार्थ बरामद करने का दावा किया है।

◆ **रिंग रोड के पास संदिग्ध पदार्थ के साथ गिरफ्तारी**

आरोपी की पहचान अंकुश जंगराल पुत्र अशोक कुमार निवासी कोटली मियान फतेह, आर.एस. पुरा के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, आरोपी बिश्नाह थाने में दर्ज प्राथमिकी संख्या 67/2026 में चल रही जांच से जुड़े नशीले पदार्थों के नेटवर्क की एक अहम कड़ी बताया जा रहा है। इस मामले में एनडीपीएस अधिनियम की धाराओं 8/21/22/25/29 और शस्त्र अधिनियम की धारा 3/25 के तहत जांच चल रही है।

जांच के दौरान पुलिस को मिली तकनीकी जानकारी के आधार पर आरोपी की गतिविधियों पर निगरानी रखी गई। इसके बाद पुलिस टीम ने रिंग रोड स्थित चक अवतारा के पास उसे पकड़ लिया। पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तारी के समय आरोपी जेके-02डीजी-4346 नंबर के वाहन में सवार था। कानूनी प्रक्रिया के तहत वाहन और आरोपी की तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से करीब 35 ग्राम हेरोइन जैसा संदिग्ध पदार्थ बरामद हुआ। पुलिस ने बरामद पदार्थ को जब्त कर लिया और आरोपी को आगे की पूछताछ के लिए हिरासत में ले लिया।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि गिरफ्तारी नशीले पदार्थों की सप्लाई चेन की जांच के लिहाज से महत्वपूर्ण है। आरोपी से पूछताछ के आधार पर नशीले पदार्थों के स्रोत, खरीदारों, आपूर्ति करने वालों और वितरण नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की जानकारी सामने आने की उम्मीद है। पुलिस ने बताया कि बरामद पदार्थ की जांच और मामले से जुड़े अन्य तथ्यों की पड़ताल की जा रही है।

25 दिन में धंसी सैनिक कॉलोनी की सड़क, पहली बारिश ने खोली स्मार्ट सिटी के दावों की पोल

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। जम्मू के सैनिक कॉलोनी सेक्टर सी में महज 25 दिन पहले बनी सड़क पहली ही तेज बारिश में धंस गई। सड़क के धंसने से स्मार्ट सिटी परियोजनाओं के तहत किए जा रहे विकास कार्यों की गुणवत्ता पर सवाल उठने लगे हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार जल निकासी की उचित व्यवस्था नहीं होने के कारण पानी का तेज बहाव सड़क के नीचे से मिट्टी बहाकर ले गया, जिससे सड़क बड़े गड्ढों में तब्दील हो गई। सड़क के साथ गुजरने वाले नाले में भी मिट्टी का कटाव हुआ है। टाइलें उखड़ने और सड़क धंसने से वाहन चालकों तथा राहगीरों के लिए दुर्घटना का खतरा बढ़ गया है।

स्थानीय निवासियों ने संबंधित विभाग और ठेकेदार से तत्काल सड़क की मरम्मत कराने तथा निर्माण कार्य की जांच कर जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई की मांग की है। लोगों का कहना है कि बारिश के दौरान स्थिति और गंभीर हो सकती है। लोगों ने कहा कि जल्द मरम्मत नहीं हुई तो सड़क पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो सकती है और आवागमन बाधित होने की आशंका है।

सुरक्षा

गृह मंत्रालय ने उपकरणों की खरीद के लिए 4.54 करोड़ रुपए से अधिक की राशि मंजूर की

पहाड़ों में आतंकियों से मुकाबले के लिए जवानों को मिलेगी नई ताकत

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर के ऊंचाई वाले और बर्फीले इलाकों में आतंकवाद विरोधी अभियानों में तैनात केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के जवानों को जल्द ही विशेष सर्दी उपकरण उपलब्ध कराए जाएंगे। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने करीब 600 जवानों के लिए 4.54 करोड़ रुपये से अधिक की राशि मंजूर की है। इन उपकरणों का इस्तेमाल लंबे समय तक चलने वाले गश्त, तलाशी और अभियान के दौरान किया जाएगा।

स्वीकृत राशि से जवानों के लिए बर्फ में इस्तेमाल होने वाले जूते, गेटर, स्लीपिंग बैग, चश्मे, दस्ताने, इंसुलेटिंग मैट, थर्मल इनसोल, कंबल, टेंट, रक्सैक और बचाव बैग खरीदे जाएंगे। इसके अलावा डीआरडीओ का हिमसुरक्षा गर्म कपड़ा भी

बर्फीले मोर्चे पर जवानों को सुरक्षा कवच

उपलब्ध कराया जाएगा। अधिकारियों के अनुसार, ऊंचाई वाले क्षेत्रों में तैनात जवानों को कठिन मौसम परिस्थितियों के बीच अभियान चलाना पड़ता है। पहलगाम आतंकी हमले के बाद इन इलाकों में सुरक्षा बलों की गतिविधियां बढ़ी हैं।

दुर्गम क्षेत्रों में अभियान आसान

अधिकारियों के अनुसार इन उपकरणों की मदद से जवानों को बर्फीले और दुर्गम इलाकों में लंबे समय तक अभियान चलाने में सुविधा होगी। गृह मंत्रालय ने जुलाई में सीआरपीएफ के प्रस्ताव को मंजूरी दी थी। उपकरणों की उपयोगी अवधि करीब दो वर्ष बताई गई है। आवश्यकता पड़ने पर भविष्य में इनकी खरीद के लिए अतिरिक्त राशि भी मंजूर की जा सकती है।

बर्फीले इलाकों में बढ़ेगी क्षमता

इन विशेष संसाधनों से जवानों को अत्यधिक ठंड और बर्फीले मौसम में राहत मिलेगी। बेहतर जूते, गर्म कपड़े, दस्ताने और अन्य सुरक्षा सामग्री कठिन इलाकों में उनकी आवाजाही को आसान बनाएगी। इससे गश्त और निगरानी के दौरान ठंड से होने वाली परेशानियां कम होंगी। अधिकारियों का मानना है कि मजबूत साजोसामान से जवान अधिक आत्मविश्वास के साथ दुर्गम क्षेत्रों में जिम्मेदारियां निभा सकेंगे और सुरक्षा अभियानों को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ा सकेंगे।

जवानों को मिलेगी अतिरिक्त सुरक्षा

इसके तहत जवानों को बर्फीले इलाकों में अभियान के दौरान बेहतर सुरक्षा और सुविधा मिलेगी। विशेष उपकरणों से अत्यधिक ठंड, बर्फबारी और कठिन भौगोलिक परिस्थितियों में उनकी कार्यक्षमता बनाए रखने में मदद होगी। अधिकारियों का कहना है कि इन संसाधनों से जवान लंबे समय तक गश्त, तलाशी और निगरानी अभियान प्रभावी ढंग से चला सकेंगे। इससे दुर्गम क्षेत्रों में तैनात सुरक्षा बलों की परिचालन क्षमता भी मजबूत होगी और कठिन परिस्थितियों में अभियान चलाना अधिक सुरक्षित व सुविधाजनक हो सकेगा।

न्यूज ब्रीफ

सरकारी मेडिकल कॉलेजों की फैकल्टी को साल में 15 दिन अकादमिक अवकाश

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। प्रदेश सरकार ने सरकारी मेडिकल कॉलेजों की फैकल्टी की लंबे समय से चली आ रही मांग को स्वीकार करते हुए अब एक कैलेंडर वर्ष में अधिकतम 15 दिन का अकादमिक अवकाश देने की अधिसूचना जारी की है। इसमें हिमाचल के सरकारी मेडिकल कॉलेजों के साथ एआईआईएमएस चमियाना (शिमला) और राजकीय डेंटल कॉलेज शिमला भी शामिल हैं। यह निर्णय डॉक्टरों के एक प्रतिनिधिमंडल द्वारा मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू के समक्ष मांग रखने के बाद लिया गया। अकादमिक अवकाश का उपयोग अन्य विश्वविद्यालयों या संस्थानों में परीक्षा ड्यूटी, निरीक्षण, सम्मेलनों में भाग लेने तथा राज्य से बाहर राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग और राष्ट्रीय दंत चिकित्सा आयोग के निरीक्षण कार्यों के लिए किया जा सकेगा। अधिसूचना के अनुसार अकादमिक अवकाश के दौरान यात्रा भत्ता, दैनिक भत्ता और अन्य खर्चों का भुगतान राज्य सरकार नहीं करेगी। वहीं, हिमाचल के भीतर सरकारी मेडिकल एवं डेंटल कॉलेजों, जिनमें एआईआईएमएस चमियाना शामिल है, में NMC/NDC के परीक्षक या निरीक्षक के रूप में सेवाएं देने वाले फैकल्टी सदस्यों को ऑन ड्यूटी माना जाएगा।

गलोड़ बाजार में सुधीर शर्मा का पुतला जलाया

भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू के खिलाफ कथित अभद्र टिप्पणी को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सोमवार को गलोड़ बाजार में प्रदर्शन किया। जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुमन भारती की अगुवाई में हुए प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने सुधीर शर्मा के खिलाफ नारेबाजी की और उनका पुतला जलाकर विरोध जताया। प्रदर्शन में नादौन कांग्रेस अध्यक्ष कैप्टन पृथ्वी चंद, गलोड़ ब्लॉक अध्यक्ष प्रेम चंद सहित युवा कांग्रेस और महिला कांग्रेस के पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे। जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुमन भारती ने आरोप लगाया कि सुधीर शर्मा की टिप्पणी अशोभनीय व आपत्तिजनक है। उन्होंने कहा कि इस तरह की बयानबाजी से राजनीतिक मर्यादाओं को ठेस पहुंचती है। भारती ने कहा कि सुधीर शर्मा के पिता का कांग्रेस से पुराना संबंध रहा है और ऐसे में उन्हें सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी चाहिए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ता मुख्यमंत्री के खिलाफ की गई कथित अभद्र टिप्पणी को लेकर अपना विरोध जारी रखेंगे। प्रदर्शनकारियों ने इस दौरान सुधीर शर्मा के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

हमीरपुर में भाजपा ने निकाली तिरंगा यात्रा

भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। भाजपा मंडल ग्रामीण व शहरी हमीरपुर ने सोमवार को हर घर तिरंगा अभियान के तहत भोटा चौक से गांधी चौक तक तिरंगा यात्रा निकाली। सदर विधायक आशीष शर्मा की अगुवाई में आयोजित रैली में लोगों से अपने घरों पर तिरंगा फहराने की अपील की। रैली के बाद विधायक आशीष शर्मा के नेतृत्व में भाजपा नेताओं ने जिलाधीश हमीरपुर को ज्ञापन सौंपा। इसमें पंचायत समिति हमीरपुर के अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के चुनाव जल्द करवाने तथा लंबलू उपतहसील में लंबे समय से रिक्त तहसीलदार के पद को भरने की मांग की गई। आशीष शर्मा ने कहा कि पंचायतीराज संस्थाओं के चुनाव हुए दो माह से अधिक समय बीत चुका है, लेकिन पंचायत समिति के अध्यक्ष-उपाध्यक्ष का चुनाव लंबित है। इससे विकास कार्य प्रभावित हो रहे हैं। उन्होंने लंबलू में अधिकारी की तैनाती जल्द करने की मांग भी उठाई, ताकि लोगों को राजस्व व प्रमाणपत्र संबंधी कार्यों में परेशानी न हो। इस अवसर पर भाजपा पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

ज्यादा दाम वसूलने पर पांच ढाबों पर कार्रवाई

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। कीरतपुर-मनाली फोरलेन पर यात्रियों से सामान की प्रिंट रेट से अधिक कीमत वसूलने वाले पांच ढाबा संचालकों के खिलाफ विधिक माप विज्ञान विभाग ने कार्रवाई की है। विभागीय टीम ने औचक निरीक्षण के दौरान कोल्ड ड्रिंक, सिगरेट सहित अन्य सामान पर निर्धारित कीमत से अधिक राशि वसूलते हुए ढाबा संचालकों को पकड़ा और उनके चालान किए। विभाग को फोरलेन पर स्थित ढाबों व दुकानों में यात्रियों से मनमाने दाम वसूलने की लगातार शिकायतें मिल रही थीं। शिकायतों के आधार पर विधिक माप विज्ञान विभाग बिलासपुर के सहायक नियंत्रक प्रवीण सिउटा के नेतृत्व में टीम ने मैहला, औहर, भगेड़ और घुमारवीं रोड क्षेत्र में औचक निरीक्षण किया। विभाग ने स्पष्ट किया कि यात्रियों व उपभोक्ताओं से प्रिंट रेट से अधिक कीमत वसूलना स्वीकार नहीं किया जाएगा। फोरलेन पर बढ़ती आवाजाही के बीच उपभोक्ताओं से अपील की गई है कि सामान खरीदते समय पैकेट पर अंकित एमआरपी जरूर जांचें। अधिक कीमत वसूले जाने पर विभाग को शिकायत करने की सलाह दी गई है।

स्वच्छता पर प्रशिक्षित होंगी आंगनबाड़ी कार्यकर्ता

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। चेतना संस्था के अंतर्गत जन शिक्षण संस्थान बिलासपुर द्वारा विजयपुर स्थित मुख्य कार्यालय में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के लिए 'फंडामेंटल्स ऑफ पोषक (पोषण शिक्षा एवं कौशल)' के द्वितीय प्रशिक्षण पाठ्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम की मुख्यातिथि एसडीएम झंडूता अर्शिया शर्मा रहीं। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। चेतना संस्था के अध्यक्ष पुरुषोत्तम शर्मा ने अतिथियों व प्रशिक्षणार्थियों का स्वागत किया। संस्थान के निदेशक अरुण कुमार गौतम ने प्रशिक्षण के विभिन्न मॉड्यूल की जानकारी देते हुए पोषण, स्वास्थ्य, स्वच्छता और साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूकता के महत्त्व पर प्रकाश डाला। जन शिक्षण संस्थान की उपाध्यक्ष नीना कौशल ने कहा कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ता बच्चों, महिलाओं और परिवारों से सीधे जुड़कर पोषण, स्वास्थ्य, स्वच्छता तथा बाल विकास में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। मुख्यातिथि अर्शिया शर्मा ने प्रशिक्षणार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि ऐसे कौशल आधारित कार्यक्रम पोषण और बाल विकास को मजबूत बनाने में सहायक होंगे। उन्होंने चेतना संस्था के महिला सशक्तिकरण और दिव्यांगजनों के लिए किए जा रहे कार्यों की भी सराहना की।

गांव में ही शहर जैसी सुविधाएं प्रदान करने का प्रयास कर रही सरकार : सीएम सुक्खू

आग के साथ बारिश-भूस्खलन में भी राहत-बचाव करेगी नेरवा फायर चौकी

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने शिमला से वर्चुअल माध्यम द्वारा जिला शिमला के नेरवा में नवस्थापित अग्निशमन चौकी का लोकार्पण किया।

इस अवसर पर क्षेत्रवासियों को बधाई देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह अग्निशमन चौकी केवल आग लगने की घटनाओं से निपटने तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि भारी बारिश, भूस्खलन और अन्य आपातकालीन परिस्थितियों में राहत एवं बचाव कार्यों में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि अग्निशमन चौकी से नेरवा क्षेत्र के लगभग 55 हजार लोगों को लाभ मिलेगा और यहां पर दो गाड़ियां जल्द ही उपलब्ध करवाई जाएंगी। उन्होंने कहा कि आग लगने की घटना में क्षेत्र के पारंपरिक लकड़ी के मकानों, व्यावसायिक प्रतिष्ठानों और बहुमूल्य सेब बगीचों को समय रहते सुरक्षित किया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि पहले नेरवा क्षेत्र में आग लगने अथवा अन्य आपदाओं की घटनाओं पर चौपाल, देहा, ठियोग व शिमला से अग्निशमन वाहन भेजने पड़ते थे, जिनको घटनास्थल तक पहुंचने में कई घंटे लग जाते थे। अब स्थानीय अग्निशमन चौकी स्थापित होने से आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित होगी। सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा कि अग्निशमन चौकी नेरवा के सुचारू संचालन के लिए 17 नए पद स्वीकृत किए गए हैं। इसके अलावा दो नए अग्निशमन वाहन भी स्वीकृत किए गए हैं तथा विभाग द्वारा एक वाटर टेंडर टाइप-बी आवंटित किया गया है। उन्होंने कहा कि इस वाहन की खरीद पर 59 लाख रुपये व्यय किए गए हैं। नेरवा में अग्निशमन चौकी की स्थापना से क्षेत्र की आपातकालीन सुरक्षा व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ हुई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के साथ-साथ गांवों में रहने वाले लोगों को उनके घर-द्वार के समीप शहर जैसी बेहतर सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में मिल्क प्लांट स्थापित करने के लिए राज्य सरकार आवश्यक धनराशि उपलब्ध करवाएगी, जिसके लिए एफसीए की अनुमति प्राप्त करने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं।

सीएम को चौपाल दौरे का दिया न्योता

इस अवसर पर नेरवा में उपस्थित कांग्रेस नेता रजनीश किमटा ने अग्निशमन चौकी के लोकार्पण के लिए मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि क्षेत्र की वर्षों पुरानी मांग आज पूरी हुई है और इस चौकी से नेरवा के साथ-साथ आस-पास के क्षेत्रों को लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार के कार्यकाल में चौपाल विधानसभा क्षेत्र में विकास के अनेक कार्य हुए हैं, जिनका लाभ क्षेत्रवासियों को मिल रहा है। उन्होंने मुख्यमंत्री को चौपाल विधानसभा क्षेत्र का प्रवास करने का निमंत्रण भी दिया। इस अवसर पर अतिरिक्त मुख्य सचिव आर.डी. नजीम, डीजी (होमगार्ड) सतवंत अटवाल और अग्निशमन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

जनादेश हार चुकी कांग्रेस अब प्रशासन के सहारे जिला परिषद पर कब्जा करना चाहती है : जयराम

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। नेता प्रतिपक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने शिमला जिला परिषद के अध्यक्ष व उपाध्यक्ष का चुनाव अब तक नहीं करवाए जाने को लेकर प्रदेश की कांग्रेस सरकार पर जोरदार हमला बोला है।

उन्होंने कहा कि शिमला जिला परिषद के निर्वाचित सदस्यों को अपने अध्यक्ष और उपाध्यक्ष का चुनाव करवाने के लिए दोबारा हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाना पड़ रहा है। यह स्थिति अपने आप में बताती है कि प्रदेश में पंचायती राज संस्थाओं और जनता के जनादेश के प्रति सरकार का रवैया क्या है। उन्होंने कहा कि ममता व अन्य बनाम हिमाचल प्रदेश राज्य एवं अन्य के नाम से 10 अगस्त को दायर याचिका में 13 निर्वाचित जिला परिषद सदस्यों ने राज्य निर्वाचन आयोग, हिमाचल प्रदेश सरकार और उपायुक्त शिमला को प्रतिवादी बनाते हुए अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष के चुनाव के लिए वैधानिक बैठक तत्काल बुलाने की मांग की है। याचिका में हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 90 और निर्वाचन नियमों के अनुसार चुनाव प्रक्रिया पूरी कराने का आग्रह किया गया है। जयराम ने कहा कि पूरे घटनाक्रम की तारीखें अपने आप सरकार और प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े करती हैं। शिमला जिला परिषद में 25 निर्वाचित सीटें हैं। पंचायत चुनाव तीन चरणों—26 मई, 28 मई और 30 मई 2026 में हुए और मतगणना के बाद 31 मई/1 जून को परिणाम घोषित किए गए। इसके बाद निर्वाचित सदस्यों की वैधानिक प्रक्रिया पूरी होनी थी। उन्होंने कहा कि 3 जून को उपायुक्त शिमला ने सभी निर्वाचित सदस्यों को 6 जून की बैठक में बुलाने का नोटिस जारी किया था। इस नोटिस में बाकायदा हिमाचल प्रदेश पंचायतीराज अधिनियम की धारा 90 और 127 का उल्लेख किया गया था। 6 जून को सभी निर्वाचित सदस्य उपस्थित हुए, आवश्यक कोरम पूरा था और सभी को शपथ भी दिलाई गई। इसके बावजूद अध्यक्ष और उपाध्यक्ष का चुनाव नहीं कराया गया तथा बैठक को बिना कोई कारण बताए स्थगित कर दिया गया।

अशोक बने अखिल भारतीय नेटबाल संघ के महासचिव

भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। हिमाचल प्रदेश के लिए खेल जगत में गौरव का एक और अध्याय जुड़ गया है। अखिल भारतीय नेटबाल संघ के हरियाणा के पलवल में हुए चुनाव में हिमाचल प्रदेश नेटबाल संघ के महासचिव अशोक कुमार आनंद को वर्ष 2026 से 2029 तक के लिए अखिल भारतीय नेटबाल संघ का महासचिव चुना गया है।

चुनाव सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी सुधीर त्रिपाठी की देखरेख में हुआ। नई कार्यकारिणी का गठन सर्वसम्मति से किया गया। नई कार्यकारिणी में हरिओम कौशिक को राष्ट्रीय अध्यक्ष चुना गया। अमित अरोड़ा, मनाली कुमारी, सुमन कौशिक और विवेक कुमार सैनी उपाध्यक्ष, जबकि आकाश बत्रा, पूजा चोपड़ा, राजेश राठौर और बी. विक्रम आदित्य रेड्डी संयुक्त सचिव चुने गए। विजय कौशिक को कोषाध्यक्ष बनाया गया। कार्यकारिणी में जेनी इयाफिनयाव, प्रिया, राजिंदर कौर और ऋतुराज द्वारका प्रसाद यादव को शामिल किया गया। अशोक आनंद के अखिल भारतीय नेटबाल संघ का महासचिव बनने को हिमाचल प्रदेश के खेल जगत के लिए बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है। इससे पहले हिमाचल से राजेश भंडारी भारतीय मुक्केबाजी संघ के महासचिव रह चुके हैं। वहीं विद्या स्टोक्स राष्ट्रीय हॉकी से जुड़ी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी संभाल चुकी हैं, जबकि अनुराग ठाकुर व वीरेंद्र कंवर भी राष्ट्रीय खेल संगठनों में महत्वपूर्ण पदों पर रहे हैं, अब अशोक आनंद का नाम भी राष्ट्रीय खेल महासचिवों की सूची में शामिल हो गया है। मंडी जिले के धर्मपुर उपमंडल के गांव खौदा निवासी 48 वर्षीय अशोक आनंद ने दसवीं और जमा दो की शिक्षा राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला टिहरा से प्राप्त की। इसके बाद सरकाघाट डिग्री कॉलेज से स्नातक, अमरावती विश्वविद्यालय से बीपीएड तथा हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय से शारीरिक शिक्षा में स्नातकोत्तर की डिग्री हासिल की। उन्होंने विनायक विश्वविद्यालय से एमफिल किया है। इसके अलावा राष्ट्रीय खेल संस्थान, गांधीनगर (गुजरात) से नेटबाल प्रशिक्षक का प्रशिक्षण भी प्राप्त किया है। अशोक ने वर्ष 1999 में नेटबाल खेलना शुरू किया और पिछले करीब 25 वर्षों से इस खेल को अपनी सेवाएं दे रहे हैं। उन्होंने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खिलाड़ी, रेफरी, कोच और प्रशिक्षक के रूप में कार्य किया है। नेटबाल के प्रति उनके लंबे अनुभव व समर्पण को देखते हुए उन्हें अखिल भारतीय नेटबाल संघ में महासचिव की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिली है। उनके राष्ट्रीय महासचिव बनने से हिमाचल प्रदेश के नेटबाल खिलाड़ियों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आगे बढ़ने के अधिक अवसर मिलने की उम्मीद है।

डमटाल में अवैध खनन पर पुलिस की कार्रवाई अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज

भारतेन्दु संवाददाता, नूरपुर। नूरपुर पुलिस ने क्षेत्र में अवैध खनन के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत डमटाल थाना क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

पुलिस ने चक्की क्षेत्र में ठाकुर राम गोपाल मंदिर की भूमि पर कथित अवैध खनन का मामला सामने आने के बाद यह कार्रवाई की। एएसपी धर्म चंद वर्मा ने बताया कि पुलिस थाना डमटाल की टीम को सूचना मिली थी कि चक्की क्षेत्र में मंदिर की भूमि पर अवैध रूप से खुदाई और खनन किया जा रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने तत्काल मौके पर पहुंचकर जांच की। मौके पर एक पोकलेन मशीन और दो ट्रक टिप्पर पाए गए, जिनका इस्तेमाल कथित तौर पर खुदाई और खनन सामग्री भरने के लिए किया जा रहा था। पुलिस ने शिकायत के आधार पर थाना डमटाल में प्राथमिकी संख्या 131/2026 दर्ज की है। मामले में अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 303(2) और 3(5) तथा खान एवं खनिज (विकास और विनियमन) अधिनियम की धारा 21 के तहत कार्रवाई की गई है। पुलिस के अनुसार मामले की जांच जारी है और अवैध खनन में संलिप्त लोगों की पहचान की जा रही है। नूरपुर पुलिस ने स्पष्ट किया कि क्षेत्र में अवैध खनन और अन्य गैर-कानूनी गतिविधियों के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा तथा दोषियों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

अति निर्धन परिवारों के साथ जनसंवाद, योजनाओं की दी जानकारी

भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। सरकार की 'अपना परिवार सुखी परिवार' योजना के तहत सोमवार को जिले के विभिन्न विकास खंडों में अति निर्धन परिवारों के साथ जनसंवाद कार्यक्रम आयोजित किए गए। सदर विकास खंड की ग्राम पंचायत बीर और कोटली में आयोजित कार्यक्रमों में ग्रामीणों ने अपनी समस्याएं और सुझाव रखे। डीसी अपूर्व देवगन ने बताया कि जनसंवाद के दौरान अति निर्धन परिवारों के विकास और कल्याण से जुड़ी योजनाओं पर चर्चा की जा रही है। प्राप्त सुझावों के आधार पर सरकार द्वारा योजनाएं तैयार कर उन्हें धरातल पर लागू किया जाएगा। मंडी जिले में यह अभियान 10 से 12 अगस्त तक विकास खंडवार चलेगा। उन्होंने बताया कि प्रदेश में करीब 1.78 लाख अति निर्धन परिवार चिन्हित किए गए हैं। सरकार का उद्देश्य इन परिवारों को कल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाकर उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार लाना है।

प्रो. प्रेम कुमार धूमल के आवास पर हुई संत शिरोमणि गुरु रविदास जी की कलश वंदना

अनिल कुमार, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। संत शिरोमणि गुरु रविदास जी की जयंती के पावन अवसर पर देशभर में आयोजित किए जा रहे कलश वंदना कार्यक्रम के तहत जिला भाजपा हमीरपुर द्वारा जिलाध्यक्ष राकेश ठाकुर के नेतृत्व में संत गुरु रविदास जी का पावन कलश पूर्व मुख्यमंत्री एवं वरिष्ठ भाजपा नेता प्रो. प्रेम कुमार धूमल को उनके आवास पर सौंपा गया।

प्रो. प्रेम कुमार धूमल ने श्रद्धापूर्वक कलश की वंदना की और संत रविदास जी के महान विचारों को स्मरण किया। कलश वंदना के उपरांत इस पावन कलश को प्रो. प्रेम कुमार धूमल के कुलजा माता मंदिर, अवाहदेवी में विधिवत स्थापित किया गया। इस अवसर पर प्रो. प्रेम कुमार धूमल ने कहा कि संत शिरोमणि गुरु रविदास जी ने अपने जीवन और संदेश के माध्यम से समाज को समानता, सद्भाव, भाईचारे और मानवता का मार्ग दिखाया। उन्होंने सामाजिक भेदभाव और कुरीतियों के विरुद्ध आवाज उठाते हुए ऐसे समाज का संदेश दिया, जिसमें प्रत्येक व्यक्ति को समान सम्मान और अधिकार प्राप्त हों।

उन्होंने कहा कि संत गुरु रविदास जी का जीवन और उनके विचार आज भी पूरी मानवता के लिए प्रेरणास्रोत हैं। उनके संदेश को जन-जन तक पहुंचाना और उनके आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात करना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है। कलश वंदना कार्यक्रम के माध्यम से संत रविदास जी के समानता, सामाजिक समरसता, भाईचारे और मानव कल्याण के संदेश को समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचाने का संकल्प लिया गया।

केंद्र के खिलाफ की नारेबाजी

भगत सिंह गुलेरिया, भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। भारत छोड़ो दिवस की 84वीं वर्षगांठ पर सीटू से जुड़े विभिन्न संगठनों ने सोमवार को मंडी शहर में विरोध रैली निकाली। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने केंद्र सरकार की नीतियों के खिलाफ नारेबाजी करते हुए किसानों, मजदूरों और आम जनता से जुड़े मुद्दे उठाए। सीटू के जिला सचिव राजेश कुमार ने कहा कि संयुक्त किसान मोर्चा और केंद्रीय ट्रेड यूनियनों के आह्वान पर देशभर में विरोध कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने किसानों की फसलों के लिए सी2+50 प्रतिशत के आधार पर न्यूनतम समर्थन मूल्य की कानूनी गारंटी और सरकारी खरीद सुनिश्चित करने की मांग की। प्रदर्शनकारियों ने मनरेगा के तहत सालाना 200 दिन रोजगार और 700 रुपये दैनिक मजदूरी की गारंटी देने, ग्रामीण कर्ज माफ करने तथा किसानों और दिहाड़ी मजदूरों के लिए व्यापक कर्ज माफी की मांग भी उठाई। इसके अलावा बिजली निजीकरण विधेयक और बीज विधेयक वापस लेने, भूमि अधिकारों की रक्षा तथा आपदा प्रभावितों को पर्याप्त राहत देने की मांग की गई।

बिलासपुर पुलिस का नशे पर प्रहार, 5 मुख्य सप्लायर काबू

45 दिनों में 51 मामले, 85 आरोपी गिरफ्तार व 700 ग्राम चिट्टा बरामद

अमर सिंह ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। बिलासपुर पुलिस ने नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में बड़ी सफलता हासिल करते हुए अलग-अलग पांच मामलों में पांच मुख्य सप्लायरों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस ने वित्तीय लेन-देन, डिजिटल साक्ष्य, कॉल डिटेल और बैकवर्ड-फॉरवर्ड लिंकेज की जांच के जरिए नशे की सप्लाई चेन तक पहुंच बनाई। पुलिस अधीक्षक अभिषेक धीमान ने सोमवार को मीडिया को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार घुमारवीं थाना क्षेत्र के एक मामले में 121.44 ग्राम चिट्टे के साथ पकड़े गए आरोपी से पूछताछ के बाद स्थानीय पेडलर राकेश कुमार उर्फ सानू को मनाली से गिरफ्तार किया गया। इसके बाद मुख्य सप्लायर आशीष जोसेफ निवासी बटाला, पंजाब को दबिश देकर पकड़ा गया। सदर थाना क्षेत्र में 9.05 ग्राम चिट्टे के मामले में इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों के आधार पर अभिषेक उर्फ मस्कड़ा को शिमला से गिरफ्तार किया गया। वह खरड़ में रहकर बिलासपुर में नशे की सप्लाई कर रहा था। एक अन्य मामले में 9.01 ग्राम चिट्टे की बरामदगी के बाद मनी ट्रेल और इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों के आधार पर चंडीगढ़ निवासी रीना पिवाल को गिरफ्तार किया गया।

पांच अगस्त को 14.72 ग्राम चिट्टे के साथ पकड़े गए आरोपी से मिली जानकारी और व्हाट्सऐप चैट के आधार पर अमृतसर से मुख्य सप्लायर गोविंदा सिंह उर्फ रोशन को दबोचा गया। वहीं, चार किलोग्राम चरस के मामले में वित्तीय लेन-देन और कॉल एनालिसिस के जरिए मंडी निवासी हुकम राम तक पहुंचकर उसे गिरफ्तार किया गया। एसपी ने बताया कि वर्ष 2026 में अब तक एनडीपीएस एक्ट के तहत 161 मामले दर्ज किए गए हैं और करीब एक किलोग्राम हेरोइन/चिट्टा बरामद हुआ है। पिछले 45 दिनों में 51 मामले दर्ज कर 85 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है, जबकि 700 ग्राम हेरोइन/चिट्टा बरामद हुआ। पुलिस की बैकवर्ड लिंकेज जांच से पंजाब, चंडीगढ़ और अन्य क्षेत्रों से जुड़े नौ प्रमुख सप्लायर भी गिरफ्तार किए गए हैं।

अनुमान प्रदेश में 16 अगस्त तक बारिश का दौर, आज तीन जिलों में बारिश का ऑरेंज अलर्ट

124 सड़कें बंद, 255 ट्रांसफार्मर व 17 पेयजल योजनाएं प्रभावित

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश में मानसून एक बार फिर सक्रिय है। शिमला सहित प्रदेश के कई हिस्सों में बीती रात तेज बारिश हुई। मौसम विभाग ने 16 अगस्त तक बारिश का दौर जारी रहने का अनुमान जताया है। 11 अगस्त को कुछ स्थानों पर भारी से बहुत भारी बारिश हो सकती है।

इसके बाद 14 से 16 अगस्त के बीच भी कई जगह भारी बारिश की चेतावनी है। लगातार बारिश से भूस्खलन का खतरा बढ़ गया है और कई सड़कें, बिजली ट्रांसफार्मर और पेयजल योजनाएं प्रभावित हुई हैं। पिछले 24 घंटों में धर्मशाला में सबसे ज्यादा 60 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। सोलन जिले के अर्की में 50 मिलीमीटर, शिमला जिले के ठियोग में 40 मिलीमीटर, सिरमौर के पांवटा साहिब में 40 मिलीमीटर और शिमला में 40 मिलीमीटर बारिश हुई। मंडी जिले के जोगिंद्रनगर में भी 40 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। शिमला के जुब्बड़हट्टी एयरपोर्ट में 30 मिलीमीटर, शिमला ए.डब्ल्यू.एस. में 30 मिलीमीटर, बिलासपुर के घाघस में 30 मिलीमीटर, शिमला जिले के शिलारो में 30 मिलीमीटर, सिरमौर के सराहन में 30 मिलीमीटर और मंडी के कटौला में 30 मिलीमीटर बारिश हुई। मंडी के बिजाही में 30 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई।

मौसम विभाग के अनुसार 11 अगस्त को कांगड़ा, मंडी और सिरमौर में भारी से बहुत भारी बारिश का ओरेंज अलर्ट जारी किया गया है। ऊना, बिलासपुर, हमीरपुर, चंबा, शिमला और सोलन के लिए येलो अलर्ट है। 12 अगस्त को बिलासपुर, चंबा, कांगड़ा, मंडी, सोलन और सिरमौर में भारी बारिश का येलो अलर्ट है। 13 अगस्त को बिलासपुर, हमीरपुर, चंबा, कांगड़ा और मंडी में येलो अलर्ट रहेगा। 14 अगस्त को हमीरपुर, चंबा, कांगड़ा, कुल्लू और मंडी में येलो अलर्ट जारी किया गया है। 15 और 16 अगस्त को भी प्रदेश के कई जिलों में येलो अलर्ट रहेगा। बारिश का असर प्रदेश की सड़कों और बिजली व्यवस्था पर भी दिख रहा है। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र के सोमवार सुबह तक के आंकड़ों के अनुसार प्रदेश में भूस्खलन के कारण 124 सड़कें बंद हैं। 255 बिजली ट्रांसफार्मर और 17 पेयजल परियोजनाएं भी प्रभावित हैं। सड़कें बंद होने के मामले में मंडी सबसे आगे है, जहां 51 सड़कें अवरुद्ध हैं। कुल्लू में 39, शिमला में 13, चंबा में सात, सिरमौर में छह, कांगड़ा में पांच और ऊना में तीन सड़कें बंद हैं। बिजली आपूर्ति पर सबसे ज्यादा असर मंडी जिले में पड़ा है। यहां 245 बिजली ट्रांसफार्मर बंद हैं। इसके कारण जिले के कई उपमंडलों में बिजली आपूर्ति प्रभावित हुई है। अकेले जोगिंद्रनगर उपमंडल में 162 ट्रांसफार्मर खराब हैं। पेयजल योजनाओं पर भी बारिश का असर पड़ा है। शिमला में 12 और हमीरपुर के बड़सर में पांच पेयजल योजनाएं ठप हैं। इस बीच, राजधानी शिमला में चमियाना फोरलेन के पास भूस्खलन से सड़क पर मलबा आ गया, जिससे यातायात प्रभावित हुआ। सूचना मिलते ही पुलिस ने लोक निर्माण विभाग को जानकारी दी। इसके बाद विभाग की मशीनरी मौके पर पहुंची और मलबा हटाने का काम शुरू किया गया। फिलहाल सड़क बहाल करने का काम जारी है। पुलिस ने मौके पर यातायात व्यवस्था संभालने के लिए जरूरी इंतजाम किए हैं। वाहन चालकों से सावधानी बरतने और पुलिस कर्मियों के निर्देशों का पालन करने को कहा गया है।

इस मानसून में 155 लोगों की मौत

हिमाचल में इस मानसून सीजन में बारिश से जुड़े हादसों में अब तक 155 लोगों की मौत हो चुकी है। मानसून 30 जून को प्रदेश में पहुंचा था। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र के 30 जून से अब तक के आंकड़ों के अनुसार प्रदेश को करीब 835 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है। कुल 155 मौतों में 87 लोगों की जान सड़क हादसों में गई है। भूस्खलन से 14 लोगों की मौत हुई है। अचानक आई बाढ़ यानी फ्लैश फ्लड से एक व्यक्ति की मौत हुई है। बहने से चार लोगों की जान गई है। बिजली का करंट लगने से छह लोगों की मौत हुई है। पहाड़ी से फिसलने, पेड़ से गिरने और दूसरे बारिश से जुड़े हादसों में 23 लोगों की मौत हुई है।

डीसी ने डॉ. अनीता शर्मा की पुस्तक का किया विमोचन

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। बचत भवन में सोमवार को पूर्व जिला भाषा अधिकारी डॉ. अनीता शर्मा की पुस्तक 'विष्णु प्रभाकर के नाटकों में पारिवारिक संबंध' का विमोचन उपायुक्त बिलासपुर राहुल कुमार ने किया। उन्होंने लेखिका को पुस्तक के प्रकाशन पर बधाई देते हुए इसे साहित्यिक कृति के साथ-साथ बदलते पारिवारिक रिश्तों और सामाजिक मूल्यों को समझने वाला महत्वपूर्ण शोध कार्य बताया। राहुल कुमार ने कहा कि वर्तमान समय में पारिवारिक रिश्तों का स्वरूप तेजी से बदल रहा है। ऐसे में साहित्य लोगों को रिश्तों, जिम्मेदारियों और मानवीय संवेदनाओं को समझने का अवसर देता है। उन्होंने बच्चों और युवाओं में पढ़ने की आदत विकसित करने पर भी जोर दिया। डॉ. अनीता शर्मा ने बताया कि विष्णु प्रभाकर के नाटकों में परिवार आपसी समझ, संवेदनाओं और जीवन-मूल्यों के विकास का महत्वपूर्ण माध्यम है। पुस्तक में इन्हीं पहलुओं का शोधपरक विश्लेषण किया गया है। इस अवसर पर डॉ. लेखराम शर्मा, जीतराम सुमन, कुलदीप चंदेल सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

हिमाचल में 996 एमबीबीएस और 400 पीजी सीटें : केंद्र

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश में मेडिकल शिक्षा व स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर केंद्र सरकार ने लोकसभा में स्थिति स्पष्ट की है। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल ने सांसद सुरेश कुमार कश्यप के अतारांकित प्रश्न के लिखित जवाब में बताया कि प्रदेश में सात सरकारी मेडिकल कॉलेजों में 846 एमबीबीएस सीटें उपलब्ध हैं। एक निजी मेडिकल कॉलेज में 150 एमबीबीएस सीटें हैं।

इस तरह प्रदेश में कुल 996 एमबीबीएस सीटें उपलब्ध हैं। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि हिमाचल के छह सरकारी मेडिकल कॉलेजों में 307 स्नातकोत्तर यानी पीजी सीटें हैं। एक निजी मेडिकल कॉलेज में 93 पीजी सीटें उपलब्ध हैं। इस तरह प्रदेश में कुल 400 पीजी सीटें हैं सांसद ने केंद्र से प्रदेश में मेडिकल कॉलेजों, एमबीबीएस व पीजी सीटों, संबद्ध अस्पतालों, डॉक्टरों और विशेषज्ञ चिकित्सकों की उपलब्धता सहित स्वास्थ्य संस्थानों में कर्मचारियों की स्थिति की जानकारी मांगी थी। उन्होंने जिला अस्पतालों, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों और उप-स्वास्थ्य केंद्रों में स्वीकृत व कार्यरत पदों का विवरण भी पूछा था। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों, उप-स्वास्थ्य केंद्रों और जिला अस्पतालों में डॉक्टरों, विशेषज्ञ चिकित्सकों, नर्सिंग तथा अन्य कर्मचारियों के स्वीकृत, कार्यरत पदों व रिक्तियों की जानकारी हेल्थ डायनेमिक्स ऑफ इंडिया 202×-24 में उपलब्ध है। पिछले तीन शैक्षणिक वर्षों में एमबीबीएस और एमडी/एमएस की पढ़ाई पूरी करने वाले डॉक्टरों तथा उनमें से सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं में नियुक्त डॉक्टरों का आंकड़ा केंद्र स्तर पर संधारित नहीं किया जाता। केंद्र ने यह भी स्पष्ट किया कि सार्वजनिक स्वास्थ्य और अस्पताल राज्य सूची के विषय हैं। स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूत करने की प्राथमिक जिम्मेदारी राज्य सरकार की है। केंद्र सरकार राज्यों को तकनीकी और वित्तीय सहायता देती है। कश्यप ने कहा कि केंद्र की योजना के तहत चंबा, हमीरपुर और नाहन में तीन मेडिकल कॉलेज मंजूर किए गए हैं और तीनों कार्यशील हैं।

मर्लीन की अदा सबसे जुदा

माइक्रोनेशियो। मर्लीन पी. माइक्रोनेशिया की महिला खेल प्रतिभाओं में शामिल नाम हैं। उन्होंने खेल जगत में अपनी भागीदारी के माध्यम से देश का प्रतिनिधित्व किया है। माइक्रोनेशिया जैसे छोटे द्वीपीय देश के खिलाड़ियों के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाना बड़ी उपलब्धि है।

पीएम ने राष्ट्रमंडल खेलों में पदक विजेता खिलाड़ियों के जज्बे को सराहा

ग्लास्गो के रेस्तरां में भारत के गलत मानचित्र पर आपत्ति जताने के लिए लवलीना की जमकर की प्रशंसा

एजेंसी, नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रमंडल खेलों में पदक जीतने वाले खिलाड़ियों के साथ मुलाकात के दौरान ग्लास्गो के एक रेस्तरां में भारत के गलत मानचित्र पर आपत्ति जताने पर मुक्केबाज लवलीना बोरगोहेन की सराहना की।

प्रधानमंत्री ने रविवार को हुई इस बातचीत के दौरान पदक विजेताओं से खेलों की तैयारी और ग्लास्गो में उनके अनुभवों के बारे में सुना। इस दौरान भारोत्तोलक मीराबाई चानू ने पिछले चार वर्षों के अपने संघर्ष के बारे में भी मोदी को बताया। प्रधानमंत्री कार्यालय ने सोमवार को इसका लगभग 10 मिनट का वीडियो जारी किया। इस अवसर पर खेल मंत्री मनसुख मांडविया, खेल राज्य मंत्री रक्षा खडसे और भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष पी टी उषा भी उपस्थित थीं।

भारत ने इन खेलों में 39 पदक जीते जिनमें 13 स्वर्ण पदक शामिल हैं। भारत ने सात स्वर्ण पदक मुक्केबाजी में जीते। मोदी ने टोक्यो ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता से कहा, ''खेलों के समापन और जश्न के माहौल में उस नक्शे के महत्व को पहचान पाना। मैं आपको सच बता सकता हूं, वह वीडियो साधारण नहीं था। लोग उसे लंबे समय तक याद रखेंगे।'

प्रधानमंत्री ने खिलाड़ियों के प्रयासों की सराहना की और उन्हें प्रेरणास्रोत बताया।

'मुझे देश का गलत मानचित्र देखना अच्छा नहीं लगा'

असम की मुक्केबाज लवलीना बोरगोहेन ने पीएम को बताया ''हमने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया और यह खेलों का आखिरी दिन था। यह खुशी का अवसर था। हम जश्न मना रहे थे और मुझे देश का गलत मानचित्र देखना अच्छा नहीं लगा। मैंने विनम्रतापूर्वक उन्हें बताया और उन्होंने बदलाव भी कर दिया।'' मोदी ने उनकी सराहना करते हुए कहा कि यह समझदारी भरा काम था, खासकर ऐसे समय में जब वह अपनी जीत का जश्न मना रही थीं।

नरेंद्र ने सुनाया पाकिस्तानी बॉक्सर का किस्सा

पुरुषों के 90 किलोग्राम से अधिक वर्ग में स्वर्ण पदक जीतने वाले मुक्केबाज नरेंद्र बेरवाल ने 2015 के वर्ल्ड मिलिट्री गेम्स में एक पाकिस्तानी मुक्केबाज को हराने के बाद उससे मिली एक मजेदार प्रतिक्रिया के बारे में मोदी को बताया। उन्होंने कहा, ''वर्ल्ड मिलिट्री गेम्स 2015 के दौरान मेरा पाकिस्तान के एक मुक्केबाज से मुकाबला था। मैंने उसमें जीत हासिल की लेकिन इसके बाद जब उपचार के लिए हम दोनों मेडिकल रूम में थे तो उसने मुझसे कहा, 'भाईजान, आपका नाम नरेंद्र है, आपके कोच का नाम नरेन्द्र है, आपके प्रधानमंत्री का नाम नरेंद्र है। मुझे नरेंद्र नाम से नफ़रत हो गई है।' इस पर मोदी हंस पड़े।

पोडियम पर क्यों भावुक हो गई थीं मीराबाई ?

ग्लास्गो में 190 किलोग्राम का रिकॉर्ड भार उठाकर स्वर्ण पदक जीतने वाली भारोत्तोलक मीराबाई चानू से प्रधानमंत्री ने बातचीत में पोडियम पर उनके भावुक होने के बारे में पूछा। बातचीत के दौरान उन्होंने मीराबाई को लड्डू भी खिलाया। मीराबाई ने कहा कि यह उन भावनाओं को बाहर निकालने का पल था जिन्हें वह पिछले चार वर्षों से अपने अंदर दबाए हुए थीं। भावुक लेकिन मुस्कुराती हुई मीराबाई ने जवाब दिया, ''मैं उस क्षण बहुत खुश और भावुक थी। मैं इसलिए रो रही थी क्योंकि पेरिस ओलंपिक में मैं एक किलोग्राम से पदक से चूक गई थी। पिछले चार वर्षों में मैंने बहुत कुछ झेला है। मैं चोटों और कुछ पारिवारिक समस्याओं से भी जूझ रही थी।'

स्पोर्ट्स विंडो

खिलाड़ियों के धीरे फिट होने में सीईओ को दोषी मानना गलत : लक्ष्मण

एजेंसी, नई दिल्ली। पूर्व क्रिकेटर वीवीएस लक्ष्मण ने खिलाड़ियों के

धीरे फिट होने में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस को दोषी मानने से इनकार किया है। उन्होंने कहा कि क्रिकेटर मशीन नहीं है। ऐसा नहीं है कि हर बार वे जल्दी चोट से उबर जाएंगे। लक्ष्मण बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के प्रमुख हैं। उन्होंने रविवार को मीडिया से बातचीत में कहा कि सीईओ और पुरुष-महिला दोनों टीमों के मैनेजमेंट के बीच शानदार तालमेल है। लक्ष्मण का बयान ऐसे टाइम पर आया है, जब देशभर में खिलाड़ियों के चोटिल होने पर सवाल उठ रहे हैं। लक्ष्मण ने कहा- 'सीईओ सिर्फ रिहैब सेंटर नहीं है। क्रिकेटर्स को बेहतर बनाने में इसकी बड़ी भूमिका है। इसलिए चोट के लिए दोष शब्द का इस्तेमाल नहीं करना चाहते, क्योंकि इससे किसी को बलि का बकरा बनाया जाता है।' लक्ष्मण ने कहा कि फिटनेस के नियम कड़े हैं। साथ ही सभी खिलाड़ियों के शरीर का नेचर भी अलग है। इस वजह से कोई खिलाड़ी तय समयसीमा में पूरी तरह फिट नहीं हो पाता।

अमेरिका विश्व एथलेटिक्स अंडर 20 चैंपियनशिप में नंबर वन रहा

एजेंसी, ओरेगन। विश्व एथलेटिक्स अंडर-20 चैंपियनशिप 2026 में अमेरिका ने पदक तालिका में शीर्ष स्थान हासिल किया। अमेरिका ने कुल 18 पदक जीते, जिसमें 12 स्वर्ण, सात रजत और पांच कांस्य शामिल हैं। भारत तीन पदकों के साथ पदक तालिका में 27वें स्थान पर रहा। भारत अंतिम दिन कोई पदक नहीं जीत सका और उसका अभियान दो रजत तथा एक कांस्य पदक के साथ समाप्त हुआ। भारत के लिए भाला फेंक में आशीष यादव ने रजत पदक जीता। इसके बाद बसंत कुमार मेघवाल ने पुरुषों की ऊंची कूद में रजत पदक हासिल किया, जबकि शाहनवाज खान ने पुरुषों की लंबी कूद में कांस्य पदक जीतकर भारत को तीसरा पदक दिलाया। बसंत का रजत पदक विश्व अंडर-20 चैंपियनशिप में भारत का पहला पदक था।

टोबी अल्बर्ट ने 6 गेंद पर लगाए 6 छक्के

एजेंसी, होव। इंग्लैंड के वनडे कप में हैम्पशायर के बल्लेबाज टोबी

अल्बर्ट ने लगातार 6 गेंदों पर 6 छक्के लगा दिया। उन्होंने ससेक्स के खिलाफ सिर्फ 37 गेंदों में 86 रन की तेज पारी खेली। अल्बर्ट ने पहले ओवर में 2 छक्के आए। इसके बाद अगले ओवर में उन्होंने लगातार 4 गेंदों को सिक्स के लिए भेज दिया। अल्बर्ट की पारी के बदौलत हैम्पशायर ने 383/9 रन बनाए। जवाब में ससेक्स 332 रन पर ऑलआउट हो गई। हैम्पशायर ने मुकाबला 51 रन से जीत लिया। अल्बर्ट जब बल्लेबाजी करने आए, तब हैम्पशायर का स्कोर 200 रन के पार पहुंच चुका था। उन्होंने आते ही रन बनाने की रफ्तार बढ़ा दी। ससेक्स के नैंटेस ओस्टहुइजन गेंदबाजी कर रहे थे। अल्बर्ट ने उनके ओवर में लगातार दो छक्के लगाए। इसके बाद अगला ओवर ओली कर्टली लेकर आए। अल्बर्ट ने उनकी लगातार चार गेंदों पर चार छक्के जड़ दिए। हालांकि, इन छक्कों को एक ओवर में लगाए गए 6 छक्कों का रिकॉर्ड नहीं माना जाएगा। वजह यह है कि ये दो अलग-अलग ओवर में आए।

भारतीय खिलाड़ियों ने पहले दिन जीते 17 पदक

अंडर-23 कॉमनवेल्थ फेंसिंग चैंपियनशिप में भारत का धमाल

एजेंसी, लागोस

भारत ने नाइजीरिया के लागोस में चल रही अंडर-23 कॉमनवेल्थ फेंसिंग चैंपियनशिप के पहले ही दिन शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 17 पदक अपने नाम कर लिए। भारतीय खिलाड़ियों ने चार स्वर्ण, चार रजत और नौ कांस्य पदक जीते। प्रतियोगिता रविवार से शुरू हुई है और 14 अगस्त तक चलेगी।

फेंसिंग एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एफएआई) के अनुसार, भारतीय दल ने प्रतियोगिता के सभी छह व्यक्तिगत मुकाबलों में पोडियम स्थान हासिल किया। इनमें पुरुष और महिला वर्ग की सेबर, फॉयल और एपे स्पर्धाएं शामिल हैं। भारत ने तीनों हथियार वर्गों में दमदार प्रदर्शन करते हुए पहले दिन ही अपनी मजबूत दावेदारी पेश की।

पुरुषों की सेबर में भारत नेक किया क्लीन स्वीप

पुरुषों की सेबर स्पर्धा में निखिल वाघ ने स्वर्ण पदक जीतकर भारत को शीर्ष स्थान दिलाया। लक्ष्य बदसर ने रजत पदक अपने नाम किया, जबकि अश्विनी आर्य और लाइशराम मोरांबा ने कांस्य पदक जीते। इस तरह इस स्पर्धा के चारों पदक भारतीय खिलाड़ियों के खाते में गए।

महिला वर्ग में भी भारतीय खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन

महिला खिलाड़ियों ने भी भारत के पदक अभियान को मजबूती दी। महिला फॉयल में जॉयस अशिता ने स्वर्ण पदक जीता, जबकि उनकी भारतीय साथी कनागलक्ष्मी ने रजत पदक हासिल किया। महिला एपे में प्राची लोहान ने स्वर्ण पदक अपने नाम किया। निवेद्या नायर और अनुप्रिया ने कांस्य पदक जीतकर इस स्पर्धा में भारत की मौजूदगी मजबूत की। महिला सेबर में भी भारत को स्वर्ण पदक मिला। जेफरलिन ने शीर्ष स्थान हासिल किया, जबकि आखारी ने रजत और श्रेया गुप्ता ने कांस्य पदक जीता।

सिवानंदन और श्रेयस रॉयल ने जीती ब्रिटिश शतरंज चैंपियनशिप

एजेंसी, लंदन। भारतीय मूल की 11 वर्षीय शतरंज प्रतिभा बोधना सिवानंदन और 17 वर्षीय श्रेयस रॉयल ने सप्ताहांत में 2026 ब्रिटिश शतरंज चैंपियनशिप जीतकर इतिहास रच दिया। कोवेंट्री में रविवार को संपन्न हुई प्रतियोगिता में बोधना ब्रिटेन की अब तक की सबसे कम उम्र की महिला शतरंज चैंपियन बन गईं। मुकाबले के दौरान दर्शक उन्हें प्यार से 'गोधना' कहकर उत्साहित कर रहे थे। उन्होंने आयरलैंड की 14 वर्षीय उभरती हुई खिलाड़ी त्रिशा कन्यमाराला को रोमांचक रैपिड शतरंज प्लेऑफ में हराकर खिताब अपने नाम किया। 'इंग्लिश चेस फेडरेशन' (ईसीएफ) के लिए कमेंट्री कर रहे ग्रैंडमास्टर डैनी गोर्माली ने कहा, 'अविश्वसनीय! बोधना जीत गई हैं। वह कमाल की खिलाड़ी हैं, एक ऐसी प्रतिभा जो पीढ़ी में एक बार ही देखने को मिलती है।' बोधना ने कोविड-19 महामारी के दौरान लगे लॉकडाउन में पहली बार शतरंज खेलना शुरू किया था जब उनके पिता के एक मित्र भारत लौट रहे थे और जाते समय कुछ बैग छोड़ गए थे जिनमें एक शतरंज का बोर्ड भी था। उस समय बोधना ने कहा था, 'मुझे शतरंज के मोहरे बहुत आकर्षक लगे, इसलिए मैंने खेलना शुरू कर दिया।'

वॉर्मअप मैच में शानदार प्रदर्शन के बाद पडिक्कल का नंबर-3 पर दावा मजबूत

एजेंसी, कोलंबो

श्रीलंका दौरे की शुरुआत भारतीय टीम के लिए शानदार जीत के साथ हुई। भारत ने तीन दिवसीय वॉर्मअप मुकाबले में श्रीलंका क्रिकेट इलेवन को छह विकेट से हराया। 207 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए यशस्वी जायसवाल, शुभमन गिल और ऋषभ पंत ने टीम को आसान जीत दिलाई। हालांकि यह मुकाबला मूल रूप से चार दिन का होना था, लेकिन इसे आखिरी समय में तीन दिन का कर दिया गया। इसके बावजूद भारतीय टीम मैनेजमेंट को पहले टेस्ट से पहले कई अहम सवालों के जवाब मिल गए। भारत और श्रीलंका के बीच पहला टेस्ट 15 अगस्त से गॉल में खेला जाना है। वॉर्मअप मैच में कुछ खिलाड़ियों ने अपनी दावेदारी मजबूत की, जबकि कुछ के प्रदर्शन ने टीम मैनेजमेंट की चिंता बढ़ाई है।

इस मुकाबले का सबसे बड़ा सकारात्मक पहलू देवदत्त पडिक्कल का प्रदर्शन रहा। कर्नाटक के बाएं हाथ के बल्लेबाज ने नाबाद 142 रन की शानदार पारी खेलकर नंबर-3 की जगह पर अपनी दावेदारी बेहद मजबूत कर दी है। पडिक्कल ने तेज गेंदबाजों और स्पिनरों दोनों के खिलाफ सहजता से बल्लेबाजी की। उनकी फुटवर्क शानदार रही और उन्होंने जरूरत के मुताबिक आक्रामक शॉट भी लगाए। खास बात यह रही कि उन्होंने दबाव में

रक्षात्मक होने के बजाय गेंदबाजों पर दबाव बनाने की कोशिश की। साई सुदर्शन के चोटिल होकर पूरी टेस्ट सीरीज से बाहर होने से पडिक्कल की राह जरूर आसान हुई है, लेकिन उनके प्रदर्शन को देखते हुए सुदर्शन के फिट होने की स्थिति में भी उन्हें प्लेइंग-11 से बाहर रखना आसान नहीं होता।

सरफराज खान की टेस्ट टीम में वापसी

एजेंसी, नई दिल्ली। श्रीलंका के खिलाफ आगामी दो टेस्ट मैचों की सीरीज के

लिए भारतीय टीम में वापसी करने वाले बल्लेबाज सरफराज खान ने सोशल मीडिया पर तस्वीर साझा कर अपनी खुशी जाहिर की है। सरफराज ने इंस्टाग्राम पर पिता और पूर्व क्लब क्रिकेटर एवं कोच नौशाद खान के साथ भारतीय टीम की ट्रेनिंग किट में अपनी तस्वीर पोस्ट की। सरफराज को चोटिल साई सुदर्शन के स्थान पर भारतीय टेस्ट टीम में शामिल किया गया है। साई सुदर्शन दाएं पैर के अंगूठे में स्ट्रेस रिएक्शन के कारण श्रीलंका के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की सीरीज से बाहर हो गए हैं। भारतीय टेस्ट टीम में सरफराज की आखिरी बार वापसी 2024-25 बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के दौरान हुई थी।

गेहड़वी में क्रांति इलेवन ने जीती क्रिकेट प्रतियोगिता

अनंत ज्ञान

गेहड़वी। गेहड़वी में आयोजित क्रिकेट प्रतियोगिता का रविवार को रोमांचक फाइनल मुकाबले के साथ समापन हुआ। प्रतियोगिता के समापन अवसर पर कैप्टन हरवंश सिंह भभोरिया ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। इस दौरान उनके साथ बली राम नड्डा, विनोद चंदेल, ज्योति, हरदेव नड्डा,नीलम चंदेल, रामकृष्ण ठाकुर और शैलेन्द्र कुमार सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला क्रांति इलेवन और जय मां जालपा यूथ क्लब जमोई के बीच खेला गया। रोमांचक मुकाबले में क्रांति इलेवन की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जय मां जालपा यूथ क्लब जमोई को 38 रनों से हराकर प्रतियोगिता का खिताब अपने नाम किया। प्रतियोगिता में कुल 18 टीमों ने भाग लिया और खिलाड़ियों ने बेहतरीन खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया। पूरे टूर्नामेंट के दौरान मुकाबलों में खिलाड़ियों ने खेल भावना और अनुशासन का परिचय दिया। प्रतियोगिता में शुभम को बेस्ट प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट तथा संजीव गुलेरिया को बेस्ट बॉलर ऑफ द टूर्नामेंट के पुरस्कार से सम्मानित किया गया। समापन अवसर पर अतिथियों ने विजेता एवं उपविजेता टीमों के खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि इस तरह की खेल प्रतियोगिताएं ग्रामीण क्षेत्रों की प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का अवसर प्रदान करती हैं। उन्होंने युवाओं से खेलों में बढ़-चढ़कर भाग लेने का आह्वान किया।

फाइनल में जय मां जालपा यूथ क्लब जमोई को हराया शुभम बने बेस्ट प्लेयर

नेपाल में भारत के राजदूत से पीएम शाह की द्विपक्षीय मसलों पर हुई बातचीत

एजेंसी, काठमांडू। नेपाल में भारत के राजदूत नवीन श्रीवास्तव ने सोमवार को यहां देश के प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह से मुलाकात की। सिंहदरबार स्थित प्रधानमंत्री कार्यालय में हुई यह महत्वपूर्ण बैठक करीब 45 मिनट तक चली। बैठक में दोनों पक्षों के प्रतिनिधि मौजूद थे। नेपाल के प्रधानमंत्री सचिवालय ने जानकारी दी कि बैठक में नेपाल और भारत के बीच आपसी संबंधों, द्विपक्षीय सहयोग तथा विभिन्न समसामयिक मुद्दों पर चर्चा हुई। हालांकि, बैठक में उठाए गए विषयों के बारे में विस्तृत जानकारी अभी नहीं दी गई है। भारतीय राजदूत के साथ बैठक के बाद प्रधानमंत्री शाह आज अपराह्न तीन बजे चीन के राजदूत से भी मुलाकात करने वाले हैं। इसी तरह मंगलवार सुबह नेपाल में अमेरिकी राजदूत से भी मुलाकात तय होने की सूचना है। प्रधानमंत्री शाह की एक के बाद एक भारत और चीन के राजदूतों के साथ होने वाली इन बैठकों को नेपाल की विदेश नीति और दोनों पड़ोसी देशों के साथ संबंधों के संदर्भ में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

इससे पहले प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह ने नेपाल में तैनात विभिन्न देशों के राजदूतों के साथ सामूहिक बैठक भी की थी। ऐसे में भारत और चीन के राजदूतों के साथ अलग-अलग होने वाली बैठकों को उस व्यापक कूटनीतिक संवाद की अगली कड़ी के रूप में देखा जा रहा है। नेपाल के लिए भारत और चीन दोनों प्रमुख पड़ोसी और महत्वपूर्ण विकास साझीदार हैं। इसलिए प्रधानमंत्री स्तर पर दोनों देशों के राजदूतों के साथ नियमित संवाद को नेपाल के आर्थिक, व्यापारिक, कनेक्टिविटी और क्षेत्रीय हितों के लिहाज से अहम माना जाता है।

हूती का यमन के बंदरगाह शहर अल-मोखा पर हमला

एजेंसी, सना

हूती (अंसार अल्लाह) ने लाल सागर में तनाव के बीच यमन की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त सरकार के नियंत्रण वाले ऐतिहासिक बंदरगाह अल-मोखा पर हमला किया है। हूती विद्रोहियों ने रविवार को बैलिस्टिक मिसाइलों और विस्फोटक से लदे ड्रोन का इस्तेमाल करके बंदरगाह परिसर को निशाना बनाया। हमले के तुरंत बाद धमाकों की आवाज सुनी गई और बंदरगाह इलाके में भीषण आग लग गई। यमन सरकार के सैन्य प्रवक्ता ने बताया कि हमले में सात लोग मारे गए और 15 घायल हो गए। अरब न्यूज और अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, हूती विद्रोहियों ने मुख्य रूप से बंदरगाह पर नागरिक सुविधाओं को निशाना बनाया। हमले के बाद आसमान में काले धुएं के गुबार और ऊंची लपटें उठती देखी गईं। महत्वपूर्ण यह है कि हूती यमन का चरमपंथी, राजनीतिक और सैन्य संगठन है। यह मुख्य रूप से यमन के उत्तरी हिस्से के जैदी शिया मुसलमानों का प्रतिनिधित्व करता है। इसे ईरान का सीधा समर्थन प्राप्त है। अमेरिका, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात हूती को आतंकी संगठन घोषित कर चुके हैं।

4 सैनिकों और तीन नागरिकों की मौत

हमलों में चार सैनिक और तीन आम लोग मारे गए। इस दौरान यमन सरकार की वायु रक्षा प्रणाली ने हूती के 11 ड्रोन मार गिराए। बंदरगाह के निदेशक अब्दुल मलिक अल-शराबी ने हूती के हमलों की पुष्टि की। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हूती की मिसाइलें एक स्थानीय टेलीविजन केंद्र के मुख्यालय और एक सरकारी इमारत के पास भी गिरीं।

सेंसेक्स 43 अंक चढ़कर 78,542 के स्तर पर बंद, निफ्टी में भी उछाल

रियल्टी और प्राइवेट बैंकों के शेयर्स में रही ज्यादा खरीदारी

एजेंसी, मंबई

शेयर बाजार में 10 अगस्त को मामूली बढ़त रही। सेंसेक्स 43 अंक की बढ़त के साथ 78,542 पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 13 अंक की बढ़त रही, ये 24,584 पर बंद हुआ। रियल्टी और प्राइवेट बैंकों के शेयर्स में ज्यादा खरीदारी रही। मोलबायो डायग्नोस्टिक्स और धूत ट्रांसमिशन के आईपीओ आज से ओपन हो गए हैं। मोलबायो डायग्नोस्टिक्स आईपीओ के जरिए 939.70 करोड़ और धूत ट्रांसमिशन 3,066.89 करोड़ रुपए जुटाना चाहती हैं। इन दोनों ही आईपीओ में 12 अगस्त तक पैसा लगा सकेंगे।

इससे पहले पिछले शुक्रवार को बाजार में गिरावट रही थी। सेंसेक्स 455 की गिरावट के साथ 78,499 पर बंद हुआ था। निफ्टी में 65 अंकों की गिरावट रही, ये 24,570 के स्तर पर आ गया था।

सोना 1.51 लाख पर पहुंचा, चांदी भी चमकी

एजेंसी, नई दिल्ली। सोने-चांदी की कीमत में आज यानी 10 अगस्त को बढ़त है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के मुताबिक 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 1,440 रुपए बढ़कर 1.51 लाख रुपए पर पहुंच गया है। एक किलो चांदी की कीमत 1,909 रुपए बढ़कर 2.33 लाख रुपए पर पहुंच गई है। इस महीने यानी अगस्त में सिर्फ 6 दिन में ही सोना 8,201 और चांदी 14,995 रुपए महंगी हो चुकी है। इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। सोना 2026 में अब तक 18 हजार रुपए महंगा हुआ है।

उपहार संयुक्त राष्ट्र को भारत के राष्ट्रीय पक्षी से जुड़ा एक सुंदर प्रतीकात्मक उपहार

भारत से जेनेवा पहुंचे 5 मोर, यूएन ने बनाया 'फोटो ऑफ द वीक'

एजेंसी, जेनेवा

भारत की ओर से संयुक्त राष्ट्र कार्यालय, जेनेवा को भेंट किए गए पांच भारतीय मोर रविवार को एरियाना पार्क पहुंच गए। संयुक्त राष्ट्र ने मोरों के आगमन की तस्वीरें साझा करते हुए इसे अपना 'फोटो ऑफ द वीक' बताया है।

संयुक्त राष्ट्र जेनेवा कार्यालय ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर तस्वीरें साझा करते हुए कहा कि भारत के पांच मोर एरियाना पार्क पहुंच गए हैं। यह भारत के राष्ट्रीय पक्षी से जुड़ा एक सुंदर प्रतीकात्मक उपहार है और संयुक्त राष्ट्र परिसर में चली आ रही एक सदी पुरानी मोर परंपरा को आगे बढ़ाता है।

7 अगस्त को संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि अरिंदम बागची ने एक विशेष समारोह में पांच मोरों को संयुक्त राष्ट्र कार्यालय, जेनेवा

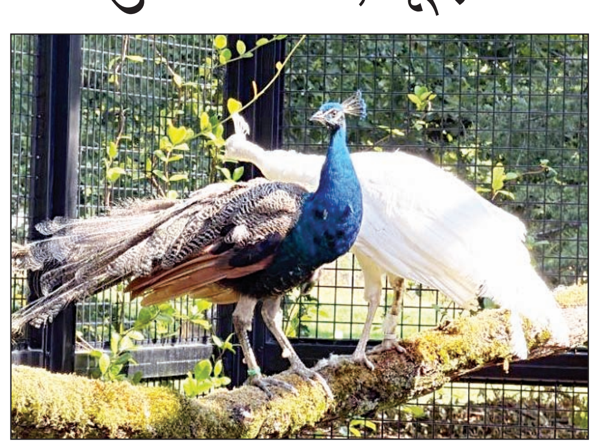

की महानिदेशक तात्याना वलोवाया को सौंपा था। इनमें चार नीले और एक सफेद मोर शामिल हैं।

वलोवाया ने भारत सरकार की इस पहल की सराहना की। उन्होंने बताया कि मोरों के लिए फिलहाल एक अस्थायी आवास तैयार किया गया है। शुरुआती करीब तीन महीने वे सुरक्षित और बंद परिसर में रहेंगे और वयस्क होने के बाद एरियाना पार्क में स्वतंत्र रूप से विचरण कर सकेंगे। भारत के स्थायी मिशन ने बताया कि यह भेंट भारत और संयुक्त राष्ट्र के बीच साझेदारी तथा बहुपक्षवाद और अंतरराष्ट्रीय सहयोग के प्रति भारत की प्रतिबद्धता का प्रतीक है।

पर्यावरण संरक्षण के लिए साझा संदेश

भारत की ओर से मोरों का यह उपहार केवल सांस्कृतिक आदान-प्रदान तक सीमित नहीं है। भारतीय मिशन ने इसे भारत की समृद्ध प्राकृतिक विरासत, संयुक्त राष्ट्र के साथ दीर्घकालिक साझेदारी और बहुपक्षीय व्यवस्था में विश्वास का प्रतीक बताया है। संयुक्त राष्ट्र परिसर में भारत के राष्ट्रीय पक्षी का पहुंचना दोनों संस्थाओं के बीच मैत्रीपूर्ण संबंधों और पर्यावरण संरक्षण के साझा संदेश को भी रेखांकित करता है।

एक सदी पुरानी परंपरा से जुड़ा है यह इतिहास

एरियाना पार्क में मोरों की मौजूदगी एक लंबे समय से चली आ रही परंपरा का हिस्सा है। संयुक्त राष्ट्र कार्यालय जेनेवा का यह परिसर एक सदी से अधिक समय से मोरों का घर रहा है। भारत इससे पहले भी संयुक्त राष्ट्र कार्यालय, जेनेवा को मोर भेंट कर चुका है। वर्ष 1981 में भारत ने वहां एक जोड़ी मोर दिए थे। इस बार पांच नए मोरों के आने से एरियाना पार्क की जैव विविधता में भी वृद्धि होगी। भारतीय मिशन के अनुसार, भारत का राष्ट्रीय पक्षी मोर सुंदरता, गरिमा और दृढ़ता का प्रतीक है। इस पहल के जरिए भारत ने अपनी समृद्ध प्राकृतिक विरासत और जैव विविधता संरक्षण के प्रति प्रतिबद्धता को भी प्रदर्शित किया है।